सुविचार
भूख मारक है,पर ग्लानि भूख से ज्यादा मारक है।
-कमलेश्वर

Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12

Sahiba Bali Stuns In A Sleek...

Ranchi ● Saturday, 25 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 13 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	76,190.46
निफ्टी	:	23,092.20

SARAFA

सोना	:	7,735
चांदी	:	105.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आयुध फैक्ट्री में विस्फोट आठ लोगों की गई जान

BHANDARA : शुक्रवार को महाराष्ट्र के भंडारा में सेना की आयुद्ध फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो चुकी है, 7 गंभीर रूप से घायल हैं। भंडारा कलेक्टर संजय कोलते ने बताया कि धमाके से फैक्ट्री की छत गिर गई, जिसमें 13 से 14 लोगों के फंसे होने की आशंका है। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। धमाके के बाद लोहे और पत्थर के टुकड़े दूर-दूर बिखरे हुए दिखाई दिए। विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्ट्री के एलटीपी (लॉन्ग टर्म प्लानिंग) सेक्शन में हुआ। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री और नागपुर के सांसद नितिन गडकरी ने भी हादसे में गिरी छत के नीचे 13-14 लोगों के फंसे होने की जानकारी दी।

पीएम ने लड़कियों को सशक्त बनाने की दोहराई प्रतिबद्धता

NEW DELHI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बालिकाओं को सशक्त बनाए रखने तथा उनके लिए व्यापक अवसर सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यएक्सह्न पर लिखा, आज राष्ट्रीय बालिका दिवस पर हम बालिकाओं को सशक्त बनाए रखने और उनके लिए व्यापक अवसर सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। भारत को सभी क्षेत्रों में बालिकाओं की उपलब्धियों पर गर्व है। उनकी उपलब्धियां हम सभी को प्रेरित करती रहती हैं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, हमारी सरकार ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, कौशल, स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसने बालिकाओं को सशक्त बनाने में योगदान दिया है। बालिकाओं के साथ कोई भेदभाव न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए भी हम उतने ही प्रतिबद्ध हैं।

उत्तरकाशी में भूकंप, एक घंटे में दो बार हिली धरती

DEHRADUN : शुक्रवार की सुबह उत्तराखंड के सीमांत जनपद उत्तरकाशी में भूकंप के झटके महसूस किए गए। सीमांत जनपद में एक घंटे में दो बार धरती हिली। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई। इस दौरान लोग घरों के बाहर नि?कल गए। जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। उत्तरकाशी आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार पहला झटका सुबह 7 बजकर 41 मिनट पर महसूस किया गया। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता दो दशमलव सात मापी गई। इसका केंद्र तिलोथ के पास था। दूसरा झटका 8 बजकर 19 मिनट पर महसूस किया गया। इसकी तीव्रता तीन दशमलव पांच मापी गई। इसका केंद्र तहसील भटवाड़ी के दयारा बुग्याल का वन क्षेत्र था।जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र ने सभी तहसीलों से भूकंप की जानकारी मांगी है।

जल्द से जल्द केंद्र को दें उपयोगिता प्रमाण पत्र

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सभी विभागों के सचिवों को दिया निर्देश

- समय पर प्रमाण पत्र देने से बची हुई राशि पर राज्य का दावा होगा मजबूत
- झारखंड को केंद्र से विशेष सहायता योजना के तहत मिली राशि की हुई समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी ने स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट फॉर कैपिटल इनवेस्टमेंट (एसएएससीआई) को लेकर संबंधित विभागों के सचिवों के साथ समीक्षा की। उन्होंने पूंजी निवेश के लिए राज्यों को दी जाने वाली विशेष सहायता योजना के तहत झारखंड को मिली राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र केंद्र सरकार को ससमय देने का निर्देश दिया। कहा कि यदि समय पर प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया तो इससे बची हुई राशि पर राज्य का दावा मजबूत होगा। झारखंड को वित्तीय अनुशासन के साथ योजनाओं को पूरा करने वाले राज्य के रूप में पहचान मिलेगी। बैठक में वित्त सचिव प्रशांत कुमार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सचिव राहुल पुरवार, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मीटिंग में 1250 करोड़ रुपये का किया गया अतिरिक्त दावा

बैठक के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में झारखंड को केंद्र सरकार द्वारा 5255.14 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिसमें से अब तक 4580.62 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य द्वारा 4302 करोड़ रुपये का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया था, जिसमें से 2763 करोड़ रुपये का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ और 1233 करोड़ रुपये की राशि राज्य को मिल चुकी है। समीक्षा में यह भी बताया गया कि राज्य लगभग 1250 करोड़ रुपये का अतिरिक्त दावा एसएएससीआई के विभिन्न हिस्सों के तहत कर सकता है। यदि केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य किया गया तो वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एसएएससीआई के तहत 4600 करोड़ रुपये की राशि मिल सकती है।

यूनिटी मॉल के निर्माण पर जोर

मुख्य सचिव ने यूनिटी मॉल के निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वीकृत 162.94 करोड़ रुपये की पहली किश्त के रूप में प्राप्त 81.47 करोड़ रुपये के उपयोगिता प्रमाण पत्र की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा तिलैया और नेतरहाट डैम के सौंदर्यीकरण के लिए 214.94 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया था। जिसमें से तिलैया डैम के लिए 34.87 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। वर्किंग वुमेन हॉस्टल के निर्माण के लिए केंद्र से 163 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 8 हॉस्टल झारखंड में बनाए जाएंगे। अब उद्योग विभाग को प्राप्त राशि का 75 प्रतिशत खर्च करने का उपयोगिता प्रमाण पत्र देना है, उसके बाद ही इस मद की शेष राशि केंद्र सरकार से मिलेगी।

गणतंत्र दिवस पर दुमका में तिरंगा फहराएंगे सीएम हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दुमका के पुलिस लाइन मैदान में तिरंगा फहराएंगे। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। मुख्यमंत्री 25 जनवरी की शाम दुमका पहुंचेंगे और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराएंगे। दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त फोर्स उपलब्ध कराए गए हैं। इस अवसर पर होने वाली परेड में 14 प्लाटून भाग लेंगे। इसमें झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप), आईआरबी के साथ प्रमंडल के सभी जिलों के पुलिस बल के अलावा एनसीसी कैडट शामिल होंगे। परेड को प्रशिक्षु आईपीएस डॉ. सैयद मुस्तफा हाशमी कमांड करेंगे।

- कार्यक्रम की तैयारी पूरी, आज शाम में ही पहुंच जाएंगे मुख्यमंत्री
- सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस मुख्यालय से उपलब्ध रहेंगे अतिरिक्त बल
- कार्यक्रम में होने वाली परेड में 14 प्लाटूनों की होगी शिरकत

जेएसएससी : झारखंड हाईकोर्ट में सौंपी गई है विस्तृत जांच रिपोर्ट

सीजीएल एग्जाम में गड़बड़ियों पर सीआईडी ने किए कई खुलासे

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन यानी झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से लिए गए सीजीएल एग्जाम की अब तक हुई सीआईडी जांच में कई खुलासे सामने आए हैं। सीआईडी की ओर से हाईकोर्ट को सौंपी गई विस्तृत जांच रिपोर्ट के अनुसार, परीक्षा में गड़बड़ी की दो शिकायतें रांची पुलिस ने दर्ज की थीं। इसे सीआईडी ने टेकओवर करते हुए कांड संख्या 1/2025 और 2/2025 दर्ज की है। दोनों मामलों की अब तक हुई जांच में यह बात सामने आई है कि रांची और धनबाद के तीन परीक्षा सेंटरों को घटनास्थल के रूप में चिह्नित किया गया है। सीआईडी ने जिन तीन परीक्षा सेंटरों को घटनास्थल के रूप में चिह्नित किया है, उनमें रांची के मखमंद्रो स्थित बेथनी कॉन्वेंट हाई स्कूल, धनबाद के राजगंज स्थित कुमार बीएड कॉलेज और धनबाद के बलियापुर स्थित यूपीजी हाईस्कूल शामिल हैं।

09 लोगों से की जा चुकी है पूछताछ

10 मोबाइलों की होगी एफएसएल जांच

घटनास्थल के रूप में चिह्नित किए गए हैं रांची और धनबाद के तीन परीक्षा केंद्र, जांच एजेंसी को शिकायतों से संबंधित अब तक प्राप्त हुए हैं 24 ई-मेल

- तीन परीक्षा केंद्रों पर स्पष्ट रूप से मिले गड़बड़ी के संकेत
- रांची पुलिस की ओर से दर्ज की गई थीं दो शिकायतें
- हाल में सीआईडी ने मामले को टेकओवर करते हुए शुरू की है जांच

व्हाट्सएप पर मिली हैं 30 सूचनाएं

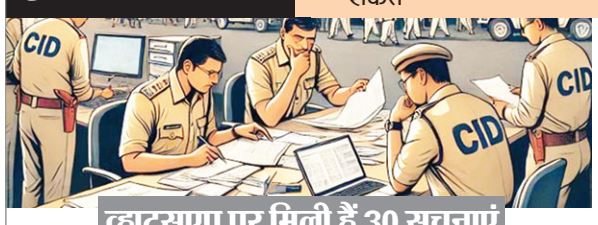

हाईकोर्ट को सीआईडी ने यह भी जानकारी दी है कि अब तक इस मामले में केस दर्ज करवाने वाले अभ्यर्थियों समेत 9 लोगों से पूछताछ की गई है। सभी लोगों का बयान दर्ज किया गया है। सीआईडी ने इस केस से जुड़े लोगों के 10 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं, जिनकी एफएसएल जांच कराई जाएगी। मामले की जांच शुरू होने के बाद से अब तक सीआईडी को व्हाट्सएप और फोन के जरिए 30 सूचनाएं मिली हैं, जिनमें सूचना देने वाले कई संदिग्ध अभ्यर्थी भी हैं।

कंप्लेंट में नहीं दर्शाया गया था सदर थाना का नाम, रातू थाने को किया गया मेंशन

नामकुम थाना प्रभारी ने स्पष्टीकरण का जवाब देते हुए कहा कि मामला दर्ज करने के लिए ऑनलाइन आवेदन नौ नवंबर 2024 को सीसीटीएनएस कंप्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से प्राप्त हुआ था। इसके बाद उसी दिन नौ नवंबर को ही सनहा दर्ज करते हुए इसकी जांच का दायित्व सब-इंस्पेक्टर जयदेव कुमार सराक को सौंपा गया था। 29 नवंबर 2024 को कंप्यूटर ऑपरेटर से आवेदन देर से प्रस्तुत करने को लेकर स्पष्टीकरण पूछा गया। कंप्यूटर ऑपरेटर ने बताया कि बीएसएनएल नेट सुचारू रूप से नहीं चलने और यूपीएस खराब रहने के कारण ऑनलाइन कंप्लेन निकालकर लेट से प्रस्तुत किया जा सका। दूसरी तरफ सदर थाना प्रभारी ने अपना स्पष्टीकरण समर्पित करते हुए कहा कि जो कंप्लेंट सदर थाना में मामला दर्ज करने के लिए दिया गया था, उसमें रातू थाना का नाम दशार्या गया था। इसके बाद रातू थाना में मामला दर्ज कराया गया।

प्रेसिडेंट ट्रंप के जन्मजात नागरिकता खत्म करने के आदेश पर लगाई गई रोक

- अमेरिका के फेडरल कोर्ट ने 14 दिनों का लगाया स्टे, कहा- आदेश परेशान करने वाला
- बहस के दौरान जज ने टोकते हुए साफ कहा ऐसे आदेश को कैसे मान सकते संवैधानिक

AGENCY NEW DELHI : अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने भारतीय समय के अनुसार शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मजात नागरिकता अधिकार समाप्त करने के फैसले पर 14 दिनों के लिए रोक लगा दी। फेडरल कोर्ट के जज जॉन कफनौर ने वॉशिंगटन, एरिजोना, इलिनोइस और ओरेगन राज्य की याचिका पर यह फैसला सुनाया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, बहस के दौरान जस्टिस डिपार्टमेंट के वकील को टोकते हुए जज जॉन कफनौर ने पूछा- इस आदेश को संवैधानिक कैसे मान सकते हैं। यह बहुत परेशान करने वाला है। यह साफतौर पर असंवैधानिक आदेश है। जज कफनौर ने कहा कि वो 40 साल से भी ज्यादा समय से बेंच पर हैं, लेकिन उन्हें ऐसा कोई दूसरा मामला याद नहीं है, जिसमें केस स्पष्ट रूप से इतना असंवैधानिक हो।

अवैध रूप से रह रहे 538 नागरिक गिरफ्तार

संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे दूसरे देशों के नागरिकों की धरपकड़ तेज हो गई है। कुछ दिन पहले देश की दूसरी बार बागडोर संभालने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह चुके हैं कि देश में एक भी व्यक्ति को अवैध रूप से रहने नहीं दिया जाएगा। राष्ट्रपति की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि आज 538 अवैध आप्रवासी अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक्स पर लिखा है, आज ट्रंप प्रशासन ने एक संदिग्ध आतंकवादी ट्रेन डी अरागुआ गिरोह के चार सदस्यों और नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के दोषी कई लोगों सहित 538 अवैध अप्रवासी अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

निकाय चुनाव को लेकर ईसीआई को जवाब देने का मिला समय, हाईकोर्ट ने पूछा

किस वोटर लिस्ट का उपयोग कर सकता है ईसी

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य में निकाय चुनाव मामले में दायर प्रार्थी रोशनी खलखो व अन्य की अवमानना याचिका पर सुनवाई की। इस विषय में कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग (सीआई) को दो सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई की अगली तिथि 7 फरवरी निर्धारित की है। बता दें कि कोर्ट ने पिछली सुनवाई में भारत निर्वाचन आयोग से पूछा था कि वह राज्य निर्वाचन आयोग को वोटर लिस्ट कब देंगे। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की ओर से वोटर लिस्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। साथ ही कहा गया कि यह लेटेस्ट वोटर लिस्ट नहीं है। इस पर कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग को शपथपत्र दाखिल कर यह बताने को कहा कि निकाय चुनाव के लिए यही वोटर लिस्ट का उपयोग किया जा सकता है।

दो सप्ताह में देना है जवाब, अगली सुनवाई 7 फरवरी को

चार महीने में कराना है चुनाव

पिछली सुनवाई में मुख्य सचिव और नगर विकास सचिव कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए थे। कोर्ट ने राज्य सरकार को नगर निकाय चुनाव करने के लिए 4 महीने का समय दिया। कोर्ट ने एकल पीठ के तीन सप्ताह में चुनाव कराने के आदेश का अनुपालन नहीं होने पर सवाल उठाए थे।

एकल पीठ ने पिछले वर्ष सुनाया था फैसला

बता दें कि प्रार्थी ने एकल पीठ के आदेश का पालन कराने की मांग की है। एकल पीठ 4 जनवरी 2024 को तीन सप्ताह के अंदर नगर निकाय चुनाव कराने के लिए अधिसूचना जारी करने का आदेश सरकार को दिया था। इस संबंध में राज्य सरकार की अपील भी हाई कोर्ट की खंडपीठ से खारिज हो चुकी है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने भी एकल पीठ के आदेश को सही ठहराया है। बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग से वोटर लिस्ट भी अब तक नहीं मिल पाया है।

₹1 सस्ता हुआ अमूल दूध

NEW DELHI : देशभर में अमूल दूध एक रुपये सस्ता हो गया है। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने कहा है कि अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति और अमूल फ्रेश की कीमती कम की गई हैं। नई कीमतें 24 जनवरी से ही लागू कर दी गई हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव के बाद अमूल दूध की कीमत में बढ़ोतरी की गई थी।

KARIM CITY COLLEGE
JAMSHEDPUR
A Muslim Minority Institution
Permanently affiliated to Kolhan University, Jharkhand
NAAC Accredited Institution, RUSA aided, AISHE Code: C-43550
Phones: 2423863, 2437386, 2440206, 2431778, Fax: 2430495
e-mail: office@karimcitycollege.org **web: www.karimcitycollege.ac.in**

Sakchi Campus

Mango Campus

Apart from Conventional teaching in B.A., B.Sc., B.Com. at Major levels - we also impart the following job oriented Vocational/Professional courses :
U.G. Level Courses :
MASS COMMUNICATION VIDEO PRODUCTION, INFORMATION TECHNOLOGY
COMPUTER APPLICATIONS (BCA), BBA, BACHELOR OF EDUCATION (B.Ed)/D.El.Ed.
& PG Diploma in Counseling & Guidance
P.G.Level Courses:
M.A. (Mass Communication) M.Sc. (Mathematics) M.A.(Urdu)
M.A.(Psychology) M.Com.
M.Sc. (Chemistry), M.A. in English, M.A. (Political Science)
& M.A. (History) & M.A. (Economics) will start from the coming session 2025-2026.
Add-on (Vocational) Courses : Certificate/Diploma/Advance Diploma in :
Industrial Chemistry, Pollution Management, Aqua Culture, Functional English, e-Commerce

Advertisement, Sales Promotion & Sales Management, Mass Communication, Information Technology, BCA

For further details contact office : Karim City College, Jamshedpur(0657-2431778)

द फोटोन न्यूज के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

Dr. Mohammad Reyaz
Principal
Karim City College, Jamshedpur

बेहतर सेहत घर-घर पहुंच कर जानी जाएगी एनीमिया की स्थिति

कुपोषण के हालात पर काबू पाने में जुटी केंद्र सरकार

PHOTON NEW @ RESENRCH DESK : इंफ्रास्ट्रक्चर, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जिस शिद्दत से केंद्र की मोदी सरकार अपनी योजनाओं और अभियानों के माध्यम से नए रिकॉर्ड गढ़ रही है, उसी अंदाज में स्वास्थ्य के क्षेत्र को सुधारने में जुटी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए अपने दूसरे कार्यकाल के लगभग अंतिम समय में बड़े विजन के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। यह निर्णय है एनीमिया मुक्त भारत का निर्माण। हम जानते हैं कि कुपोषण हमारे देश की बड़ी समस्या है और इससे करोड़ों बच्चे, महिलाएं और अन्य नागरिक ग्रस्त हैं। इसमें एक मुख्य कारण खून में आयरन की कमी भी है। इसे दूर करने के लिए ही पीएम एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की नींव रखी गई है। जानकारी के अनुसार, कोरोना वायरस की जांच की तरह ही लोग घर बैठे आयरन की जांच भी करा सकेंगे। इसके लिए नई तकनीक के माध्यम से कम होगा। इसे इस्तेमाल करना न सिर्फ आसान होगा, बल्कि सस्ता भी होगा। अमेरिका ने एक समझौते के तहत यह नई तकनीक एनीमियाफोन आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को सौंप दी है।

पीएम एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत स्वदेशी किट तैयार करने की बनी योजना

नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना आसान ही नहीं, बल्कि काफी सस्ता भी होगा

- अब हर किसी के खून में आयरन की कमी दूर करने की होगी कारगर कोशिश
- बाजार में मौजूद अन्य जांच की तुलना में करीब 80 फीसद तक होगी सस्ती
- अमेरिका ने समझौते के तहत आईसीएमआर को सौंप दी है नई तकनीक
- पहले चरण में बच्चों, गर्भवती महिलाओं और युवा वर्ग को कवर करने पर होगा फोकस

कोरोना वायरस की तरह ही जल्द लोग अपने रक्त में करा सकेंगे आयरन की जांच

एक दशक की मेहनत से बनी है तकनीक

जानकारी के अनुसार, अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय ने करीब एक दशक की मेहनत के बाद इस नई तकनीक एनीमियाफोन को खोजा है। इसके जरिए कोई भी व्यक्ति घर बैठे अपने रक्त में आयरन और हीमोग्लोबिन की मात्रा माप सकता है।

नहीं किया जाएगा व्यवसायीकरण

आईसीएमआर की मानें, तो अमेरिका से तकनीक हस्तांतरित होने के बाद अब भारत में ही इसके जरिए जांच किट्स का उत्पादन शुरू किया जाएगा। इसके लिए आईसीएमआर ने देश की प्राइवेट कंपनियों से प्रस्ताव मांगा है। हालांकि इसमें शर्त यह है कि इन किट्स का व्यवसायीकरण नहीं किया जाएगा। आईसीएमआर के मुताबिक, आयरन डेफिसिएंसी (आईडी) परीक्षण के लिए एक व्यक्ति को करीब 500 से लेकर एक हजार रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। अमेरिकी तकनीक ने इन दोनों ही बाधाओं का समाधान दे दिया है। यह बाजार में मौजूद अन्य जांच की तुलना में करीब 80 फीसद तक सस्ती होगी। ग्लोबल न्यूट्रिशन असेसमेंट के मुताबिक, भारत आयरन की कमी की उच्चतम दर वाले देशों में से एक है, जो महिलाओं को एनीमिया के मामले में 180 में से 170 वें स्थान पर है।

BRIEF NEWS

डीसी ने दिलाई पदाधिकारियों व कर्मियों को शपथ

LOHARDAGA : राष्ट्रीय मतदाता दिवस को लेकर शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के जरिये दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसके बाद उपायुक्त के जरिये सभी पदाधिकारियों, कर्मियों एवं मतदाताओं को मतदाता के रूप में सभी निर्वाचनों में मताधिकार का प्रयोग करने की प्रतिज्ञा दिलायी गई। कार्यक्रम में 18 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद मतदाता सूची में नाम जुड़ने पर नये मतदाताओं, अंदिता भट्टाचार्य, आलिया नाज, लक्ष्मी कुमारी, अनामिका भुईंया, प्राची कुमारी, रामकिशोर कुजूर को मतदाता पहचान पत्र उपायुक्त के जरिये प्रदान किया गया। 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं कृष्णा खलखो और शांति देवी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नौ सहायक निवार्ची पदाधिकारी, नौ बीएलओ, सात बीएलओ सुपरवाइजर, उप निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के 11 कर्मियों और तीन हेल्प डेस्क मैनेजर को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर समेत सभी संबंधित पदाधिकारी और बड़ी संख्या में मतदाता उपस्थित थे।

श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव पहुंचे चतरा

CHATRA : राज्य के उद्योग और श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव का शुक्रवार को चतरा परिसदन आगमन हुआ। उनके आगमन पर उपायुक्त रमेश घोलप ने आभार व्यक्त करते हुए पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया। श्रम विभाग के तहत संचालित योजनाओं और प्रवासी श्रमिक पुनर्वास योजना 2021, बाल श्रमिक, झारखंड असंगठित सामाजिक सुरक्षा योजना, झारखंड भवन एवं कर्मकार योजना समेत अन्य योजनाओं के बारें में लाभुक जागरूक हों और योजनाओं का लाभ ले सके। इस उद्देश्य से मंत्री ने परिसदन भवन चतरा से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों मे घुम- घुम कर लाभुकों को योजनाओं के प्रति जागरूक करने का कार्य करेगी। इस मौके पर पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता समेत संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रामगढ़ में बनेगा मल्टीपरपस स्टेडियम

RAMGARH : रामगढ़ जिला वासियों को मल्टीपरपस स्टेडियम की सौगात मिलने वाली है। यह केवल जिला स्तर पर ही नहीं बल्कि अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर भी बनाया जाएगा। हर स्तर पर स्टेडियम बने इसके लिए शुक्रवार को डीसी चंदन कुमार ने सभी अंचल अधिकारियों और प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ अहम बैठक की। इस दौरान उन्होंने अंचल अधिकारियों को सात से आठ एकड़ जमीन का भू-भाग चिन्हित करने का निर्देश दिया है। बैठक के दौरान जिला खेल पदाधिकारी मारकस हेम्ब्रम ने बताया कि पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड द्वारा रामगढ़ जिले में जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर स्टेडियम निर्मित किए जाने का निर्देश प्राप्त है। जिला स्तर पर सात से आठ एकड़ में मल्टीपरपज स्टेडियम, अनुमंडल स्तर पर 1 एकड़ में इनडोर स्टेडियम एवं प्रखंड स्तर पर लगभग 2.5 एक-ड़ में आउटडोर व 50 डिसमिल में इंडोर स्टेडियम का निर्माण किया जाना है। बैठक के दौरान उपायुक्त के जरिये प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों से स्टेडियम निर्माण के तहत जमीन चिन्हित करने को लेकर अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। वहीं जिन प्रखंडों में अब तक जमीन की चिन्हित करने का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, उनमें जल्द से जल्द जमीन चिन्हित करते हुए प्रतिवेदन जिला खेल कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता कुमारी गितांजली, अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, अंचल अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

डोभा में फर्जी तरीके से बना 17 लाख का तालाब, विधायक ने ही किया खुलासा

मनातू प्रखंड की खुर्द पंचायत में उजागर हुआ भ्रष्टाचार का बड़ा मामला

AGENCY PALAMU : जिले के मनातू प्रखंड की बंशी खुर्द पंचायत के सिलदिलीया खुर्द में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। यहां 17 लाख रुपये से अधिक की लागत से डोभा में ही बड़ा तालाब का निर्माण कर दिया गया। यह काम भूमि संरक्षण विभाग के माध्यम से किया गया है। पांकी के विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने इसे खुला घोटाला करार दिया है। विधायक ने शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया है कि सिलदिलीया खुर्द के मास्टर सिंह के खेत में मनरेगा के तहत पहले से डोभा बना हुआ था। मास्टर सिंह और कुछ बिचौलियों ने विभागीय मिलीभगत से डोभा को बड़ा तालाब बना डाला। भूमि संरक्षण विभाग से 200 गुने 200 आकार वाले बड़ा तालाब का नया निर्माण नहीं होता है। तालाब का जीर्णोद्धार किया जाता है, लेकिन यहां विभागीय मिलीभगत से नियम को दरकिनार कर डोभा में ही तालाब का निर्माण किया गया, जो कई सवालों को खड़ा करता है।

इसी तालाब को लेकर किया जा रहा फर्जी होने का दावा ● फोटोन न्यूज

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि डोभा का निर्माण पहले मनरेगा योजना के तहत किया गया था और वह अभी भी उपयोग में है। ऐसे में उसी डोभा में तालाब बनाने का आदेश किसने दिया?

विधायक ने कहा कि आमसभा में यह योजना कैसे पारित हुई? चेक स्लिप कैसे जारी हुई और किसने इसकी मंजूरी दी, यह गंभीर सवाल है। यह स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। विधायक ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां सरकारी योजनाओं और जनता के पैसे का दुरुपयोग को दशार्ती हैं। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और गहन जांच की मांग की है।

भूमि संरक्षण विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) गुलशेर ने स्वीकार किया कि मास्टर सिंह ने बिना विभागीय अनुमति के डोभा को तालाब में बदल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद फिलहाल भुगतान पर रोक लगा दी गई है और वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी गई है। यह मामला ग्रामीण विकास योजनाओं में भ्रष्टाचार की गंभीरता को उजागर करता है। डोभा, जो अभी भी उपयोग में था, उसमें तालाब निर्माण कर सरकारी खजाने को चूना लगाने की कोशिश हुई। फिलहाल, इस पूरे प्रकरण ने विभाग की कार्यशैली और पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विधायक ने आरोप लगाया है कि मनातू के बंशीखुर्द पंचायत में मनरेगा योजना में जमकर धांधली बरती गई है। इस पंचायत में जहां डोभा में तालाब बनाया गया है, वहीं कई जगहों पर डोभा में ही डोभा बनाकर पैसों की बंदरबांट की गयी है।

पीवीयूएनएल ने पुलिस को दी 10 बाइक अपराधियों पर कसेगा शिकंजा : एसपी

जनता के बीच बढ़ेगी पुलिस की क्विक प्रेजेंस, बढ़ेगा भरोसा : आरके सिंह

AGENCY RAMGARH : पीवीयूएनएल के जरिये कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत रामगढ़ पुलिस को 10 टीवीएस अपाचे आरटीआर बाइक प्रदान की गई है। पीवीयूएनएल कि इस पहल के बाद आपराधिक गतिविधियों पर शिकंजा कसने में पुलिस को काफी मदद मिलेगी। एसपी कार्यालय में पीवीयूएनएल के सीईओ आर के सिंह ने एसपी अजय कुमार को बाइक की चाबी और दस्तावेज औपचारिक तौर पर सौंपा। इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और पीवीयूएनएल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस मौके पर रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने कहा कि पीवीयूएनएल के सीईओ और पूरी टीम बधाई की पात्र हैं। उनकी इस पहल के बाद संगठित अपराधों को अंजाम देने वाले अपराधियों तक पहुंच पाना पुलिस के लिए और आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि पतरातू क्षेत्र में हमेशा संगठित अपराध सक्रिय रहा है। वहां कई बार फोर व्हीलर से पेट्रोलिंग करना और अपराधियों के पकड़ने के लिए छापेमारी करना मुश्किल हो जाता है। बाइक हर गली में घुसकर अपराधियों पर नजर रख सकती है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि पतरातू क्षेत्र में अभी विकास की गाड़ी काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। लेकिन उसकी गति को रोकने के लिए अपराधी अपने हथकंडे अपनाते हैं। पीवीयूएनएल भी अपराधियों के इस तांडव का शिकार रहा है। लेकिन अब गिरोह के मुखिया और सूत्रधार माने जाने वाले लोगों को पुलिस ने इलाका छोड़ने का फरमान जारी कर दिया है। अगर वे नहीं सुधरेंगे तो अंजाम बुरा होगा। पीवीयूएनएल के सीईओ आर.के. सिंह ने कहा कि पीवीयूएनएल समाज और समुदाय के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए इस तरह की पहल के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। यह योगदान पुलिस की कार्यक्षमता को बढ़ाने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसपी अजय कुमार को बाइक की चाभी सौंपते कंपनी के पदाधिकारी

कार्यक्रम को संबोधित करते सिविल सर्जन डॉ. अवधेश कुमार सिंह

भ्रूण हत्या बढ़ने से कम हो रहीं लड़कियां : सीएस

LATEHAR : सदर अस्पताल सभागार में शुक्रवार को जिलास्तरीय एक दिवसीय सेव द गर्ल चाइल्ड सप्ताह के तहत पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के अंतर्गत कन्या बचाओ जागरुकता अभियान से संबंधित उन्मुखीकरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. अवधेश कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेंब्रम ने संयुक्त रूप से किया। सिविल सर्जन ने उपस्थित लोगों को पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के नियमों और उसके महत्व के बारे में जानकारी दी। आगे उन्होंने कहा कि भ्रूण हत्या के कारण लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की संख्या कम होती जा रही है, जिसे हर हाल में रोकना होगा। लिंग जांच करना व कराना, दोनों अपराध है। इसके लिए कड़े कानून भी बनाए गए हैं। लिंग जांच करने व कराने वाले को जेल तथा जुर्माना करने का भी प्रावधान है। कार्यक्रम में बाल विवाह की प्रथा को रोकने तथा इसे प्रभावित बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए भारत सरकार के जरिए विशेष कानून के रूप में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के बारे में, बाल विवाह की रोकथाम में पुलिस की भूमिका के बारे में बताया गया।

'कुछ दल संविधान के नाम पर ही चमका रहे राजनीति'

बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते डॉ. रविंद्र राय

JAMSHEDPUR : भारतीय संविधान के गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे संविधान गौरव अभियान के तहत शुक्रवार को जमशेदपुर महानगर ने विचार गोष्ठी का आयोजन किया। बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में आयोजित गोष्ठी में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रविंद्र राय मुख्य वक्ता थे। गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. रविंद्र राय ने संविधान की महत्ता और इसके 75 वर्षों की यात्रा पर विस्तारपूर्वक अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि जिन राजनीतिक दलों के पास जनता से जुड़ा कोई ठोस मुद्दा नहीं है, वे भारतीय संविधान को राजनीतिक हथियार बनाकर अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग संविधान के बुनियादी सिद्धांतों और उसकी धारा-प्रावधानों को ठीक से नहीं समझते, वे ही संविधान को दिखाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

सड़क हादसे में महिला समेत दो की हुई मौत

PALAMU : पलामू जिले के पाटन एवं पांकी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को अलग अलग सड़क हादसे में एक महिला समेत दो की मौत हो गयी, जबकि दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पहली घटना पाटन थाना क्षेत्र के कारीहार में हुई।

यहां टेम्पो में बैठने के दौरान एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने महिला को टक्कर मार दी। इलाज के लिए ले जाने के क्रम में मौत हो गयी। दूसरी घटना पांकी-बालूमाथ मुख्य पथ करामाटी में हुई। ऑल्टो कार और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गयी, जिससे एक की मौत हो गयी, वहीं दो लोग जख्मी हो गए। सूचना मिलने के बाद पाटन एवं पांकी पुलिस छानबीन में जुटी है। जिले के पाटन थाना क्षेत्र के कारीहार में टेम्पो पर बैठ रही महिला को बाइक सवार ने टक्कर मार दी, जिसे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी।

असम के किसान मेला में झारखंड ने खूब दिखाया जलवा, हुई तारीफ

AGENCY PALAMU : असम के गुवाहाटी में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय स्तर के किसान मेला सह फसल प्रदर्शनी में झारखंड के पलामू जिले के हुसैनाबाद के लाल, प्रिय रंजन सिंह ने अपनी अनोखी ऑर्गेनिक कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर राज्य का मान बढ़ाया। वी.के.एस. एग्रीफार्म प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा आयोजित इस मेले में झारखंड सरकार के कृषि निदेशालय की ओर से 25 प्रकार के कृषि उत्पादों का स्टॉल लगाया गया। इस मेले में काला आलू, चिया सीड, ब्लैक राइस, रेड राइस, ब्लैक हल्दी, रामदाना, काला नमक किरण राइस, शुगर फ्री राइस, सोनमती आटा, ब्लैक आटा, पिपरमिंट ऑयल और तुलसी ऑयल जैसे अनोखे और पोषक उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई। झारखंड सरकार के कृषि निदेशालय के असिस्टेंट डायरेक्टर सावन कुमार और प्रगतिशील किसान तेजू सिंह ने भी मेले में भाग लिया।

मेला में उपस्थित लोग ● फोटोन न्यूज

इस आयोजन में झारखंड के जरिये उत्पादित सामग्री को असम सरकार के सहयोग से प्रदर्शन में शामिल किया गया। मेले में झारखंड के काला आलू और शुगर फ्री काला नमक एवं किरण चावल ने विशेष आकर्षण पैदा किया। यहां पर आए बड़े पैमाने के होलसेल व्यापारियों ने इन उत्पादों की गुणवत्ता और उपयोगिता को देखकर काफी रुचि दिखाई। काला आलू और चावल की विशेषताओं को किसानों को विस्तार से बताया गया। मेले में प्रदर्शनी का अवलोकन असम के मंत्री और स्थानीय सांसद ने किया।

सतबरवा के मलय डैम में आयोजित जिला स्तरीय पंचायत सशक्तीकरण कार्यशाला में शामिल हुए राधाकृष्ण किशोर

पलामू के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : मंत्री

AGENCY PALAMU : राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि किसी भी राज्य या जिले के विकास के लिए यह आवश्यक है कि वहां की शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो और यह तभी संभव है जब आपके क्षेत्र में संचालित प्राथमिक पाठशाला सुचारू रूप से बच्चों को शिक्षित करने का कार्य करें, क्योंकि प्राथमिक पाठशाला से ही शिक्षा की नींव पड़ती है। उन्होंने कहा कि इस नींव को मजबूत करने में आप सभी पंचायत के जनप्रतिनिधियों की अहम भूमिका है। वे शुक्रवार को जिले सतबरवा के मलय डैम में आयोजित जिला स्तरीय पंचायत सशक्तीकरण कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों से नियमित रूप से विद्यालय में बच्चों को दी जा रही शिक्षा और मिडडे मिल का निरीक्षण करने की बात कही। अबुआ आवास का लाभ आवास सूची के सीरियल नंबर के अनुरूप ही मिले, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई समस्या या शिकायत हो तो मेरा मोबाइल नंबर 9431135292 पर व्हाट्सएप करें, मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

कार्यशाला का उद्घाटन करते वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ● फोटोन न्यूज

मंत्री ने कहा कि आप सभी ग्राम पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधि हैं। हमारा देश गांवों का देश है ऐसे में जब हमारे गांव-टोले विकसित होंगे तब स्वतः ही हमारा देश विकसित होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में सभी एएनएम को प्रशिक्षण देने की योजना पर कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं उनके आर्थिक सशक्तिकरण में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि पलामू के सर्वांगीण विकास के लिये सभी जनप्रतिनिधियों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। कार्यशाला में उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि जिले के विकास में आप सभी जनप्रतिनिधियों का अहम स्थान है। आप ही वह महत्वपूर्ण कड़ी है जिससे कि प्रशासन को ग्राउंड जीरो का फीडबैक प्राप्त होता है। इस कार्यशाला का उद्देश्य आप सभी को विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना है। कार्यशाला में 15 से अधिक विभागों के जरिये संचालित योजनाओं से आपको अवगत कराया जा रहा है।

उन्होंने सभी से अपने क्षेत्र अंतर्गत पीवीटीजी समूह के विकास पर विशेष ध्यान देने हेतु अनुरोध किया। इसके पूर्व मंत्री, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा कुमारी, मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद व जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह के जरिये दीप प्रज्जवलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

गणतंत्र दिवस को लेकर सिदो-कान्हू मैदान में हुआ अंतिम पूर्वाभ्यास

RAMGARH : गणतंत्र दिवस पर सिद्धो कान्हू मैदान, रामगढ़ में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को अंतिम अभ्यास किया गया। इस दौरान उपायुक्त चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के साथ गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन को लेकर की गई तैयारियों का निरीक्षण किया। मौके पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परेड का निरीक्षण किया, जिसके बाद उपायुक्त ने झंडा फहराया। अंतिम अभ्यास के दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं के द्वारा बैंड की प्रस्तुति दी गई। मौके पर उपायुक्त ने गणतंत्र दिवस के मद्देनजर अंतिम चरण की तैयारियों की जानकारी लेते हुए कार्यक्रम के भव्य व सफल आयोजन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

परेड का हुआ फाइनल रिहर्सल डीसी-एसपी ने किया निरीक्षण

पुलिस लाइन स्टेडियम में परेड का निरीक्षण करते डीसी-एसपी ● फोटोन न्यूज

PALAMU : 76वें गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर पलामू जिले में उत्साह का माहौल है। मुख्य समारोह का आयोजन मेदिनीनगर के पुलिस लाइन स्टेडियम में रविवार को किया जाएगा। यहां सुबह 9.05 बतौर मुख्य अतिथि राज्य के संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर झंडोतोलन करेंगे। मुख्य समारोह के आयोजन को लेकर तैयारी शुरू कर ली गई है। शुक्रवार को पूर्वाहन में परेड का फाइनल रिहर्सल किया गया। उपायुक्त शशि रंजन एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण किया। जरूरी तैयारियों की जानकारी ली। कई दिशा निर्देश दिए। परेड का निरीक्षण करने के लिए उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक एक खुली जीप में सवार हुए और मैदान का राउंड लगाकर परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। बाद में तिरंगा फहराकर सलामी दी और राष्ट्रगान हुआ। मौके पर महिला एवं पुरूष जिला पुलिस, एनसीसी के अलावा स्काउट एंड गाइड की टुकड़ियों ने परेड में हिस्सा लिया। जवानों ने परेड करते हुए तिरंगे को सलामी दी। मौके पर उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि इस वर्ष आकर्षक और भव्य झांकी निकाली जाएगी।

BRIEF NEWS

पुलिस महानिदेशक ने दिलाई मताधिकार प्रयोग की शपथ

RANCHI : शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) आरके मल्लिक ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस मुख्यालय परिसर में सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस दौरान सभी ने लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए शपथ ली कि हम, भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए, यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

जुपमी भवन में मनाया गया राष्ट्रीय मतदाता दिवस

RANCHI : शुक्रवार को स्मार्ट सिटी रांची स्थित जुपमी भवन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस मौके पर रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन और नगर विकास विभाग के नगरीय प्रशासन निदेशालय के पदाधिकारी और कर्मचारियों मौजूद रहे। निदेशालय और स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के कर्मियों ने सभी निर्वाचनों में धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय और भाषा से बगैर प्रभावित हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली गई। यह भी शपथ ली गई कि हम लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखेंगे और अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे। इसके साथ ही स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए सभी निर्वाचनों में मतदान कर देश के आदर्श नागरिक होने की भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर नगरीय प्रशासन निदेशालय और रांची स्मार्ट सिटी की ओर से शीतल कुमारी, राकेश कुमार नंदकुलियार, ज्योति पुष्प, विनोद कुमार ठाकुर, अमित कुमार, कुमार बम, बिपिन बिहारी शाह, मुकेश झा और अन्य शामिल रहे।

सरकार के लिए सलाहकार का काम करती हैं विस की समितियां : स्पीकर

RANCHI : विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को विधानसभा की समितियों के सभापतियों के साथ बैठक कर विचार विमर्श किया। फरवरी में विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने वाला है। सत्र से पहले विधानसभा की 25 समितियों का गठन किया गया है। बैठक में महिला, बाल विकास समिति की सभापती कल्पना मुर्मू सोरेन, लोकलेखा समिति के सभापति मनोज यादव, प्राक्कलन समिति के सभापति हेमलाल मुर्मू, आंतरिक संसाधन एवं केंद्रीय सहायता समिति के सभापति रामेश्वर उरांव, निवेदन समिति के सभापति उमाकांत रजक, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के सभापति स्टीफन मरांडी, पुस्तकालय विकास समिति की सभापति डा। नीरा यादव, अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति के सुरेश पासवान भी मौजूद रहे।

सूरमा हॉकी क्लब ने बंगाल टाइगर्स को 4-2 से हराया

शुक्रवार को वीमेंस हॉकी इंडिया लीग का मैच जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में सूरमा हॉकी क्लब और श्रची रार बंगाल टाइगर्स के बीच खेला गया। इसमें सूरमा हॉकी क्लब ने बंगाल टाइगर्स को 4-2 से मात दे दी। इससे पहले मैच की शुरूआत दमदार रही। सूरमा हॉकी क्लब की चार्लोट एंगलबर्ट ने पहले मिनट में ही गोल दाग दिया। 9वें मिनट में हिना बानो ने एक और गोल दागकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। शुरू से ही सूरमा के खिलाड़ी दबदबा बनाने में कायम रहे। इसके बाद चार्लोट ने 17वें और 47वें मिनट में दो गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। इस वजह से ही सूरमा हॉकी क्लब मैच जीतने में सफल रही। डिफेंड करते हुए बंगाल टाइगर्स के खिलाड़ी वंदना कटारिया ने 48वें मिनट में एक गोल दागा। इसके बाद शिल्पी डाबस ने 58वें मिनट में 58वें मिनट में टीम को और गोल की बढ़त दिलाई। लेकिन, मैच में बराबरी नहीं कर सकी। मैच के दौरान बंगाल और सूरमा के एक-एक खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया गया।

शिल्पी नेहा ने कहा- एग्रीकल्चरल वैल्यू प्रोडक्ट पर किया जाएगा फोकस

बेंगलुरु में भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान का कृषि मंत्री तिर्की ने किया दौरा

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कृषि विभाग की योजनाओं के तहत राज्य में हाई एग्रीकल्चरल वैल्यू प्रोडक्ट को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने उन्नत कृषि पद्धतियों और कृषि उत्पादों की बाजार से जुड़ी नई तकनीकों का अध्ययन किया। उन्हें संस्थान द्वारा बागवानी और कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे शोध और विकास कार्यों से अवगत कराया गया। मंत्री ने कहा कि झारखंड में पारंपरिक खेती का बड़ा इतिहास रहा है। लेकिन, अब समय की मांग है कि हम हाई एग्रीकल्चर वैल्यू प्रोडक्ट की ओर कदम बढ़ाएं। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और उनकी जीवनशैली में बदलाव आएगा।

बाजार में पहुंचाए जाएंगे उत्पाद

मंत्री ने कहा कि भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान ने बागवानी के क्षेत्र में जो उत्कृष्ट काम किया है, वह झारखंड के किसानों के हित में अपनाया जाएगा। इस संस्थान ने न केवल उन्नत कृषि पद्धतियों पर काम किया है, बल्कि किसानों के उत्पादों के सही बाजार तक पहुंचाने के लिए भी कई योजनाएं बनाई हैं। यह किसानों के लिए उनकी उपज का बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने में मदद करेगा। मंत्री ने यह भी बताया कि संस्थान की नीतियों और तकनीकों को राज्य के कृषि विभाग में लागू किया जाएगा ताकि किसानों को अधिक लाभ मिल सके।

किसानों की आय बढ़ाने पर होगा जोर

अपने दौरे के दौरान शिल्पी नेहा तिर्की ने संस्थान की क्षेत्रीय शहद परीक्षण प्रयोगशाला का दौरा किया और हाई एग्रीकल्चर वैल्यू प्रोडक्ट की खेती के नए तरीकों के बारे में जानकारी ली। मंत्री ने जोर दिया कि झारखंड में किसानों की आय को बढ़ाने के लिए इन उन्नत पद्धतियों का पालन किया जाएगा। इस दौरान कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता सचिव अबू बकर सिद्दीकी, विशेष सचिव गोपाल जी तिवारी और अन्य विभागीय अधिकारी भी मंत्री के साथ थे। मंत्री ने विश्वास जताया कि इन नवाचारों से राज्य के किसानों की स्थिति में सुधार होगा और कृषि क्षेत्र में एक नया आयाम जुड़ेगा।

ओरमांझी स्थित क्रशर प्लांट में पोकलेन मशीन व हाइवा में लगाई थी आग

टीपीसी एरिया कमांडर सहित दो उग्रवादी किए गए अरेस्ट

- एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई
- बाइक से घूमते हुए बड़ी घटना को अंजाम देने की थी योजना
- पहले भी कई बार जेल जा चुका है विक्रांत उर्फ सुजीत

गिरफ्तार उग्रवादियों के बारे में जानकारी देते एसएसपी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को ओरमांझी स्थित क्रशर प्लांट में पोकलेन मशीन और हाइवा में आगजनी करने वाला टीपीसी एरिया कमांडर समेत दो उग्रवादियों पुलिस ने दबोच लिया। एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए टीपीसी एरिया कमांडर विक्रांत उर्फ सुजीत और मनी कुमार को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार भी बरामद हुआ है। एसएसपी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित टीपीसी उग्रवादी संगठन के तीन-चार उग्रवादी दोपहिया वाहन से गुंजा स्थित क्रशर प्लांट के आस-पास किसी घटना को अंजाम देने के लिए घूम रहे हैं। इसके बाद छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस की टीम ने छापामारी कर गुंजा स्थित क्रशर प्लांट में घटना को अंजाम देने के लिए रेकी करने आए उग्रवादियों में से एक उग्रवादी को पकड़ा। उससे पूछताछ में पता चला कि यह व्यक्ति टीपुसी का एरिया कामांडर विक्रांत जी है। उसका असली नाम संजीत गिरी उर्फ सजीत दास है। वह पूर्व में कई बार जेल जा चुका है। पकड़ाए अपराधी से इस कांड में शामिल लोगों के बारे में पता चला कि रांची-रामगढ़ के व्यवसायी, जमीन कारोबारी, ईट्टा भट्टा कारोबारी और क्रशर संचालकों से वाट्सएप के माध्यम से रंगरदारी मांग चुका है। पूछताछ के दौरान पता चला कि रंगदारी मांगने के लिए राउटर, जंगी एप, वाट्सएप और अन्य सोशल साइट का प्रयोग करते हैं।

डिजिटल सक्षमता पहल से झारखंड के छोटे व्यापारी हुए लाभान्वित

RANCHI : कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) झारखंड में मास्टरकार्ड सेंटर फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ की सहायता से डिजिटल सक्षमता परियोजना के माध्यम से सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। सीआईआई नेशनल एमएसएमई काउंसिल के चेयरमैन समीर गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि डिजिटल सक्षम पहल ने झारखंड के छोटे व्यवसायों को डिजिटल युग के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त किया है। व्यापक प्रशिक्षण और समर्थन के माध्यम से यह पहल न केवल उनकी डिजिटल क्षमताओं को बढ़ा रही है, बल्कि स्थानीय व्यापार समुदाय में नवाचार और विकास की संस्कृति को भी प्रोत्साहित कर रही है। बहुत से लोगों को इस पहल से लाभ हुआ है और इनमें एक सफलता की कहानी है आनंद प्रकाश की।

डीटीओ व ट्रैफिक डीएसपी ने चलाया जांच अभियान

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर डीटीओ अखिलेश कुमार एवं ट्रैफिक डीएसपी द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाया गया। इस दौरान डोरंडा और धुर्वा क्षेत्र में लगभग 134 वाहनों के कागजात, टैक्स, फिटनेस, इंश्योरेंस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस, ओवरलोडेड तथा सवारी वाहनों में क्षमता से अधिक यात्रियों के बैठाने आदि की जांच की गई। कागजात पूरे नहीं रहने के कारण कुल 18 वाहनों पर 1,59,401 रुपये का फाइन लगाया गया। जांच के क्रम में कई स्कूल वैन और स्कूल बसों की भी जांच की गई। क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाए जाने तथा निजी वाहनों के व्यवसायिक उपयोग हेतु मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत फाइन लगाया गया। वहीं एक स्कूल वैन को जब्त कर ट्रैफिक थाना जगरनाथपुर में रखा गया। बच्चों को असुविधा न हो इसे देखते हुए वाहन चालकों को मोटर वाहन अधिनियम का पालन करने की चेतावनी देकर वाहनों को मुक्त किया गया। इसके अलावा ट्रैफिक डीएसपी और डीटीओ ने संयुक्त रूप से संत थॉमस स्कूल धुर्वा सहित कई अन्य स्कूल के वैन चालकों को स्कूली वैन चलाने के मानकों की जानकारी दी।

पुलिस वाहन और स्कूल वैन में टक्कर, कई बच्चों को लगी चोट

- डोरंडा के रहने वाले स्कूल वैन ड्राइवर इमरान की हादसे में गई जान

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राजधानी रांची में एक बड़ा हादसा हो गया। एक आईपीएस अधिकारी की गाड़ी और एक स्कूल वैन आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूल वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में बच्चे बाल-बाल बच गए। इस हादसे में स्कूल वैन के ड्राइवर इमरान की मौत हो गई। वह डोरंडा का रहने वाला था। धुर्वा थाना क्षेत्र के शालीमार बाजार के पास एक आईपीएस अधिकारी की स्कॉर्पियो गाड़ी और एक स्कूल वैन आपस में टकरा गईं। वैन में बैठे कुछ बच्चों को चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने ड्राइवर और बच्चों को वैन से सुरक्षित बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। हटिया डीएसपी पीके मिश्रा ने बताया कि पूरे मामले में स्कूल वैन ड्राइवर की गलती पाई गई है। जांच में पता चला है कि स्कूल वैन ने एक कार को टक्कर मारी थी। इसके बाद वैन ड्राइवर की कार ड्राइवर से कहासुनी हो गई, मामला हाथ से निकलता देख वैन ड्राइवर तेज रफ्तार से मौके से भाग गया, उसी समय दूसरी तरफ से आईपीएस की गाड़ी आ रही थी। अचानक सामने से पुलिस की गाड़ी आ जाने के कारण वैन चालक ने नियंत्रण खो दिया और सीधे जाकर आईपीएस की गाड़ी से टकरा गया। हटिया डीएसपी ने बताया कि सभी बच्चे, शिक्षक और चालक सुरक्षित हैं। बता दें कि राजधानी रांची के लगभग सभी स्कूलों में बच्चों को छोटी वैन के जरिए स्कूल लाया-ले जाया जाता है।

जांच के बाद स्वास्थ्य मेले में 455 मरीजों का हुआ इलाज

RANCHI : शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तमाड़ में विशाल स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। इसमें 455 मरीजों की जांच के बाद इलाज किया गया। मेले का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी तमाड़, जिला परिषद् मध्य तमाड़, विधायक प्रतिनिधि और तमाड़ पूर्वी के अलावा पश्चिमी के मुखिया द्वारा किया गया। स्वास्थ्य मेला में विशेषज्ञों की टीम शामिल हुई। इसमें प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सावित्री कुजूर, डॉ. मंजू गुप्ता सिम्मी स्मिता मिंज, सुनीता प्रेमा एक्का, रोशन लाल, डेंटिस्ट निखत परवीन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से जफर इकबाल, सुषमा खलखो, सुशीला सुंडी और आईडीएसपी से इंद्रजीत मेहता ने मरीजों की जांच की। इस दौरान 8 मरीजों के हाइड्रोसील का ऑपरेशन भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी कर्मियों, सीएचओ, एनसीडी, पारा कर्मियों, सहिया साथी और बीटीटी सीएचसी कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार में हुई समीक्षा बैठक

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में परिवार नियोजन पर फोकस करने का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम को लेकर समीक्षा बैठक हुई। अध्यक्षता जिला प्रजनन और बाल स्वास्थ्य अधिकारी (डीआरसीएचओ) डॉ. असीम मांझी ने की। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करना है। साथ ही उन्होंने आगामी माह के लिए योजनाओं पर चर्चा की। इसके अलावा परिवार नियोजन को लेकर लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया। बैठक में शहरी स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित डाटा, परिवार नियोजन सेवाओं की समीक्षा और एचएमआईएस पोर्टल पर सटीक डेटा प्रविष्टि पर प्रमुख रूप से चर्चा की गई। डॉ. माझी ने बैठक के दौरान सहिया, एएनएम की मासिक बैठक में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने माह के अंत तक योग्य दंपति रजिस्टर का डाटा एनयूएचएम में जमा करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने पीएसआई इंडिया से स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर सहयोग का भी अनुरोध किया।

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की दी जानकारी

कुलभूषण बाड़ा ने बैठक में पिछले माह की उपलब्धियों को साझा किया। उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी केंद्रों से 3 फरवरी तक डाटा एनयूएचएम में भेजने का अनुरोध किया। जिला डाटा प्रबंधक ने एचएमआईएस पोर्टल से संबंधित जानकारी दी और पोर्टल में डाटा फीड करने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया। इसके अलावा बैठक में परिवार नियोजन सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और समुदाय में जागरूकता बढ़ाने के लिए रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। इस बैठक में रांची शहरी क्षेत्र से लोक स्वास्थ्य प्रबंधक, एएनएम, पीएसआई इंडिया के प्रणव कुमार झा, संतोष कुमार पाण्डेय, मयंक जोशी सहित अन्य ने भाग लिया। ओम प्रकाश पांडेय ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

सीएफ एंड्रयूज मेमोरियल इंग्लिश स्कूल में मनाई गई नेताजी की जयंती

RANCHI : थड़पखना स्थित सीएफ एंड्रयूज मेमोरियल इंग्लिश स्कूल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल अनिमा बोस और सचिव दीप्तिमान बोस ने नेताजी के नेतृत्व और देशभक्ति पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान भवानी कुमारी, रोमी वर्मा और अंतरा विश्वास ने नेताजी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर बच्चों को जानकारी दी। शिक्षिका नमिता घोष के मार्गदर्शन में बच्चों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शिवांगी बनर्जी और अनिशा बागची ने किया।

अभ्यास : डीसी मंजूनाथ भजंत्री और डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा ने दिए कई निर्देश

गणतंत्र दिवस के पूर्व रांची में किया गया फुल ड्रेस रिहर्सल

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा की देखरेख में फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। फुल ड्रेस रिर्हसल के दौरान गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों को रियल टाइम बेसिस पर दुहराया गया। उपायुक्त और डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। परेड पार्टियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा आवश्यक सुधार के लिए कई निर्देश दिए गए। फुल ड्रेस रिहर्सल के बाद प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की ज्वाइंट ब्रीफिंग भी हुई। इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारियों के साथ पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। ब्रीफिंग के दौरान सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को अपर जिला दण्डाधिकारी, रांची द्वारा समारोह के लिए जारी संयुक्तादेश के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। ज्वाइंट ब्रीफिंग के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के जरिये सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचकर कार्य एवं दायित्व का निर्वहन करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी उचित समन्वय के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक निभाएं। उन्होंने निर्धारित समय-सीमा में झांकियों का प्रदर्शन एवं मेडिकल व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ज्वाइंट ब्रीफिंग में डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा द्वारा समारोह के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बलों को निर्देशित किया गया। पुलिस उपाधीक्षक, यातायात द्वारा भी समारोह के दौरान सुदृढ़ यातायात व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों जरूरी जानकारी दी गई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड का समादेशन मेजर सुमन कुमार, भारतीय सेना, रांची करेंगे। सुशांत कुमार, परिचारी प्रवर-1, रांची परेड का द्वितीय समादेशन करेंगे।

रिम्स में 4 वर्षीय बच्चे की रीढ़ की हड्डी का किया गया ऑपरेशन

RANCHI : शुक्रवार को रिम्स में लोहरदगा के 4 वर्षीय बच्चे की रीढ़ की हड्डी का सफल ऑपरेशन किया गया। बच्चे की रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में एक सिस्ट था, जिसके कारण रीढ़ की हड्डी और अन्य हड्डियां आपस में जुड़ गई थीं। इस वजह से बच्चे का मूत्र पर नियंत्रण पूरी तरह खत्म हो गया था। परिजन शुरूआत में इस गंभीर समस्या के साथ बच्चे को एम्स नई दिल्ली लेकर जाने वाले थे। लेकिन, जब यह मामला रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार के संज्ञान में आया तो उन्होंने इसे एक चुनौती के रूप में लिया। इतना ही नहीं, उन्होंने तत्काल मरीज के ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। इस सर्जरी में नर्व के क्षतिग्रस्त होने की संभावना थी, जिससे बच्चे को अपने पैरों को हिलाने में समस्या हो सकती थी।

झारखंड की शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत : गवर्नर

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड राज्य ओपेन यूनिवर्सिटी का दूसरा स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल संतोष गंगवार, यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर टीएन साहू, छत्तीसगढ़ ओपेन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और सीईएमसीए के डायरेक्टर डॉ. बी. शादरच उपस्थित थे। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि झारखंड की शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना आवश्यक है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच बढ़ानी होगी। उन्होंने ओपेन यूनिवर्सिटी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए इसकी पहुंच को और बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं, वाइस चांसलर टीएन साहू ने ओपेन यूनिवर्सिटी की चुनौतियों का जिक्र करते हुए इसके फायदे पर जोर दिया। डॉ. बी शादरच ने राज्य सरकार से ओपेन यूनिवर्सिटी को और अधिक समर्थन देने की अपील की, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर सुधारा जा सके।

समाचार सार

मंत्री ने किया केंदपोसी डिग्री कॉलेज का शिलान्यास

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया स्थित केंदपोसी में

शुक्रवार को राज्य के भू ,राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग (निबंध रहित) व परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा ने डिग्री कॉलेज का शिलान्यास किया। मंत्री ने कहा कि डिग्री कॉलेज के निर्माण से आसपास के विद्यार्थियों को काफी लाभ मिलेगा। इस दौरान मंत्री ने ग्रामीणों में कंबल भी बांटे। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य प्रमिला पिंगुवा, प्रखंड विकास पदाधिकारी सालखु हेंब्रम, अंचलाधिकारी ऋषिदेव कमल, झामुमो जिला संयोजक मंडली सदस्य विकास गुप्ता, अभिषेक सिंकू, झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष बलवंत गोप, राजेन गागराई, जयपुर पंचायत के मुखिया गोपाल हेंब्रम, अमाडीहा पंचायत की मुखिया कृष्ण गागराई, हाटगम्हरिया के बुद्धिजीवी नंदकुमार साव, कैलाश प्रसाद गुप्ता, अर्जुन साव आदि भी मौजूद थे।

रेलवे सिविल डिफेंस ने सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

JAMSHEDPUR : टाटानगर सिविल डिफेंस के तत्वावधान में शुक्रवार को डोबो डैम में एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगा, जिसमें रेलवे सिविल

डिफेंस के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। टाटानगर रेल सिविल डिफेंस के इंस्पेक्टर संतोष कुमार व प्रशिक्षकों ने बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस), घटनास्थल पर कार्य करने की विभिन्न प्रक्रिया बताई गई। इस दौरान रस्सियों में गांठ लगाना, स्ट्रेचर, हार्नेस, एंबुलेंस सेवा आदि विषयों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। नागपुर से प्रशिक्षित रमेश कुमार ने बेसिक लाइफ सपोर्ट, गीता कुमारी ने वार्डन सर्विस, डेमोंस्ट्रेटर अनिल कुमार सिंह और शंकर प्रसाद ने आपदा राहत और डेमोंस्ट्रेटर अनामिका मंडल ने बैंडेज करने का तरीका बताया। शिविर में तेजीता दास, रितेश कुमार गुहा, विनोद कुमार आदि भी थे।

मुखी समाज के पदाधिकारी सम्मानित

JAMSHEDPUR : बारीडीह में गुरुवार को मुखी समाज के नवनिर्वाचित

मुखिया नितिन मुखी व महामंत्री सानती मुखी को केंद्रीय मुखी समाज द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मुखी समाज, झारखंड के अध्यक्ष भास्कर मुखी व सचिव त्रिनाथ मुखी. बिरसानगर के मुखिया मनोज मुखी. भालूबासा के पूर्व मुखिया पारस मुखी, बिटटू मुखी, मोहन, विशाल, राजा आदि सहित बस्ती के लोग भी थे।

एसबीआई पेंशनरों ने वरिष्ठ सदस्यों को किया सम्मानित

JAMSHEDPUR : एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक

शुक्रवार को आरबीओ, जमशेदपुर, के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई। इसमें वरिष्ठ सदस्य चित्त रंजन घोष और नंदिनी बनर्जी को 75 वर्ष की आयु तक पहुंचने पर सम्मानित किया गया। इस दौरान कुछ सदस्यों को मेडिक्लेम पॉलिसी-बी में योगदान करने या पालिसी नवीनीकृत करने में मदद की गई। इस बैठक में 50 से अधिक पेंशनर उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर हुई चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता

JAMSHEDPUR : लियो क्लब ऑफ जमशेदपुर स्पार्क्स ने शुक्रवार

को लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर फेमिना के सहयोग से बाल ज्ञानपीठ स्कूल, भुइयांडीह में चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता कराया गया। इसमें कक्षा 4 व 5 के छात्रों ने चित्रकला और कक्षा 6-7 के विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया। इस मौके पर फेमिना की अध्यक्ष पी. पुष्पलता, मंजू रानी, पुष्पा, ओमेदु गुप्ता, अभिषेक यादव, आयुष, स्वाति, रश्मि, करनदीप सिंह आदि थे।

साकची में कांग्रेस कार्यकताओं ने की पदयात्रा

JAMSHEDPUR : साकची प्रखंड कांग्रेस कमेटी की ओर से

शुक्रवार को पदयात्रा निकाली गई, जिसमें जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे भी शामिल थे। जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा की शुरूआत साकची गोलचक्कर से हुई। पदयात्रा में कार्यकताओं ने महापुरुषों की तख्ती एवं कांग्रेस का झंडा लेकर संविधान रक्षा का नारा लगाया। बसंत टॉकीज चौक से बिरसा मुंडा चौक पहुंच कर पदयात्रा आमसभा में बदल गई।

भूमि विवाद में बड़े भाई को कुदाल से मार डाला, भाभी भी हुई घायल

आरोपी कुशल मांडी ने थाने में कर दिया सरेंडर, महिला इलाजरत

PHOTON NEWS GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को लोमहर्षक घटना घटी। भूमि विवाद में एक व्यक्ति ने बड़े भाई को कुदाल से हमला कर मार डाला, जबकि उसकी भाभी हमले के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जाता है कि कालियाम पंचायत के लताघर गांव निवासी कुशल मांडी ने शुक्रवार को खेत में काम कर रहे बड़े भाई लखन मांडी और भाभी सोमवारी मांडी पर कुदाल से जानलेवा हमला कर दिया। इसमें लखन मांडी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं सोमवारी मांडी गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना मिलने पर श्यामसुंदरपुर थाना की पुलिस घटनास्थल पहुंची और घायल सोमवारी को इलाज के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेजा। वहीं, लखन मांडी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, घटना का कारण भूमि विवाद बताया जा रहा है। आरोपी कुशल मांडी ने श्यामसुंदरपुर थाना में जाकर सरेंडर भी कर दिया। इधर सूचना पाकर घाटशिला के एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन करने में जुट गए हैं। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। लखन मांडी अपनी पत्नी सोमवारी मांडी के साथ खेत में सिंचाई कर रहा था, उसी दौरान कुशल मांडी ने कुदाल से दोनों पर हमला कर दिया। बड़े भाई की हत्या करने और भाभी को जख्मी कर कुशल मांडी अपने घर गया और वहां से सीधे थाना पहुंच गया और खुद को सरेंडर कर दिया। खबर लिखे जाने तक पुलिस हत्या में प्रयुक्त कुदाल को बरामद करने में जुटी थी।

सड़क हादसे में ट्रेन मैनेजर की मौत

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर में सड़क दुर्घटना में रेलवे ट्रेन मैनेजर सुभाष शर्मा की मौत हो गई। इस खबर से पूरे चक्रधरपुर में शोक की लहर फैल गई है। सुभाष शर्मा बीते दिन हुए पीपीपी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के भी हिस्सा थे। वे मॉर्निंग वाकर टीम के ओपनर बैट्समैन थे। सुभाष शर्मा मिलनसार व्यक्ति थे। उनके सड़क हादसे में हुई मौत की खबर से सभी लोग आश्चर्यचकित भी हैं और दुखी भी हैं। बताया जा रहा है कि सुभाष शर्मा ड्यूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रेलवे ओवरब्रिज चढ़ने से पहले वीटू कॉम्प्लेक्स के पास उनकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई और उन्हें एक ट्रैक्टर रौंद कर चला गया। सुभाष शर्मा की मौत से उनके घर पर मातम पसर गया है। सुभाष शर्मा अपने पीछे 4 साल की एक बेटी व पत्नी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। चक्रधरपुर रेल मंडल के सभी कर्मी उनकी मौत से मर्माहत नजर आ रहे हैं। सभी उनकी मौत पर दुख प्रकट कर रहे हैं। सुभाष शर्मा एक मेधावी छात्र भी थे। उन्होंने आरआरबी की प्रतियोगिता परीक्षा पास कर रेलवे में नौकरी प्राप्त की थी। उनकी दीदी भी रेलवे में कार्यरत हैं। सुभाष शर्मा ने अपनी पढाई के बल पर अभाव की जिंदगी से निकलने का संघर्ष किया था। उनका खेलकूद से भी काफी लगाव था। अब उनके साथी व परिचित मृदुभाषी शख्स को खोने का दुख जता रहे हैं।शाम को पोस्टमार्टम के बाद सुभाष के शव को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है।

गम्हरिया में बन रही थी नकली विदेशी शराब

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना अंतर्गत कमलपुर गांव में अवैध रूप से विदेशी शराब बन रही थी। आबकारी विभाग ने शुक्रवार को छापेमारी करके तैयार 1138 बोतल शराब बरामद की, जिसकी मात्रा 606.09 लीटर है। इसके अलावा घर से विभिन्न विदेशी ब्रांड के ढक्कन, रैपर, सील सहित विदेशी शराब बनाने व पैकिंग की सामग्री भी भारी मात्रा में बरामद की गई।

हालांकि, विभाग ने इस दौरान शराब बनाने वाले आरोपी के पकड़ाने का उल्लेख नहीं किया है, लेकिन संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज करने की बात कही गई है। इस छापेमारी में पूर्वी सिंहभूम जिले के आबकारी विभाग की टीम भी शामिल थी।

संविधान गौरव अभियान में खूब गरजे पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास

CHAIBASA : जिला भाजपा द्वारा शुक्रवर को आयोजित संविधान गौरव दिवस में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास भी शामिल हुए। जिला कार्यालय में हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रघुवर दास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान की रक्षा के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित वर्गों के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। दास ने बताया कि शिक्षा और रोजगार में वंचित वर्गों की भागीदारी बढ़ाने के लिए मोदी सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।

चाईबासा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते रघुवर दास ● फोटोन न्यूज

जिला अध्यक्ष संजय पांडे के नेतृत्व में माधव सभागार में विचार गोष्ठी हुई, जिसमें पूर्व सांसद सह प्रदेश प्रवक्ता गीता कोड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष बडकुंवर गागराई, प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद, पूर्व विधायक गुरुचरण नायक, जिलाध्यक्ष संजय पांडे, गीता बलमुचू, पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पुरी व गुंजन यादव भी उपस्थित थे। मंच संचालन जिला महामंत्री प्रताप कटियार महतो ने किया।

वहीं, भाजयुमो द्वारा आयोजित भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत किए गए। भाषण में आयुष अभिनश शांडिल, पूर्णिमा कुमारी, किशोरी कुमारी, वनमाली सिंह, करण कुमार गोप, सूबोदीप दत्ता, दीप्ति कुमारी, समीर बिरुवा, निरंजन कुमार गोपेश, प्रतियशा मोहंती, सिदार्थ कुमार, कृष्णा सुम्ब्रुई आदि शामिल थे।

ग्रामीणों ने नष्ट की 21 एकड़ में लगी अफीम

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान से प्रभावित होकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने विभिन्न थाना क्षेत्र में करीब 21 एकड़ 80 डिसमिल में लगी अफीम की फसल को स्वतः नष्ट किया गया। कुचाई थाना अंतर्गत चम्पद गांव में ग्रामीणों द्वारा करीब 18 एकड़ जमीन में लगी अफीम-पोस्ता की खेती को नष्ट किया गया। दलभंगा ओपी गांव तोड़ांगडीह में करीब 50 डिसमिल, गांव सुरसी, टोला इचाडीह में करीब 30 डिसमिल एवं गांव गोमेयाडीह में करीब 3 एकड़ में लगी अफीम शामिल थी।

रेल के कल-पुर्जो पर चर्चा कर लौटी आरडीएसओ की टीम

एनएमएल में उपस्थित आरडीएसओ के प्रतिभागी व अन्य ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला में 'रेलवे कंपोनेंट की धातुकर्म विफलता जांच (एमआईआरसी-25)' पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को पूरा हो गया। रेलवे डिजाइन एंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) की 10 सदस्यीय टीम लौट गई। इस दौरान उन्होंने रेलवे के विभिन्न कंपोनेंट में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों के भौतिक धातु विज्ञान की व्यापक झलक, योग्यता के लिए प्रासंगिक मानक, सेवा की शर्तों के तहत प्रचलित क्षति तंत्र, आदि का पता लगाने के लिए सूक्ष्म तकनीक और परीक्षण प्रक्रियाएं, विफलता जांच की अनुक्रमिक पद्धति का प्रयोग किया। सैद्धांतिक व्याख्यान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को अत्याधुनिक सामग्री लक्षण वर्णन सुविधाओं से परिचित कराया गया, जिनकी मदद से कंपोनेंट को बिना नुकसान पहुंचाए आकलन करने और मूल त्रुटि को सुलझाया जा सकता है।

चेंगजोड़ा फुटबॉल मैदान में लगाई गई निषेधाज्ञा

अनुमंडल कार्यालय के समक्ष जुटे ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : घाटशिला प्रखंड अंतर्गत काशिदा पंचायत के चेंगजोड़ा गांव में आदिवासी विकास पुस्तकालय के चेंगजोड़ा फुटबॉल मैदान में दो पक्षों में मूर्ति लगाने को लेकर विवाद हो गया है। मामले का संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने दोनों ही पक्षों को पत्र निर्गत करते हुए अनुमंडल कार्यालय में बुलाया तथा मामले का समाधान करने का प्रयास करते हुए मामले की सुनवाई की गई। इसके साथ ही एसडीओ सुनील चंद्र ने 25 से 27 जनवरी तक निषेधाज्ञा लगा दी। ज्ञात हो चेंगजोड़ा गांव में एक तरफ गांव के ग्राम प्रधान भादो मुर्मू तथा दूसरी तरफ अंश-16 की जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू के पति राम किशोर मुर्मू के नेतृत्व में एक-दूसरे के विरोध में खड़े हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि रामकिशोर मुर्मू मैदान में मनमानी करते हुए अपने पिता स्व. कुनाराम मुर्मू की मूर्ति लगाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण उस मैदान को सार्वजनिक मानते हुए अपना दावा जता रहे हैं।

बिरसा सेना ने किया प्रतिमा लगाने का एलान 8 स्थलों पर निषेधाज्ञा

JAMSHEDPUR : बिरसा सेना ने 26 जनवरी को बिष्टुपुर और सोनारी एयरपोर्ट गोलचक्कर पर विश्व प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी व झारखंड पार्टी के संस्थापक जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा लगाने का एलान किया है। इसे लेकर एसडीओ ने शहर के 8 स्थलों पर 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लगा दी है। इनमें छह गोलचक्कर शामिल हैं। यहां गणतंत्र दिवस वाले दिन यानी 26 जनवरी को भारी पुलिस बल तैनात रहेगी। इसके अलावा, मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई है। उधर, बिरसा सेना का कहना है कि वह 26 जनवरी को हर हाल में बिष्टुपुर गोलचक्कर पर जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा लगाएगी।

इन छह गोलचक्करों के आसपास बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के जाने पर पाबंदी रहेगी। इन छह गोलचक्करों के आसपास किसी तरह के धरना-प्रदर्शन और पुतला दहन पर भी रोक लगा दी गई है। इन स्थलों पर अस्त्र-शस्त्र लेकर जाने पर भी रोक लगा दी गई है। यहां बिना प्रशासनिक अनुमति के अस्त्र-शस्त्र ले जाने की भी अनुमति नहीं है। बिना अनुमति के यहां लाउडस्पीकर भी नहीं लगाया जा सकेगा।

उपायुक्त व एसपी ने किया परेड का निरीक्षण, तिरंगे को भी दी सलामी

पिल्लई हॉल में बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम व स्टेडियम में होगा मैत्री क्रिकेट मैच

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत गणतंत्र दिवस समारोह के पूर्व शुक्रवार को पुलिस लाइन में परेड का पूर्वाभ्यास हुआ, जिसका निरीक्षण उपायुक्त कुलदीप चौधरी व पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने किया। फुल ड्रेस रिहर्सल में डीसी-एसपी ने परेड के बाद ध्वजोत्तोलन किया। जिलास्तरीय समारोह में राज्य के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग (निबंधन रहित) और परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा 26 जनवरी को सुबह 9.05 बजे झंडोत्तोलन करेंगे। इसके बाद अन्य सरकारी विभागों में झंडोत्तोलन किया जाएगा। पुलिस लाइन के प्रांगण में रक्तदान शिविर और पिल्लई हॉल में दोपहर 1.30 से स्कूली बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम करेंगे। दोपहर 1.30 बजे ही बिरसा मुंडा स्टेडियम में मैत्री क्रिकेट मैच होगा। मुख्य समारोह का PRD CHAIBASA @prd-chaibasa7432 यूट्यूब चैनल के माध्यम से का सजीव प्रसारण भी किया जाएगा। समारोह से जुड़ने के लिए लिंक https://youtube.com/@prd-chaibasa7432?si=QLcWdZdRbJW289nJ पर विजिट कर सकते हैं। इस समारोह में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 1, जिला सशस्त्र पुलिस 2, सहायक पुलिस बल 2 (महिला-पुरुष), गृह रक्षक 1, एनसीसी- टाटा कॉलेज, मांगीलाल रुंगटा उच्च विद्यालय, स्काउट एंड गाइड शामिल थे।

परेड के दौरान सुसज्जित बैंड ● फोटोन न्यूज

ऑपरेशन मुस्कान के तहत देश के कोने-कोने से बरामद किए गए हैंडसेट, पूर्व एसपी प्रभात कुमार ने शुरू की थी पहल

पुलिस ने लोगों को लौटाए गुम व चोरी हुए 458 मोबाइल फोन

PHOTON NEWS JSR : जिला पुलिस ने शुक्रवार को साकची स्थित रवींद्र भवन में एक कार्यक्रम आयोजित कर 458 फोन उनके वास्तविक मालिकों तक लौटाए। ये फोन या तो गुम हो गए थे या चोरी कर लिए गए थे। अपने फोन वापस पाकर लोग बेहद खुश हुए। लोगों का कहना है कि पुलिस का यह काम बेहद सराहनीय है। अपने खोए हुए फोन को वापस पाना एक सुखद अनुभव है।

अब तक वापस किए जा चुके 2 हजार से अधिक फोन : पुलिस ने बताया कि अब तक 2 हजार 580 फोन जनता को वापस किए जा चुके हैं। खोए या चोरी गए फोन का पता लगाने के बाद इन्हें वापस करने का काम पूर्व एसएसपी प्रभात कुमार के कार्यकाल में शुरू हुआ था, जो अब तक जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि खोए या चोरी हुए फोन झारखंड के अलावा दूसरे राज्यों से भी लाए जाते हैं। पुलिस की टेक्निकल सेल पहले इन फोन का पता लगाती है। इसके बाद पुलिस अपने नेटवर्क का इस्तेमाल कर इन फोन को वहां से कलेक्ट कर जमशेदपुर लाती है।

साकची के रवींद्र भवन में अपने फोन दिखाते लोग ● फोटोन न्यूज

बदमाशों ने साकची से छीना था मनीषा का फोन

बिरसा नगर की मनीषा अपना रेडमी फोन पाकर बेहद खुश है। उसने बताया कि छह महीने पहले वह अपनी बहन के साथ साकची बाजार आई थी। यहां दोनों बहनें पत्ता मार्केट के पास से गुजर रही थीं। मनीषा के फोन पर उसकी बहन किसी से बात कर रही थी। तभी बाइक सवार दो बदमाश आए और मोबाइल छीन कर फरार हो गए थे। इस मामले की एफआइआर मनीषा ने साकची थाने में दर्ज कराई थी। मनीषा की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब गुरुवार की रात पुलिस ने उसे फोन कर बताया कि उसका फोन बरामद कर लिया गया है। मनीषा भी आज पुलिस के कार्यक्रम में आई थी और अपना मोबाइल फोन पाकर बेहद खुश थी। यह उसका पहला मोबाइल फोन है।

40 फोन दूसरे राज्यों से लेकर आई है पुलिस

जो 458 मोबाइल फोन पुलिस ने शुक्रवार को बांटे, इनमें से 40 मोबाइल फोन झारखंड के बाहर से लाए गए हैं। एसएसपी ने बताया कि 458 मोबाइल फोन में से 40 प्रतिशत फोन ही पूर्वी सिंहभूम जिले के अंदर से बरामद किए गए हैं। बाकी 60 फीसद फोन जिले के बाहर से बरामद हुए हैं। इनमें से 40 फोन दूसरे राज्यों से बरामद कर जमशेदपुर लाए गए हैं।

सीआईआर पोर्टल पर दर्ज करें शिकायत

एसएसपी किशोर कौशल का कहना है कि जब भी किसी का फोन गुम हो जाए या चोरी चला जाए तो इसकी शिकायत सीआईआर पोर्टल पर दर्ज करें। या फिर संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराएं। इसके बाद पुलिस फोन की तलाश शुरू करेगी और इसे वापस इसके मालिक तक पहुंचाएगी।

गणतंत्र दिवस परेड का हुआ अंतिम पूर्वाभ्यास

परेड में शामिल पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलास्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन गोपाल मैदान, बिष्टुपुर में होगा। इसका अंतिम पूर्वाभ्यास शुक्रवार को किया गया, जिसका निरीक्षण वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, एडीएम अनिकेत सचान व एसडीएम धालभूम शताब्दी मजूमदार ने संयुक्त रूप से किया। परेड में एक प्लाटून जैप-6, तीन प्लाटून जिला पुलिस बल (सहायक पुलिस सहित), एक प्लाटून जिला गृहरक्षक तथा दो प्लाटून एनसीसी (महिला-पुरुष) के अलावा स्काउट एंड गाइड की प्लाटून शामिल थी।

26 जनवरी को मुख्य समारोह में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा निबंधन विभाग के मंत्री रामदास सोरेन सुबह 9.05 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। जिलास्तरीय समारोह की तैयारी अंतिम चरण में है।

BRIEF NEWS

बिहार में अपराध का जनक है लालू परिवार : जायसवाल

BHAGALPUR : आगामी 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भागलपुर प्रस्तावित दौरे को लेकर शुक्रवार भागलपुर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने भाजपा पदधारकों और कार्यकताओं के साथ समीक्षात्मक बैठक की। इसके उपरांत एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में अपराध का ग्राफ बढ़ाने वाले और अपराध को जन्म देने वाले कोई और नहीं लालू परिवार है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी और लालू का परिवार ही बिहार में अपराध का जनक है। यही लोग अपराध को पैदा करने वाले हैं। इस परिवार के संस्कार में ही अपराध है। जिसके चलते पूरा बिहार बर्बाद है। पूरे बिहार में अपराध का ग्राफ भी इन्हीं लोगों के चलते बढ़ा हुआ है।

अजीत हत्याकांड में शामिल तीसरा अभियुक्त गिरफ्तार

CHAMPARAN : जिले के पीपरा थाना पुलिस ने चकिया डीएसपी के नेतृत्व में गुप्त सूचना पर छापेमारी करते हुए अजीत हत्या कांड में शामिल एक और अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त पीपरा थाना क्षेत्र के महुअवा गांव निवासी मनीष कुमार बताया गया है। डीएसपी सत्येन्द्र सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त ने स्वीकार किया है,कि उक्त हत्या कांड के मुख्य शूटर गोलू का परिचय लड़की के पिता आरोपी विनोद प्रसाद से इसने ही कराया था। उल्लेखनीय है कि मृतक अजीत कुमार उर्फ अजीत भगत हत्या कांड के आरोपी विनोद प्रसाद एवं शूटर गोलू कुमार को पूर्व में ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चूका है। पुलिस घटना में शामिल अन्य अपराधियों को चिन्हित कर गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है।

कब्रिस्तान से नरमुंड की लगातार हो रही चोरी

BHAGALPUR : जिले के सन्हौला थाना क्षेत्र के अशरफनगर कब्रिस्तान में एक बार फिर इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। बीते रात फिर नरमुंड तस्करों ने एक नवजात के शव को कब्र से निकाला और फरार हो गए। तस्करों ने नवजात के शव को काट कर जहाँ तहाँ फेंक दिया था,जिस कारण कब्रगाह में खून के धब्बे भी बिखरे पड़े हैं। अशरफनगर कब्रिस्तान में ऐसा छठी बार हुआ है। इससे पहले पांच बार नरमुंड तस्कर कब्र खोदकर शव का सर काट कर ले गए थे,जबकि बीते रात नवजात के शव को ही लेकर अपने साथ चले गए। फिर से पुलिस को चुनौती देते हुए नरमुंड चोरी करने वाले तस्करों ने घटना को अंजाम दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार को कहलगांव एसडीपीओ शिवानंद सिंह मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया है। घटनास्थल पर पुलिस वालों की नियुक्ति की गई है, जबकि एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है।

गाड़ी के अंदर सो रहे थे चालक व उपचालक, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

आरा फोरलेन पर धू-धूकर जला ट्रक, ड्राइवर-खलासी जिंदा जले

AGENCY ARA : आरा-छपरा फोरलेन पर जाम में ट्रक में अचानक आग लग जाने से ट्रक में सो रहे चालक और खलासी जिंदा जल गए और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ट्रक भी बुरी तरह जलकर राख में तब्दील हो गया। घटना से आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। आशंका जताई जा रही है कि जाम में खड़े ट्रक में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। यह घटना जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर छलका के पास गुरुवार की आधी रात के बाद हुई। मृतकों की पहचान पीरो थाना क्षेत्र के 56 वर्षीय चालक भीम सिंह और कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के 20 वर्षीय क्लीनर विकास कुमार के

रूप में हुई है। मृतक विकास कुमार करीब तीन वर्षों से ट्रक पर क्लीनर का काम कर रहा था। इस घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने आरा-छपरा फोरलेन पर इंग्लिशपुर छलका के पास दोनों शवों को बीच सड़क पर रखकर सड़क जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने करीब ढाई घंटे तक सड़क जाम रखा। सड़क जाम रहने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही कोइलवर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह, कोइलवर थानेदार नरोत्तम चंद्र और सर्किल इंस्पेक्टर कमल जीत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने एफएसएल की टीम को वहां बुलाया। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस आक्रोशित लोगों को समझाने में जुट गई। पुलिस के काफी प्रयास के बाद लोगों को समझाकर जाम हटाया गया। इसके बाद पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में उनका पोस्टमार्टम कराया। मृतक भीम सिंह के यहां पूर्व में क्लीनर का काम करने वाले योगेश कुमार ने बताया कि दो दिन पूर्व भीम और विकास सहार थाना क्षेत्र के बरूही गांव स्थित बालू घाट से बालू लोड कर बेतिया बालू उतारने गए थे। बुधवार की रात वहां से बालू उतार कर ट्रक लेकर लौट रहे थे। इसी बीच गुरुवार की मध्य रात्रि में आरा-छपरा फोरलेन पर भीषण जाम लगने के कारण इंग्लिशपुर छलका के पास जाम में दोनों ट्रक खड़ा कर ट्रक का दरवाजा बंद कर ट्रक में ही सो गए। इसी बीच अचानक ट्रक में भीषण आग लग गई। जिससे दोनों लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। इसके बाद ट्रक में लगे सेंसर के जरिए ट्रक मालिक को पता चला और उसने उन लोगों को फोन पर सूचना दी और कहा कि आरा-छपरा फोरलेन पर देखिए, ड्राइवर और क्लीनर को कुछ हो गया है, सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे।

मोकामा गोलीकांड

बाहुबली अनंत सिंह ने किया सरेंडर, भेजे गए बेऊर जेल

AGENCY PATNA : पूर्व विधायक और बाहुबली नेता अनंत सिंह ने शुक्रवार को बाढ़ कोर्ट में सरेंडर कर दिया। अनंत सिंह आज दोपहर अपने एक समर्थक के साथ बाढ़ कोर्ट पहुंचे और सरेंडर कर दिया। उन्हें बेऊर जेल भेजा गया है। एसडीपीओ राकेश कुमार ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के बाद कार्रवाई की जा रही थी। इस घटना में रौशन और सोनू सिंह की गिरफ्तारी हुई है। इसके बाद अनंत सिंह ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। एसडीपीओ ने बताया कि अनंत सिंह फरार थे लेकिन पुलिस के दबाव के कारण उन्होंने बाढ़ कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में चार मामले दर्ज हुए हैं। पहली एफआईआ? मुंशी मुकेश सिंह ने सोनू-मोनू पर उनके घर में ताला लगाने जाने के आरोप में करायी है। दूसरी एफआईआर सोनू मोनू ने

उनके घर पर गोलीबारी कराने के मामले में पूर्व विधायक अनंत सिंह पर करायी है। तीसरी एफआईआर मुखिया उर्मिला देवी ने नौरंगा गांव में हुई गोलीबारी के मामले में करायी है और चौथी एफआईआर अनंत सिंह के घायल समर्थक ने सोनू-मोनू पर करायी है। मोकामा के नौरंगा गांव में बुधवार शाम गोलीबारी में लगभग 10 से 20 राउंड गोलियां चलीं थीं। बताया जा रहा है कि सोनू मोनू ने मुंशी मुकेश सिंह के घर पर ताला लगा दिया था, जिसके बाद मुंशी ने बाहुबली नेता और पूर्व विधायक अनंत सिंह से मदद मांगी थी।

खुद से अपहरण की साजिश रचने वाला युवक 4 घंटे के अंदर बरामद

AGENCY BHAGALPUR : ऑनलाईन गेम खेल 48 हजार रुपये हारने और खुद से अपहरण की साज़िश रचने वाले युवक को 04 घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर लिया गया है। उक्त आशय की जानकारी शुक्रवार को विधि व्यवस्था डीएसपी चंद्रभूषण ने दी। डीएसपी ने बताया कि गुरुवार को को एक महिला के द्वारा सबौर थाना को आवेदन दिया गया। जिसमें उल्लेख किया गया कि मेरा पुत्र विकास कुमार सिंह (18 वर्ष) का अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा अपहरण कर फिरौती की माँग की जा रही है। इस संबंध में संबौर थाना में सुसंगत धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया। अपहृत युवक की बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी, पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था एवं पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व

में एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों एवं मानवीय सूत्रों के आधार पर अपहृत युवक को 04 घंटे के अंदर जीरोमाईल ओवरब्रिज के समीप से सकुशल बरामद किया गया। अपहृत युवक ने पूछताछ के क्रम में बताया कि गुरू भाई ऐप के माध्यम से गेम खेलने में 48 हजार रुपया हार गया था, जो दोस्त से लिया था। दोस्त को पैसा देने के लिए मैंने खुद ही अपहरण करने की साजिश रची थी।

किराना सामान की चोरी ममाले में अभियुक्त धराया

CHAMPARAN : बगहा पुलिस जिला के सेमरा बाजार में विगत दिनों किराना दुकान में साढे पांच लाख की चोरी हई मामलें में सेमरा पुलिस ने उद्भेदन करके एक अभियुक्त को गिरफ्तार की है।उक्त आशय की जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामनगर नंदजी प्रसाद ने शुक्रवार को सेमरा थाना परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दी है। उन्होंने बताया कि सेमरा थाना क्षेत्र के सेमरा बाजार के रमेश कुमार जयसवाल ने एक लिखित आवेदन दिया , कि उनका निजी किराना समान का माल गोदाम जो भवानीपुर रोड़ में बनारसी स्कूल के सटे दक्षिण दिशा में है, जिसमें आवेदक अपना किराना समान रखा था,जिसमें 14 जनवरी की रात्रि में साढे पांच लाख रुपया मूल्य के सामान की चोरी हो गयी है।

फरवरी से सीएम नीतीश की प्रगति यात्रा का चौथा चरण, 11 दिनों में 7 जिलों का होगा दौरा

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के चौथे चरण का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। जिसका आगाज एक फरवरी से भागलपुर से होगा। 11 दिन के इस चरण में मुख्यमंत्री 7 जिलों का दौरा करेंगे। जिसमें 1 फरवरी को भागलपुर, 2 को बांका, 6 को मुंगेर, 8 को शेखपुरा और लखीसराय, 10 को जमुई, 11 फरवरी को नवादा जाएंगे। इस दौरान करोड़ों की योजनाओं की सौगात जिलों को देंगे। आपको बता दें प्रगति यात्रा का तीसरे चरण 27 जनवरी तक चलेगा। जो 16 जनवरी से शुरू हुआ था। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 12 दिनों में 7 जिलों की यात्रा पर रहेंगे। दूसरे चरण में पांच जिलों का दौरा किया था। इस

दौरान जिलों को करोड़ों की योजनाओं का शुभारंभ और उद्घाटन किया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह प्रगति यात्रा का उद्देश्य राज्य के हर जिले में सरकार की योजनाओं प्रभावी रूप से लागू कराया जाए। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री को अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभाव का फीडबैक लेंगे। विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ जनता के सीधे सवालों और सुझावों को जानेंगे। यात्रा का मकसद राज्य के समग्र विकास को सुनिश्चित करना। हर क्षेत्र की जरूरतों के हिसाब से नीतियां बनाने पर जोर रहेगा। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रत्येक जिले में सरकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लेंगे और आगामी योजनाओं को लेकर जनता से संवाद करेंगे। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और उन समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का भी प्रचार करेंगे। जीविका दीदियों से भी सीएम लगातार संवाद कर रहे हैं।

लड़की ने बात नहीं की तो उसके घर पहुंच गया युवक फायरिंग कर फैलाई दहशत

BADH : बिहार के पटना जिले में एक युवक ने लड़की के घर पर फायरिंग कर दी। घटना बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना गांव की है। आरोपी का नाम अंकित बताया जा रहा है। वह भटगांव का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि लड़की उससे पहले बात करती थी। बाद में उसने बात करने से इनकार कर दिया। इससे अंकित को गुस्सा आ गया। वह जबरन बात करना चाह रहा था लेकिन लड़की ने मना कर दिया। इससे नाराज होकर युवक लड़की के घर पहुंच गया और फायरिंग कर दी। उसने लड़की के अपहरण की धमकी भी दी। इससे उसके घर वाले सहमे हुए हैं। बताया जा रहा है कि जब गांव के रहने वाले साधू सिंह ने फायरिंग का विरोध किया तो आरोपी ने उनकी पिटाई भी कर दी।

बिस्कोमान अध्यक्ष के चुनाव में दो गुटों में जमकर मारपीट, तीन के सिर फूटे

AGENCY PATNA : राजधानी पटना में बिस्कोमान अध्यक्ष के लिए हो रहे चुनाव में दो गुटों में जमकर मारपीट हुई है। जो जानकारी मिल रही है महुआ विधायक मुकेश रोशन और अध्यक्ष पद के उम्मीदवार विशाल सिंह के समर्थकों के बीच मारपीट हुई है। मुकेश रोशन अध्यक्ष पद की उम्मीदवार सुनील सिंह के समर्थन में उतरे हुए हैं। पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में चुनाव को लेकर के सुबह 8:00 बजे से दिन के 2:00 बजे तक मतदान की प्रक्रिया चली है। अभी के समय काउंटिंग की प्रक्रिया शुरू हुई है और इसी दौरान दो गुटों में मारपीट हो गई है, जिसमें तीन लोगों का सिर फटा है। जानकारी के मुताबिक मुकेश रोशन के तीन समर्थकों को बेल्ट से चोट लगने की वजह से सर फटा है। तीनों का इलाज निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। पुलिस ने बीच बचाव करके मामला को शांत कर दिया है और काफी संख्या में

घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंची पुलिस की टीम।

श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल के पास पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। अब एसकेएम में प्रशासन की ओर से लोगों को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। डीएसपी 2 के साथ-साथ गांधी मैदान थाना प्रभारी भी मौके पर मौजूद हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के बाद पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। गौरतलब है कि बिस्कोमान के बोर्ड आफ डायरेक्टर के कुल 17 पदों के लिए चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। जिसमें मुख्य पद है अध्यक्ष का पद। अध्यक्ष के पद के लिए विशाल सिंह और बिस्कोमान के पूर्व अध्यक्ष सुनील सिंह के बीच मुकाबला है। आज देर शाम तक परिणाम भी आ जाना है और वोटो की गिनती जारी है। मतदान केंद्र में ही मतगणना की प्रक्रिया पूरी हो रही है। मतदान केंद्र की ठीक बगल में पटना एसएसपी का कार्यालय है। ऐसे में दो गुटों में मारपीट जैसे शुरू हुई की पर्याप्त संख्या में पुलिस बल पहुंचकर मौके को संभाल लिया। हालांकि दोनों गुटों में अभी भी काफी तकरार देखने को मिल रहा है।

वैक्सीनेशन के बाद दो महीने की बच्ची की मौत

ROHTASH : बिहार के रोहतास से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दो महीने की हंसती खेलती बच्ची की मौत हो गई। परिजनों ने बच्ची की मौत की वजह टीके को बताया है। जिसके बाद जिले के स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा गया है। अब स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। बता दें कि आंगनबाड़ी केंद्र में टीकाकरण के बाद दो माह की बच्ची की मौत से सनसनी फैल गई है। दअरसल, मामला डेहरी प्रखंड क्षेत्र के गंगौली गांव का है। बच्ची की मौत ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी हैरान कर दिया है। मौत की जांच के लिए जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉक्टर आर।पी।के। साहू और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सीएमओ सभा सुंदर ने परिजनों से मिलकर जांच शुरू की है। गंगौली निवासी उमाशंकर सिंह की दो माह की पुत्री का सासाराम के एक निजी क्लिनिक में जन्म हुआ था। बच्ची के दादा ने बताया कि 15 जनवरी को स्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव में ही आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्ची को टीका लगाया गया था।

पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में भिड़े छात्रों के दो गुट, जमकर बरसे ईंट-पत्थर

AGENCY PURNIYA : बिहार के पूर्णिया मेडिकल कॉलेज उस समय रणक्षेत्र में बदल गया जब कॉलेज के दो ग्रुप आपस में भिड़ गए। कुछ छात्र का आरोप है कि रैगिंग को लेकर इस तरह का मामला सामने आया है। कुछ छात्र बताते हैं कि छात्रावास में रहने को लेकर इस तरह की घटना हुई है। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस के वरीय पदाधिकारी पुलिस बल के साथ पूर्णिया मेडिकल कॉलेज पहुंचे और मामले को शांत कराया। पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में रैगिंग को लेकर एमबीबीएस सेकंड ईयर और इंटर्नशिप छात्रों के बीच झड़प हो गई। बताया जा रहा है कि घटना में कुछ छात्र घायल हो गए हैं। झड़प की वजह किसी ने रैगिंग बताई तो किसी ने एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्रों के हॉस्टल में अत्यधिक छात्रों की संख्या को बताया है। वहीं कुछ लोग विवाद के पीछे इंटर्नशिप करने वाले छात्रों को छात्रावास में रखने की वजह भी बता रहे हैं। घटना की सूचना पर सदर

घटनास्थल पर बिखरे कांच के टुकड़े व हंगामा करते छात्र।

एसडीओपी पंकज कुमार शर्मा सहित तीन थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामला शांत कराया गया। एमबीबीएस छात्रों का कहना है कि पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्र के हॉस्टल में अत्यधिक छात्रों की संख्या हो गई। जिसके बाद पूर्णिया मेडिकल कॉलेज प्रशासन के द्वारा इंटर्नसीप छात्रों के छात्रावास में उनके रहने की व्यवस्था की गई है। छात्रों ने बताया कि रैगिंग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीते देर रात किसी बात को लेकर एमबीबीएस सेकंड ईयर और इंटर्नशिप छात्रों के बीच बहस शुरू हो गई थी। जिसके बाद मामला आगे बढ़ता गया। वहीं इस बात की जानकारी पूर्णिया मेडिकल कॉलेज के कुछ डॉक्टरों को मिली। तब जाकर उनके हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। उधर एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्र कॉलेज के प्रिंसिपल से शिकायत करने के लिए पहुंचे थे लेकिन प्रिंसिपल के नहीं रहने के कारण छात्र वापस लौट गए।

स्मरण : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित अन्य दलों और संगठनों के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

101वीं जयंती पर याद किए गए भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर

AGENCY PATNA : शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर जी की 101 वीं जयंती के अवसर पर उनके पैतृक स्थान कपूरी ग्राम में स्थित स्मृति भवन प उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। आयोजित सर्वधर्म सद्भाव कार्यक्रम में भाग लिया गया । तत्पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा गोखुल महाविद्यालय में स्थित कपूरी ठाकुर जी की प्रतिमा त्रिमूर्ति पर माल्यार्पण किया गया एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा कपूरी ठाकुर जी के जीवन वृत्तांत के बारे में संक्षेप में वर्णन करते हुए उनके त्याग एवं समर्पण का जिक्र किया तथा गरीबी एवं पिछड़ों हेतु उनके द्वारा किए गए योगदान का भी जिक्र किया गया। विदित हो कि

कर्पूरी ठाकुर के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

कपूर्री ठाकुर जी बिहार के दो बार मुख्यमंत्री पद को सुशोभित कर चुके हैं इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री के साथ माननीय मंत्री जल संसाधन विभाग विजय कुमार चौधरी, मंत्री ग्रामीण विकास विभाग, श्रवण कुमार सहित विभिन्न माननीय एवं पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

आज के दिन उनके जीवन से जुड़े कई पक्षों को लोगों ने याद किया। कभी उनके रिक्शे पर चलने वाली कहानी सुनाई जाती है। तो कभी फटा कोट पहनकर ऑस्ट्रिया जाने वाला किस्सा। आज 101वीं जयंती के मौके पर कपूर्री ठाकुर याद किये जा रहे हैं। कपूर्री ठाकुर ईमानदारी और सादगी के प्रतीक थे। उनकी ईमानदारी के कई किस्से हैं जो मिसाल हैं। 'द जननायक कपूर्री ठाकुर' वॉयस ऑफ वॉइसलेस के लेखक संतोष सिंह और आदित्य अनमोल हैं। किताब में संतोष सिंह ने बिहार के पहले पिछड़े मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर के जीवन के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला है। इस किताब में संतोष सिंह ने ठाकुर के जीवन से जुड़े कई किस्से सुनाए, जिनमें 1924 में कपूर्री के रूप में जन्म लेने से लेकर उनकी राजनीति और विरासत तक की यात्रा को दशार्या गया है। दरअसल, जननायक कपूर्री ठाकुर से जुड़ी एक दिलचस्प कहानी है। पढ़ाई के दौरान वह स्कूल की फीस जमा नहीं कर पा रहे थे। वह गांव के एक जमींदार के पास फीस के पैसे के लिए गए। जमींदार ने कहा कि पैसे चाहिए पैसे के लिए मेहनत करने होंगे। पैसे देने के बदले जमींदार ने उनसे 27 बाल्टी पानी से नहलवाने के बाद पैसे दिए।

समस्तीपुर के पितौंझिया (अब कपूर्री ग्राम) में 1904 में सिर्फ एक व्यक्ति मैट्रिक पास था। 1934 में 2 और 1940 में 5 लोग मैट्रिक पास हुए थे। इनमें एक कपूर्री ठाकुर थे।

पुआल में छुपकर ट्यूशन पढ़ते थे कर्पूरी

कपूर्री ठाकुर के गांव पितौझिया में एक शिक्षक थे जो स्वर्ण जाति से आते थे । राजा गुरु जी सिर्फ सवर्ण जाति के लड़कों को पढ़ते थे। कपूर्री ठाकुर ने उनसे पढ़ने का अनुरोध किया राजा गुरु जी सामाजिक दबाव के चलते पढ़ा नहीं सकते थे लेकिन उन्होंने बीच का रास्ता निकालाऔर कहा कि जहां मैं पढ़ता हूं वहां तुम खलिहान में आ जाना और पुआल में बैठकर चुपचाप सुनना। मैं जोर-जोर से बोलूंगा।इससे तुम्हारी पढ़ाई भी पूरे हो जाएगी। कपूर्री ठाकुर ने इसी तरीके से बचपन में पढ़ाई पूरी की।

20 दिनों से वित्त विभाग का अकाउंट फ्रीज, लाखों कर्मचारियों का वेतन फंसा

PATNA : बिहार सरकार का वित्त विभाग इन दिनों सीएफएमएस के अपग्रेड वर्जन के कारण मुश्किलों में फंसा है। इसके कारण मंत्री से लेकर लाखों कर्मचारियों की सैलरी और अन्य भुगतान फंस गया है। पिछले 20 दिनों से वित्त विभाग के अकाउंट फ्रीज हो गए हैं। दिसंबर महीने में भी शिक्षक सहित लाखों कर्मचारियों के वेतन भी फंसे हुए हैं। वहीं जनवरी महीने की सैलरी को लेकर पूरे बिहार सहित सचिवालय के कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ सकती है। बिहार सरकार अपना वित्तीय कामकाज कंप्रिहेंसिव फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (उत्र्र्हर) के माध्यम से करती है। इसकी शुरूआत 2019 में हुई थी। इसको अपग्रेड किया जा रहा है और नए वर्जन के कारण ही यह समस्या पिछले 20 दिनों से वित्त विभाग को झेलना पड़ रहा है।

बीजेपी के पूर्व सांसद आरके सिन्हा की बिगड़ी तबीयत

AGENCY PATNA : बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा की हालत गंभीर हो गई है। ब्रेन स्ट्रोक के चलते उन्हें दिल्ली के मैक्स अस्पताल के क्छव में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर नजर रखे हुए है। उनकी हालत को लेकर समर्थकों और शुभचिंतकों के बीच चिंता का माहौल है। बिहार के बक्सर जिले में जन्मे रविंद्र किशोर सिंह (फाङ ग्र्ल्लँ) ने भारतीय राजनीति में एक अलग पहचान बनाई है। वे राज्यसभा में अपने कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर मुखर रहे और पार्टी के लिए रणनीतिक रूप से अहम योगदान दिया। उनकी लोकप्रियता और सामाजिक कार्यों में सक्रियता ने उन्हें जनता के बीच एक प्रिय नेता बनाया है। आरके सिन्हा की कहानी संघर्ष

और सफलता का प्रतीक है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत पत्रकारिता से की और 1971 के भारत-पाक युद्ध की रिपोर्टिंग भी की। नौकरी से हटाए जाने के बाद उन्होंने 230 रुपये से स्क्र सिक्यूरिटी कंपनी की स्थापना की। आज यह कंपनी 15,000 करोड़ रुपये के मूल्य पर पहुंच चुकी है और इसमें 2 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। यह उपलब्धि उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाती है। कुछ दिनों पहले ही आरके सिन्हा ने अपने बेटे ऋतुराज के साथ आरा स्थित अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया था।

अत्यंत गुणकारी औषधीय पौधा है आक

कुछ पेड़-पौधे ऐसे हैं, जिनसे हम कई चामत्कारिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इन पेड़ों-पौधों में आक का पौधा भी है। आक एक औषधीय पौधा है। इसको मदार, आक, अर्क और अकौआ भी कहते हैं। इसे जानवर भी नहीं खाते है। यह बंजर भूमि में भी आसानी से उग आता है। इसके फल से गर्म तासीर की कोमल चिकनी रूई निकलती है। इसमें विषाक्त दूध भरा होता है। इसका वृक्ष छोटा और छत्तादार होता है। पत्ते बरगद के पत्तों समान मोटे होते हैं। हरे सफेदी लिए पत्ते पकने पर पीले रंग के हो जाते हैं। इसका फूल सफेद और छोटा होता है। फूल पर रंगीन चित्तियां होती हैं। फल आम की तरह होते हैं, जिनसे रूई निकलती है। आक की शाखाओं से दूध निकलता है। वह दूध विष का काम देता है। आक गर्मी के दिनों में रेतीली भूमि पर होता है। चौमासे में पानी बरसने पर सूख जाता है। दुर्गम रेतीले टीलों में जहां मीलों दूर तक पेड़ की छांव नसीब नहीं होती है, उन जगहों पर आक का पौधा खूब फलता फूलता है। राजस्थान के थार मरूस्थल के अलावा आक का पौधा दक्षिण मध्य भारत के गर्म और शुष्क वातावरण में खुले और समतल मैदानों में पाया जाता है। आक के पत्ते मोटे और चिकने होते हैं तथा पत्तों के पृष्ठ भाग पर हल्का सफेद आवरण होता है, जो कि हाथ से रगड़ने पर उतर जाता है। आक का पौधा प्रायः हर मौसम में हरा-भरा रहने के कारण यह रेगिस्तान का सदाबहार पौधा कहलाता है। आक चार प्रकार के होते हैं (1) श्वेतार्क अर्थात सफेद आक (2) रक्तार्क व लाल आक (3) लाल आक का ही दूसरा प्रकार है, जो ऊंचाई में सबसे छोटा और सबसे विषैला होता है (4) पर्वतीय आक। पहाड़ी आक पौधे के रूप में नहीं, बेल के रूप में होता है, जो उत्तर भारत में बहुत कम, किंतु महाराष्ट्र में पर्याप्त मात्रा में होता है। लाल जाति का आक सर्वत्र सुलभता से प्राप्य है। गुणों की दृष्टि से औषधि के रूप में दोनों प्रकार के आकों का प्रयोग होता है। दोनों में कुछ समान गुण भी मिलते हैं, किंतु श्वेत अर्क में अधिक उत्तम गुण होने से आयुर्वेद में यह वनस्पति दिव्य औषधि मानी जाती है। लाल आक इसके समान तो नहीं, किंतु यह भी गुणों का भंडार है। जितना लाभ इस पौधे से वैद्यों और भारतीय चिकित्सकों ने तथा रसायनशास्त्रियों ने पहले उठाया था, उतना किसी द्वितीय औषधि से नहीं उठाया। आक भारत का एक प्रसिद्ध पौधा है, जो आयुर्वेद के शास्त्रों में जानी मानी औषधि है। इसे छोटे-छोटे वैद्य तथा ग्रामीण अनपढ लोग भी जानते हैं और औषधि रूप में प्रयोग भी करते हैं। भारत में आक के पौधे सब स्थानों पर मिलते हैं, पर ऊंचे पर्वतों पर ये नहीं मिलते। आक का पौधा चार फीट से लेकर 15 फीट तक की ऊंचाई में देखने को मिलता है। यह ऊंची शुष्क मरुभूमि में अधिक होता है। ऊसर भूमि में उत्पन्न होने के कारण अरबी में इसको ऊसर कहते हैं। आक के पौधे शुष्क, ऊसर और ऊंची भूमि में प्रायः सर्वत्र देखने को मिलते हैं। इस वनस्पति के विषय में साधारण समाज में यह भ्रांति फैली हुई है कि आक का पौधा विषैला होता है। यह मनुष्य को मार डालता है। इसमें किंचित सत्य जरूर है, क्योंकि आयुर्वेद संहिताओं में भी इसकी गणना उपविषों में की गई है। यदि इसका सेवन अधिक मात्रा में कर लिया जाए तो, उल्टी-दस्त होकर मनुष्य की मृत्यु हो सकती है। इसके विपरीत यदि आक का सेवन उचित मात्रा में योग्य तरीके से चतुर वैद्य की निगरानी में किया जाए तो अनेक रोगों में इससे बड़ा उपकार होता है। आक के पौधों का सबसे बड़ा फायदा है कि उनसे हमें ऑक्सीजन गैस प्राप्त होती है। इसके अलावा प्राकृतिक दृष्टिकोण से भी पेड़-पौधों का सर्वाधिक महत्व है। इनके बिना वातावरण को संतुलित किया ही नहीं जा सकता। हर परिस्थिति में हरियाली हमारे लिए फायदेमंद ही है। इन फायदों के साथ ही शास्त्रों के अनुसार, कई धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व भी बताए गए हैं। ज्योतिष के अनुसार, जिस घर के सामने या मुख्यद्वार के समीप आक का पौधा होता है, उस घर पर कभी भी किसी नकारात्मक शक्ति का प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके अलावा वहां रहने वाले लोगों को तांत्रिक बाधाएं कभी नहीं सतातीं। घर के आसपास सकारात्मक और पवित्र वातावरण बना रहता है, जो कि हमें सुख-समृद्धि और धन प्रदान करता है। ऐसे लोगों पर महालक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है और जहां-जहां से लोग कार्य करते हैं, वहीं से इन्हें धन लाभ प्राप्त होता है। आक का सूर्य से विशेष संबंध है। गर्मी में जब पृथ्वी सूर्य के निकट आ जाती है और सूर्य की भयंकर गर्मी से तपने और जलने लगती है, जोहड़, तालाब, बावड़ी सबका जल सूख जाता है। बड़े वृक्ष सूखने लगते हैं, तब यही पौधा है, जो मरुभूमि में भी खूब फलता और फूलता है। यह आग्नेय प्रधान पौधा उस भयंकर ऊष्णकाल में खूब हरा-भरा रहता है। शास्त्रों अनुसार, आक के फूल शिवलिंग पर चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। विद्वानों के अनुसार, कुछ पुराने आकड़ों की जड़ में श्रीगणेश की प्रतिकृति निर्मित हो जाती है, जो कि साधक को चमत्कारी लाभ प्रदान करती है। आक का हर अंग दवा है, हर भाग उपयोगी है। यह सूर्य के समान तीक्ष्ण तेजस्वी और पारे के समान उत्तम तथा दिव्य रसायनधर्मा है।

क्यों कुंभ से जुड़ते हैं करोड़ों श्रद्धालु

ANALYSIS

आर. के. सिन्हा

श्रद्धालुओं को भगवान के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करने का अवसर देते हैं। कुंभ मेला एक धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव है, जो लोगों को भगवान के करीब लाता है। यह एक ऐसा समय है, जब लोग अपने पापों से मुक्ति पा सकते हैं और मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह आत्म-अनुशासन और त्याग के महत्व को दशार्ता है। यह एक ऐसा उत्सव है, जो लाखों लोगों को एक साथ आने और अपनी आस्था को मजबूत करने का अवसर देता है। कुंभ मेले की शुरूआत समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ी है। इस कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत (अमरता का दिव्य पेय) पाने के लिए समुद्र मंथन किया था। जब अमृत का कुंभ निकला, तो देवताओं और असुरों के बीच इसे पाने के लिए युद्ध हुआ। इस दौरान अमृत की कुछ बूंदें इन चार स्थानों पर गिरीं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इसलिए, इन स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ मेले का आयोजन उन स्थानों पर होता है, जहां पवित्र नदियों का संगम होता है, जैसे गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम प्रयाग में। इन नदियों में स्नान करना हिंदू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान नदियों में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। अब बात प्रयागराज और कुंभ के संबंधों की भी। प्रयाग (बहु-यज्ञ स्थल) को कहा जाता है। प्राचीन काल से ही तीर्थराज के रूप में प्रसिद्ध हुआ यह संगम स्थल पर हुए अनेक यज्ञों की वजह से, जिनमें पहला यज्ञ किया सृष्टिकर्ता प्रजापति ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना के तत्काल बाद। यज्ञवेदी है गंगा, यमुना और गुप्त रूप से बहने वाली सरस्वती की धारा, जो इस क्षेत्र को तीन भागों में विभाजित करती है। पद्म पुराण में इसकी तुलना साक्षात सूर्य से करते हुए कहा गया है कि जहां सरस्वती, यमुना और गंगा का संगम होता है, वहां स्नान करने वाले ब्रह्मपद को प्राप्त करते हैं। यह यज्ञ की महिमा ही है, जिसके कारण मान लिया गया है कि जो प्रयाग की धरती पर पैर भी धर लेता है, उसे हर कदम पर अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। प्रयाग में लगभग 70 हजार तीर्थ उपस्थित हैं। पद्म पुराण के अनुसार अपने घर में मृत्युशय्या पर पड़ा व्यक्ति भी यदि दूर भी रहते प्रयाग का नाम स्मरण कर ले तो ब्रह्मलोक का भागी होता है। मत्स्य पुराण में कहा गया है कि युग चक्र पूर्ण होने पर जब रुद्र (शिव) पृथ्वी का विनाश करते हैं, प्रयाग तब भी नष्ट नहीं होता है, क्योंकि विष्णु वेणीमाधव, शिव अक्षय वटवृक्ष के रूप में और स्वयं ब्रह्मा छत्र में उपस्थित रहते हैं। शूलपाणि स्वयं वट की रक्षा करते हैं और यहां मृत्यु प्राप्त करने वाले को सीधे शिवलोक की प्राप्ति होती है। पुराणों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति संगम की मिट्टी का भी अपने शरीर पर स्पर्श करा लेता है, तो समस्त पापों से मुक्त हो जाता है और गंगा स्नान के बाद स्वर्ग के पुण्य का भागीदार बन जाता है। यहां यदि किसी को मृत्यु प्राप्त होती है, तो वह जन्म और मृत्यु के सांसारिक चक्र के बंधनों से मुक्त हो जाता है। कुंभ मेला लाखों-करोड़ों लोगों को एक साथ आने का अवसर देता है। यहां विभिन्न साधु-संत, नागा साधु और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान और प्रेरणा मिलती है। यह एक ऐसा समय है, जब लोग सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर भगवान की भक्ति में लीन होते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता का एक अद्भुत उदाहरण है। यहां विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से लोग आते हैं, जिससे विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं का संगम होता है। मेले में लोक नृत्य, संगीत, कला और शिल्प का प्रदर्शन किया जाता है, जो इसे एक रंगीन उत्सव बनाता है। अगर धर्म-कर्म से हटकर बात करें तो कुंभ मेला सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यहां सभी जाति, धर्म और वर्ग के लोग एक साथ आते हैं और मिलकर प्रार्थना करते हैं। यह एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। कुंभ मेले के पहले दिन बड़ी संख्या में सिखों ने भी स्नान किया। इसमें आने वाले लोग कई तरह के त्याग और अनुशासन का पालन करते हैं। वे साधारण जीवन जीते हैं, जमीन पर सोते हैं और सात्विक भोजन करते हैं। यह उन्हें अपने अंदर की शांति और संयम को बढ़ाने में मदद करता है। कुंभ मेला हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लाखों लोगों को आध्यात्मिक शांति और आनंद प्रदान करता है। यह एक ऐसा पर्व है, जो हिंदू संस्कृति की विविधता और गहराई को दशार्ता है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं और सूर्य मेष राशि में होते हैं, तब पूर्ण कुंभ का आयोजन होता है। यह खगोलीय संयोग इस मेले को और भी खास बना देता है। यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और शांतिपूर्ण जमावड़ा होगा, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के लोग एक साथ आते हैं। कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन भी नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक अनुभव भी है। यहां साधु, संत, नागा बाबा और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जो अपने ज्ञान और अनुभवों से लोगों को प्रेरित करते हैं। यह मेला आत्म-खोज और आध्यात्मिक विकास का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आते हैं और अपनी पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और वेशभूषा का प्रदर्शन करते हैं। कुंभ मेले का वैश्विक पर्यटन से संबंध है। दुनिया भर से पर्यटक इस मेले की भव्यता और आध्यात्मिकता को देखने के लिए आते हैं। यह भारत की संस्कृति और विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है। आपको इस विशेष मेले का हिस्सा तो बनना ही चाहिए।

बीते जमाने की बात होती जा रही सोशियोट्रॉपी

सामाजिक ताने-बाने में बदलाव को इस तरह से आसानी से समझा जा सकता है कि सोशियोट्रॉपी आज बीते जमाने की बात होती जा रही है। कोरोना के बाद तो हालात में और भी अधिक बदलाव आया है। आज की पीढ़ी में सामाजिकता का स्थान वैयक्तिकता लेती जा रही है। एक समय था, जब सामाजिकता को वैयक्तिकता के स्थान पर अधिक तरजीह दी जाती थी। परिवार, मोहल्लों और आसपास कोई ना कोई ऐसे अवश्य मिल जाते थे, जो जगत मामा तो कोई जगत काका तो कोई जगत दादा होते थे। छोटा हो या बड़ा, दादी हो या पोती, सास हो या बहू सब उन्हें प्रसिद्ध नाम से ही पुकारते थे। यह था एक तरह का अपनत्व। इस तरह के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति सभी के चहेते होते थे तो जान-पहचान हो या ना हो, वे जरूरत के समय पहुंच जाते थे। सुख-दुख खासतौर से मुसीबत के समय ऐसे व्यक्ति आगे रहते थे। हालांकि आज इस तरह के व्यक्तित्व को ढूंढना लगभग असंभव सा है। दरअसल, हमारी परंपरा व्यष्टि का ना होकर समष्टि की रही है। बच्चों को पहले सामाजिकता का पाठ पढ़ाया जाता था। बच्चे मोहल्ले के सभी घरों को अपना ही घर मानकर चलते थे तो मोहल्ले में रहने वाले किसी का भी बच्चा हो उसे अपने बच्चे जितना ही प्यार और दुलार देते थे। दुख-दर्द में पूरा मोहल्ला साथ हो जाता था। मोहल्ले में किसी घर में मौत हो जाती थी तो पड़ोसी उस परिवार को संभालने और देखभाल की जिम्मेदारी स्वयं अपने हाथ में ले लेते थे। शादी-विवाह में काम बंट जाता था, आज तो कैटरिंग का जमाना आ गया, नहीं तो सैकड़ों लोगों को परिवार और मोहल्ले के युवा ही भोजन कराने की जिम्मेदारी निभा लेते थे। हलवाई के काम शुरू करते ही मोहल्ले के लोग बारी-बारी से देखरेख व सहयोग के लिए तैयार रहते थे। आज यह सब बदल गया है। गगनचुंबी इमारतों में कई परिवार रहते हैं और हालात यहां तक हो गए हैं कि एक ही कॉम्प्लेक्स या अपार्टमेंट में रहने वाले एक-दूसरे को पहचानते नहीं। ऐसे में आपसी सहयोग और मेल-मिलाप की बात करना बेमानी होगा। सोशियोट्रापी मनोविज्ञान में प्रयोग होता है। इसे सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही अर्थों में लिया जाता है। दूसरों को खुश रखने की खुशी में अपनी खुशी को भूल जाने वाली मनोस्थिति को भी सोशियोट्रापी के रूप में देखा जाता है। यही कारण है कि इस एकांगिग अर्थ को लेने के चक्कर में सोशियोट्रापी मानसिकता वाले लोगों के अवसादग्रस्त, तनाव पीड़ित और हमेशा चिंतित रहने की मनोदशा को साइड इफेक्ट के रूप में देखा जाता है, जबकि सोशियोट्रापी यहीं तक सीमित नहीं है। दूसरे के दुख-दर्द में भागीदार होना, आवश्यकता के समय निःस्वार्थ सहयोग व सहायता करना, दूसरे की परेशानी को समझना और उसे दूर करने में यथासंभव सहयोग करना यह सोशियोट्रापी का ही एक रूप है। हमारी परंपरा में जो व्यक्ति केवल अपने आप के बारे में सोचता है, उसे एकलखोर या स्वार्थी कहा जाता रहा है। हमारी परंपरा वसुधैव कुटुंबकम की रही है। हमारी परंपरा में दूसरे की उन्नति देखकर प्रसन्न होने की भावना रही है। खुशी के मौके पर मिठाई बांटना खुशी में सभी को भागीदार बनाना है। इसी तरह से जरूरत के समय खड़े हो जाना जरूरतमंद के लिए संबल होता है। देखा जाए तो बदलते सामाजिक ताना-बाना ने सब कुछ बदल कर रख दिया है। एकल परिवार की संस्कृति समाज में अपना प्रभुत्व जमा चुकी है। परिवार पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित होता जा रहा है। जो भावनात्मकता संबंधों को तरोताजा रखती थी, वह भावनात्मकता कहीं खो गई है। अवकाश के दिनों का उपयोग दादा-दादी या नाना-नानी के पास गुजारने के स्थान पर कहीं घूमने में जाया होने लगा है। एक समय था, जब गांव से यात्रा पर भी जाते थे तो गांव के कई परिवार के लोग उस भ्रमण दल में होते थे। हालात तो यहां तक होने लगे हैं कि घर के बुजुर्ग सदस्य को जिसे साथ की अधिक आवश्यकता है, घर की देखभाल के लिए छोड़ना आज आम होता जा रहा है। खुशी के पल को साझा करने का तरीका भी बदल गया है। जिस तरह की प्राथमिकताएं बदली हैं, वह पीपल प्लीजर के स्थान पर सेल्फ प्लेजर होती जा रही है। दरअसल सामाजिकता के जो मायने एक समय होते थे, उसमें कोई क्या कहेगा महत्वपूर्ण होता था, सामाजिक प्रतिक्रिया का बड़ा भय होता था। आज हालात यह है कि मां-बाप क्या कहेंगे, इसकी भी परवाह नहीं रही है। दरअसल न्यूक्लियर फैमेली के यह साइड इफैक्ट है, जो लोगों को सोशियोट्रापी से दूर ले जाते हैं। पाश्चात्य देशों द्वारा अब इसकी अहमियत सामने आने लगी है। ब्रिटेन में पिछले दिनों एक अध्ययन में सामने आया है कि अब बच्चों का जब भी मौका मिलता है, परिवार यानी दादा-दादी या नाना-नानी का साथ जरूरी माना जाने लगा है, क्योंकि सामाजिक ताना-बाना में बिखराव के कारण ही आज की पीढ़ी रिश्तों की अहमियत भूलती जा रही है। दादा-दादी या नाना-नानी में से एक तो पराया होता जा रहा है। जब खास रिश्तों के ही यह हालात होते जा रहे हैं, परिवार के मायने ही बदलते जा रहे हैं तो फिर अड़ोस-पड़ोस, मोहल्ले या शहर-गांव के रिश्तों की बात करना ही बेमानी होगा। आज की पीढ़ी के सामाजिकता से दूर होने के नकारात्मक प्रभाव समाज के सामने आने लगे हैं। पाश्चात्य देश अब रिश्तों की अहमियत को समझने की दिशा में आगे बढ़ने लगे हैं, वहीं हम रिश्तों की अहमियत और सामाजिकता खोते जा रहे हैं। यह अपने आप में गंभीर चिंता का विषय है। समाज और समाज विज्ञानियों व मनो विज्ञानियों को हालात की गंभीरता को समझते हुए समय रहते हालात को सुधारने के प्रयास करने होंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के अपने सभी भाई-बहनों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। भारतीय संस्कृति में अनगिनत पौराणिक और ऐतिहासिक कालखंडों की साक्षी रही यह पावन धरती पिछले आठ वर्षों से विकास के नित-नए अध्याय रचने में जुटी है। मुझे पूरा भरोसा है कि जनकल्याण के लिए समर्पित सरकार और यहां के लोगों की अद्भुत प्रतिभा एवं अथक परिश्रम से हमारा यह प्रिय प्रदेश विकसित भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में एक अनोखा घोटाला सामने आया है। तरह-तरह के भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात हेमंत सोरेन ने सरकारी विभागों के रिक्त पदों की संख्या में बड़ा घोटाला कर दिया है। पिछले दो सालों में रिक्त पदों पर की संख्या 4.66 लाख से घटकर महज 1.59 लाख रह गई है। यानी बिना कोई परीक्षा कराए हेमंत सोरेन युवाओं 2 लाख 7 हजार की नौकरी खा गए। हेमंत सोरेन बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के प्रति कितने गंभीर हैं, उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिना नियुक्ति दिए ही 2 लाख से अधिक रिक्त पद गायब हो गए! इस अनूठे घोटाला का जवाब ना तो हेमंत जी के पास है, ना अधिकारियों के पास। सीएम हेमंत सोरेन जी, दीमक की तरह झारखंड के युवाओं का भविष्य खोखला मत करिए।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

राज कपूर के पीछे के सितारे

राज कपूर की सफलता के पीछे उनकी अपनी मेहनत और समझ तो थी ही, लेकिन उसके साथ ही उनकी टीम का भी महत्वपूर्ण रोल था, जो हमेशा उनके साथ बनी रही। शराब पीने के बाद वह इस टीम से लड़ते-झगड़ते भी और अगले दिन फिर सब भूलकर उन्हें फिर गले से लगा लेते। बरसों उनके सहायक रहे राहुल रवेल ने उनके साथ बिताए अपने समय के आधार पर लिखी पुस्तक में इस तरह के अनेक किस्से साझा किए हैं। राज कपूर की एक क्रिएटिव टीम थी, जिसमें लेखक और संवाद लेखक के रूप में ख्वाजा अहमद अब्बास, वीपी साठे, इंदरराज आनंद, गीतकार के रूप में शैलेंद्र और हसरत जयपुरी, संगीतकार शंकर-जयकिशन गायकों में लता, मुकेश और रफी आदि सबसे प्रिय थे। लेकिन, उनकी एक टेक्निकल टीम भी थी, जो उनके मन और कागजों पर लिखी फिल्म को यादगार बनाती थी। यानी कि परदे के पीछे की टीम। इस टीम में सबसे महत्वपूर्ण थे उनकी तीसरी आंख यानी राधू करमाकर जी। 'आवारा' में राधू साहब का काम असाधारण था। श्वेत-श्याम फोटोग्राफी बहुत मुश्किल होती है और प्रकाश और छाया के खेल पर ही निर्देशक द्वारा परिकल्पित दृश्य को प्रभावी बनाना होता है। राधू साहब इस पहलू को पूरा करने में माहिर थे। अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में जब 'आवारा' फिल्म की स्क्रीनिंग हुई, तब फिल्म पारखियों ने उनकी प्रतिभा पर ध्यान दिया। प्रतिष्ठित फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर सर अलेक्सेंडर कोरदा राधू साहब के काम से उनके इतने मुरीद हुए कि उन्होंने राज साहब को सलाह दी, जब वे श्वेत-श्याम फिल्मों से रंगीन फिल्म में शिफ्ट होंगे, तब राधू साहब को मास्टर सिनेमेटोग्राफर जैक कार्डिफ से ट्रेनिंग जरूर दिलवाएं, जिसे राज साहब ने माना और राधू साहब को 'संगम' के शुरू होने से पहले उनसे ट्रेनिंग दिलवाई। 'संगम' के दृश्यों की क्वालिटी ने उसे एक बेहद यादगार फिल्म बनाया। राज साहब के कान थे एक मास्टर टेक्नीशियन खान साहब। आरके फिल्म्स की सारी डबिंग वही कराते थे। डबिंग एक प्रक्रिया है, जिसमें डायलॉग, जिसे पहले से ही रिकॉर्ड कर लिया जाता है, उसे फिर से रिकॉर्ड किया जाता है, ताकि पहलेवाली आवाज से शोर निकाला जा सके। अब तो डबिंग थिएटर साउंडप्रूफ होते हैं, जिसमें बाहर से कोई आवाज भीतर नहीं आती है और साफ डायलॉग ट्रैक मिल जाता है। आरके का डबिंग स्टूडियो साउंडप्रूफ नहीं था, बल्कि वहां सभी तरह की आवाजें सुनाई देती थीं। चार बिल्डिंग दूर फैक्टरी से मशीन के चलने और तेज शोर की आवाजें, रोड का ट्रैफिक और कई दूसरी आवाजें सुनाई पड़तीं। लेकिन, खान साहब साउंड की ऐसी समझ और निगरानी रखते थे कि जब भी आरके की फिल्म रिलीज होती, उन्हें बेहतरीन साउंड रिकॉर्डिस्ट का अवार्ड मिलता। आउटडोर में शूटिंग की अच्छी व्यवस्था न होने पर उन दिनों फिल्में मुख्यतः सेट्स पर ही शूट होती थीं । सेट डिजाइनर यानी कला निर्देशक के रूप में उनके पास थे अचरेकर साहब जिन्होंने आरके के 'लोगो' का भी डिजाइन तैयार किया था। 'आवारा' फिल्म के लिए उन्हें स्लम के सेट और अमीर घरों के भीतरी और बाहरी दृश्य, कोर्ट और गलियों को एक आश्चर्यजनक 'ड्रीम सिकुएंस' में बदलकर काफी वाहवाही बटोरी थी। स्टूडियो में हरीश दादा नाम के इलेक्ट्रिशियन थे। उनकी और राधू साहब की बहुत अच्छी बनती थी। जब राज साहब राधू साहब को एक शॉट देते हुए कहते थे, मैं यह चाहता हूं, हरीश दादा, राधू साहब के कहे बिना ही हरीश दादा बैकग्राउंड की लाइटिंग को ऑन कर देते थे। पटरी पर कैमरे को घुमाने के लिए एक ट्रॉली का इस्तेमाल होता है, जिसे एक समतल स्तर के मैदान पर सेट किया जाता था, ताकि ट्रॉली आसानी से घूम सके। बापू काटकर नाम के बापू दादा ट्रॉली शॉट के लिए पटरी सेट करने के काम में सिद्धहस्त थे। स्टूडियो की सख्त और समतल जमीन पर ट्रॉली को सेट करना सरल होता था, लेकिन आउटडोर में या ऊंची-नीची जमीन पर ट्रॉली को सेट करना लगभग असंभव काम होता था।

बदले समीकरण

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के प्रथम 48 घंटे इस बात का सबूत हैं कि उन्होंने अमेरिका फर्स्ट की व्यापक थीम के साथ चार वर्षों में आमूलचूल बदलावों की योजना बनाई है। उनके पहले कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंध मजबूत होने से नई दिल्ली में इस कार्यकाल के लिए रणनीति बना रहे लोगों को थोड़ी राहत मिलनी चाहिए, लेकिन उनके कदमों ने साफ कर दिया है कि अप्रत्याशित की प्रत्याशा करना जरूरी होगा। कई सारे कार्यकारी आदेशों ने ऊर्जा, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन, व्यापार व वैश्विक करों, नागरिकता पाने के तरीकों, स्वास्थ्य, सीमा नियंत्रण और आप्रवासन पर अमेरिकी नीति बदल दी है। लेकिन, नए प्रशासन ने दिखाया है कि वह भारत के साथ भागीदारी के लिए उत्साहित है। शपथ ग्रहण समारोह में अन्य क्वॉड विदेश मंत्रियों के साथ आमंत्रित, भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर पहले विदेश मंत्री थे, जिनकी नए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ अकेले-अकेले की द्विपक्षीय बैठक हुई। उनकी बैठक का आधिकारिक ब्योरा और क्वॉड विदेश मंत्रियों का साझा बयान यह साफ करता है कि दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत साझेदारी, चीनी कारगुजारियों को लेकर चिंताओं, महत्वपूर्ण एवं उभरती टेक्नोलॉजी पर सहयोग, रणनीतिक व रक्षा संबंधों पर एकमत हैं। इसके बावजूद ट्रंप-रूबियो की घोषणाओं ने खतरे की घंटी बजा दी है, खासकर व्यापार, आप्रवासन और जन्म के आधार पर नागरिकता के निरस्तीकरण को लेकर। व्यापार की बात करें तो भारत टैरिफ संबंधी घोषणाओं के पहले चरण में नाम लिए जाने से बच गया है, लेकिन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स के सभी सदस्यों के खिलाफ ट्रंप की 100 फीसदी टैरिफ की टिप्पणी से संशय और एक संभावित बाजार प्रतिक्रिया की स्थिति पैदा हो गई है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने भारत का जीएसपी दर्जा वापस ले लिया था, जिसने भारतीय निर्यातकों को प्रभावित किया।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Our Constitution an ode to consensus

During times of peace, it is relatively easy to be democratic; the test arises when we are faced with social and political turmoil.

By the end of 1948, rocked by the Partition and the ensuing communal violence, anxieties about social fragmentation and separatism were tangible within the Constituent Assembly and outside it. In this demanding situation, Sardar Vallabhbhai Patel set a new benchmark for what a democracy is and should aspire to be.As the chairman of the special sub-committee set up to re-examine political safeguards for religious minorities, he said: “I was anxious that the representatives of the minorities on the Committee should have adequate time both to gauge public opinion among their people, and to reflect fully on the amendments proposed, so that a change, if affected, would be one sought voluntarily by the minorities themselves”, and “not imposed on them by the majority community”.Patel’s words echoed the framers’ commitment to democracy. A high-powered committee, with Jawaharlal Nehru, Rajendra Prasad, KM Munshi and BR Ambedkar as its members, had recommended the withdrawal of separate representation for religious minorities. The Sikh representatives were reluctant to accept this recommendation and wanted more time to consult and reflect on the proposed changes.The political stature of the members of the sub-committee should itself have elicited compliance. But this did not happen. There was political urgency to settle the issue. Yet, Patel, along with the committee members, did not force a consensus. They heard and respected the wishes of even this small group of representatives. To give Sikhs more time, he adjourned the meeting.

The majority of the representatives, including members of other minorities, had accepted the recommendations of the special sub-committee. Even most of the Muslim representatives agreed that separate representation for religious minorities be abandoned. It was the need of the hour. Under these conditions, the sub-committee could easily have ignored a few Sikh voices. After all, numbers were on their side.They could also have appealed to national interest. But this did not happen. Despite the extenuating circumstances and the weight of the numerical majority with them, Patel offered a political reasoning that defined what it means to be democratic. He did not want a major decision to be imposed upon a community.This was a spectacular lesson in what democracy entails. Today, democracy is associated with elections and rule by elected representatives. For analysts, leaders and students of political science, elections are the peg around which democracies are anchored. A few other elements — separation of powers, rule of law, respect for human rights — are thrown in for good measure, but it is winning or losing elections that matters the most. Probably because we believe that winners decide the course of things to come: they determine the policies that will be formulated. The future rests in their hands.

Against this myopic vision of what democracy is, Patel and the leadership of the sub-committee presented a grand alternative. They did not simply espouse an ideal of deliberation, they stood by it and acted upon it; showed us that democracy requires the willingness to trust and walk the mile to meet those who disagree. The moral power of this gesture compelled the other side (the dissenting voices) also to take the committee’s reasoning seriously, and they too agreed to accept the recommendations. Eventually, the sub-committee on minorities voluntarily accepted the decision to withdraw separate representation for religious minorities.The members of the Constituent Assembly functioned with exemplary patience in a situation of extreme political urgency. They listened to each other, to similar, and at times, the same arguments, being presented again and again, in a sub-committee, then in the larger body, when specific provisions were being discussed, and again when the entire draft of the Constitution was discussed. In doing so, they taught the world what it means to live in a democracy and live by the idea of democracy.The issue before the special sub-committee was political safeguards for minorities. Hence, in his statement, Patel alluded to religious minorities.

Bangladesh’s resilience amid turmoil

Policymakers, basking under the success of the twin pillars of garments and remittances, have delayed serious economic reforms for the last 15 years.

Bangladesh has seen a sharp decline in projected economic growth after the recent upheavals stemming from the "Monsoon Revolution", leading to the replacement of former Prime Minister Sheikh Hasina's government with an interim administration led by Chief Adviser Muhammad Yunus. But the country has not plunged into an economic crisis, which may have surprised some people.Yet, those who have followed Bangladesh's development trajectory know better. Unlike Pakistan or Sri Lanka, which have struggled to maintain economic stability, Bangladesh has some solid sources of economic resilience — garments, remittances and decent social sector delivery mechanisms.The political protests in July and August 2024 and their aftermath have certainly had an impact. The uprising led to repression and violence, internet shutdowns and transport disruptions, among other issues. Communications with buyers were cut off for a while.All this affected the economic activity, with official estimates of the GDP showing a growth of only 1.8 per cent during the quarter July-September 2024. The World Bank, in its latest Bangladesh Economic Update, has reduced its base case GDP growth forecast for FY25 (Bangladesh's fiscal year is July to June) to 4 per cent, down from an annual average of about 6 per cent during the previous three years. The IMF forecast, at 3.8 per cent, is in the same range.While there is much uncertainty about the future, there are also positive sentiments around the firm action taken to repair the financial sector and expectations about other reforms related to governance and the investment climate.Thus, the FY26 growth is expected to bounce back to 5.5 per cent while the IMF projects an even higher 6.7 per cent.Notably, the recent White Paper on the State of the Bangladesh Economy has questioned, among other things, the reported growth rate of the economy in the last 15 years. However, the core arguments of this essay will remain largely unaffected by any resultant corrections that the current or future governments of Bangladesh may undertake.Steady export growth over the last two decades — driven by the garment industry — has been one pillar of the Bangladesh economy.This stands in contrast to Pakistan and Sri Lanka and has helped Bangladesh to preserve macroeconomic stability and lower its vulnerability to external shocks.Within exports, the readymade garments sector stands out, accounting for about 85 per cent of goods exports. Bangladesh remains the world's second largest exporter of garments, with exports valued at $38 billion in 2023.While the factory closures and communication disruptions did impact exports, the industry seems to be recovering quickly.In fact, over the period July to December 2024, garment exports rose by 13.3 per cent compared to July-December 2023, a number that does not suggest an industry in trouble!Bangladesh has strong fundamentals that enable it to dominate the low-cost apparel segment, including cost competitiveness, the ability to service large orders and longstanding engagement with global apparel brands. None of these is going to change.As an aside, India or, indeed, other South Asian countries, are not an alternative to Bangladesh in this sector. They simply do not have Bangladesh's factory scale and cost competitiveness. For example, India's apparel exports were a mere $15 billion in 2023.The other pillar of Bangladesh's economic resilience is its steady flow of remittances, which account for 4.7 per cent of the GDP.Remittances not only help stabilise the balance of payments but also contribute significantly to consumption and poverty reduction. This is especially critical for poor households, given that inflation has hovered around 9-10 per cent over the last two years.Despite the political upheaval or, perhaps, because of it (people send more money to their families when the need arises), remittances continued to grow at a rapid clip, rising 27.6 per cent during July-December 2024.Bangladesh's economic resilience has been accompanied by relatively strong social sector outcomes, where it outperforms India on several counts, including infant mortality, life expectancy, stunting, child immunisation and so on. Much of this performance can be credited to the country's robust non-governmental organisations, starting with BRAC, the world's largest NGO.Of course, this story of economic resilience is one side of the narrative. Bangladesh has some glaring limitations as well. They are reflected in, among other things, insufficient job creation — the underlying reason for the student protests.Policymakers, basking under the success of the twin pillars of garments and remittances, have delayed serious economic reforms for the last 15 years and more despite clarion calls by economists.

Now, for the good of Bangladesh and its people, these reforms should be urgently prioritised.

The policy package needs to promote export diversification, address banking sector vulnerabilities, increase tax collections, encourage foreign investment and improve the quality of education, all underpinned by a concerted effort to improve state capacity.Bangladesh is a resilient economy. It should be able to ride over its current travails and possibly emerge economically stronger if the current dispensation is able to kickstart some of the much-needed economic reforms.But Yunus has a delicate balancing act ahead: initiating some of the economic reforms; setting a timetable for elections, hopefully going back to a more neutral electoral arrangement (like a caretaker government); and doing this while retaining his administration's legitimacy and restoring social harmony.

It is in the interests of India, South Asia and, indeed, the global community that Bangladesh navigates this tricky transition successfully.

Trump unfettered

US President hits the ground running

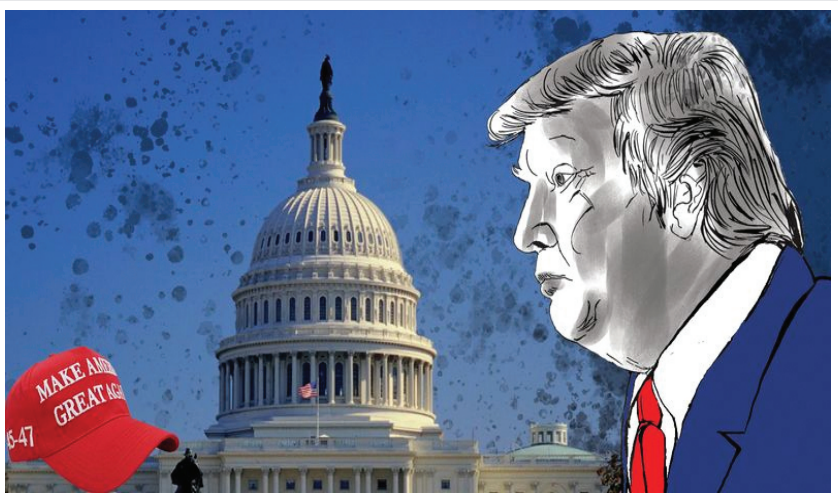

The much-dreaded turbulence has begun, and that too on the very first day of US President Donald Trump’s second term. In a tearing hurry to Make America Great Again, Trump bombarded his country and the rest of the world with a slew of executive orders on Monday. He withdrew the US from the World Health Organisation, alleging that the global agency had mishandled the Covid-19 pandemic. His own handling of the coronavirus catastrophe was dreadful — over 3,50,000 deaths were reported in the US in 2020, the final year of his first term — but those glaring lapses are of no consequence to him now. He has washed his hands of international collaboration to combat any future pandemic.

Trump also signed America’s withdrawal from the Paris climate agreement, whose main goal is to limit global warming to 1.5°C above pre-industrial levels. Last year ended as the planet’s hottest on record, and the target looks even more improbable now with the US jumping ship. But the US President couldn’t care less as he is himself adept at turning up the heat on any foe, real or imaginary. No wonder he has warned that 100 per cent tariffs will be imposed on countries of the BRICS bloc, which includes India, if they dare to dump the dollar.

If Trump is to be believed, America’s golden age has begun (any resemblance to India’s Amrit Kaal is purely coincidental). None will agree with him more than the 1,500-odd protesters who stormed the US Capitol on January 6, 2021, in a bid to prevent lawmakers from certifying his election defeat. The incident was a big blot on American democracy, but the President has chosen to reward his supporters for their loyalty by pardoning them. In stark contrast, there is bad news for those desperate to sneak into the US as Trump has declared illegal immigration at the US-Mexico border a “national emergency”. It’s America First for him — and the world must brace itself for the worst.

Rarest of the rare: A legal lottery on life and death

From a sessions judge’s pen to the hangman’s noose, there are many files and procedures that may delay or divert the ultimate execution of a death sentence.

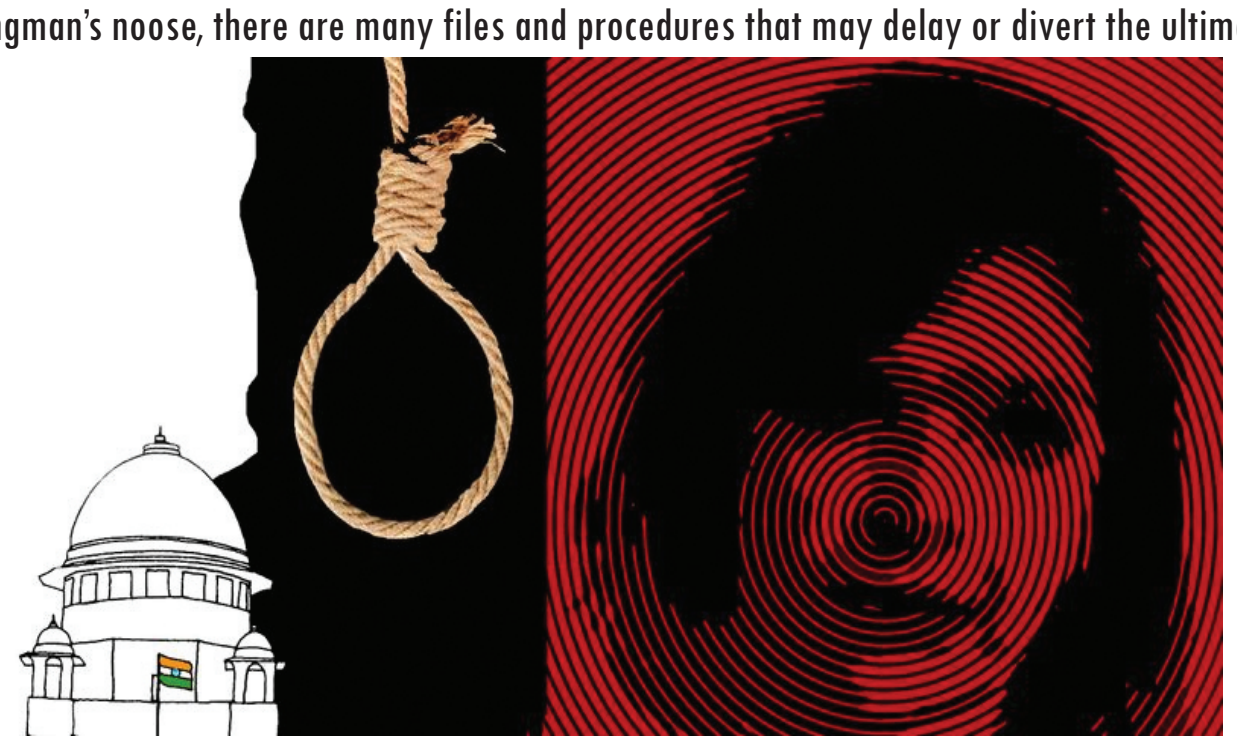

Justice Frankfurter of the US Supreme Court once wrote: "A phrase begins life as a literary expression; its felicity leads to its lazy repetition; and repetition soon establishes it as a legal formula, undiscriminatingly used to express different and sometimes contradictory ideas." The phrase, rarest of the rare, when applied to capital punishment cases, has suffered the same fate.On the day a court in Kerala ordered the death penalty for Greeshma, who had poisoned her boyfriend, a court in Kolkata ensured that Sanjay Roy, who was convicted of the rape and murder of a young doctor at Kolkata’s RG Kar Medical College and Hospital, escaped the noose.This brings us to the question of what exactly is a "rarest of the rare" case that warrants the death sentence. The phrase comes from the 1982 judgment of the Supreme Court in Bachan Singh vs Punjab, which upheld the constitutionality of death sentences. Justice RS Sarkaria, writing for the majority, concluded: "A real and abiding concern for the dignity of human life postulates resistance to taking a life through law's instrumentality. That ought not to be done save in the rarest of rare cases when the alternative option is unquestionably foreclosed."In the 40-odd years since the Bachan Singh judgment, the rarest of the rare formula has resulted in what judges have called a lethal lottery in executions. It is a rare sessions judge who resists the local outcry in cases that have attracted media attention.But a sessions judge's verdict of the imposition of the death penalty is subject to confirmation by a high court. Any death sentence so confirmed is invariably appealed to the Supreme Court.Even if such appeal is dismissed by the Supreme Court, the court has, by a judgment in the Mohammed Arif case, bound itself to orally hear for at least half an hour a review petition in open court.

It is only after every court option is closed that executive powers of remission and pardon are invoked.The presidential power of pardon has often been coloured by the incumbent of the office. Presidents APJ Abdul Kalam and Pratibha Patil were not inclined to reject pleas for mercy and simply refused to clear such files. President Pranab Mukherjee, however, went by ministerial advice and routinely signed clemency files without exercising any personal discretion.The decadal delay in disposing of clemency applications resulted in the Supreme Court interdicting several executions in the Shatrughan Chauhan case of 2014.

Thus, from a sessions judge's pen to the hangman's noose, there are a multiplicity of files and procedures that may delay or divert the ultimate execution of a death sentence.Faced with these vagaries, the Supreme Court came out with a third way in a case that I had argued for the prosecution. In the 2009 case of Swamy Shraddananda, Justice Aftab Alam, writing for a three-judge Bench, took note of the fact that many life sentences were commuted after 14 years of imprisonment. While a death sentence may not be warranted, 14 years was simply inadequate in particularly heinous murders.The judgment records: "A far more just, reasonable and proper course would be to expand the options and to take over what, as a matter of fact, lawfully belongs to the Court, ie the vast hiatus between 14 years' imprisonment and death. It needs to be emphasised that the Court would take recourse to the expanded option primarily because in the facts of the case, the sentence of 14 years' imprisonment would amount to no punishment at all."It is in the above background of Supreme Court judgments that one must read and applaud Judge Anirban Das, who ruled, "Given these considerations, it would be inappropriate to accede to the prosecution's request for the death penalty. While acknowledging the immense grief and suffering of the victim's parents, for which no sentence can provide complete solace, the court's duty is to pass a sentence that is proportionate, just and in accordance with established legal principles. In conclusion, this case calls for a carefully considered and appropriate sentence that balances the gravity of the crime with the principles of justice, rehabilitation and the preservation of human dignity. The court must resist the temptation to bow to public pressure or emotional appeals and instead focus on delivering a verdict that upholds the integrity of the legal system and serves the broader interests of justice."Following an announcement by Chief Minister Mamata Banerjee, the West Bengal government has approached the Calcutta High Court, seeking imposition of the death sentence to Sanjay Roy.In the Kerala case, the death sentence awarded to Greeshma will be subject to a reference to the high court. I would be surprised if the life of either accused ultimately ended on the hangman's noose.

But then, the lethal lottery of life and law has its own way of surprising practitioners and petitioners alike.

Sensex, Nifty open higher tracking Asian markets; energy stocks gain

New Delhi. Benchmark stock market indices opened higher on Friday due to gains in Asia, but modest Q3 earnings have kept the volatility intact on Dalal Street.

The S&P BSE Sensex was up 204.76 points to 76,725.14 at 9:17 am, while the NSE Nify50 was trading 64.15 points higher at 23,269.50.

The other broader market indices were trading marginally higher as high volatility continued to keep investors on the edge.While most of the Nifty sectoral indices were trading in positive territory, none registered a big gain in early trade. On the other hand, Nifty Pharma was down over 1.5%.

The top gainers on the Nifty50 were BPCL, Powergrid, Shriram Finance, Coal India, NTPC and Tata Steel.Pharma stocks such as Dr Reddy's, Apollo Hospitals, Sun Pharma, Cipla were among the top losers.Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said, "Nifty may face a volatile session today, with a strong chance of closing below the psychological 23000 mark as uncertainty around President Donald Trump's tariff plans persists."'Technically, Nifty is trading well below its 200-day moving average of 23982, and a bearish pattern continues to emerge on the daily charts. Major headwinds include record outflows from Foreign Institutional Investors, amounting to Rs. 66,321.70 crores this January, and ongoing tariff threats," he added.

He advised market investors to keep an eye on key upcoming events, like the FOMC meeting and the Union Budget as they can influence market direction."Among stocks, UltraTech Cement surged 7% despite a 17% profit decline, while KEI Industries reported strong earnings. Also, watch out for Q3 results from JSW Steel, DLF, and Indigo today," he added.Meanwhile, Dr VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, indicated that foreign institutional investors (FIIs) will continue to sell, putting pressure on large-cap banking stocks.

Capex allocation may not rise much

NEW DELHI. Mansukh Mandaviya, Minister of Labour and Employment, recently said India must increase allocation for infrastructure spending to Rs 15 lakh crore from the present Rs 11.11 lakh crore.

However, given the fiscal constraints and the likely inability of the government to fully spend the Rs 11.11 lakh crore allocation for capital expenditure (capex) in the current financial year, it is unlikely that the government may hike capex allocation much in the coming budget. Most analysts expect capex allocation to rise by 10-12% over actual capex in FY25.Analysts have projected the capex allocation for FY26 in the budget to be at the same level as was budgeted for the current financial year – Rs 11.11 lakh crore. Some of them have even lowered the capx allocation to below current year's budget target -- the reason being sharp fall in Capex spending in FY25 by the central government.

Rating agency ICRA expects the capex allocation for FY26 to be Rs 11 lakh crore, Nomura pegs the capex allocation at Rs 10.7 lakh crore. Morgan Stanley estimates capex allocation in the budget to be Rs 11.2 lakh crore. Aditi Nayar, chief economist, ICRA Ratings says: "…a likely dip in revenue deficit would allow for a capex target of Rs 11 lakh crore for FY26, similar to budget estimate for FY25, albeit 12-13% higher than expected outgo in FY25 (Rs 9.7 lakh crore)Nayar's capex allocation estimate is based on actual capex spends of Rs 9.7 lakh crore against budget target of Rs 11.11 lakh crore. There are reasons for her understating FY25 actual capex spends by Rs 1.4 lakh crore. The government has been slow in spending the amount allocated for capex.

US sanctions start to impact supplies from Russia

NEW DELHI. The US sanctions on Russian oil sector have started to show impact on India's near-term oil flows with state-owned Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL) saying not enough cargoes are available from Russia for March 2024.

BPCL Director (Finance) Vetsa Ramakrishna Gupta stated during an analyst call on Thursday that BPCL had booked Russian crude for January and February, but for March, "We are not getting sufficient cargoes."He also noted that Russian oil's share in the company's overall crude oil basket has decreased to 20% in March from 31% in the October-December quarter.At the start of the current financial year in April 2024, Russian oil accounted for 34-35% of BPCL's processed oil. This significant share was primarily due to Russian crude being available at a discount to other internationally traded oil, resulting from the price cap and European country's shunning purchases from Moscow. Gupta mentioned that the discounts on Russian oil have narrowed to $3-3.2 per barrel from $3.5-4 at the start of the current financial year and $8.5 in the 2023-24 financial year.

Gupta assured that there is enough oil available in the market and the company would explore alternative sources such as the Middle East to replace the lost volumes from Russia. Russia accounted for just 0.2% of India's total oil imports in the year ending March 31, 2022.

However, India became the second-largest buyer of Russian crude oil after Moscow invaded Ukraine in February 2022, with purchases rising to almost 40% of the country's total oil purchases.The US imposed sweeping sanctions targeting the Russian energy sector on January 10, including sanctions on oil producers Gazprom Neft and Surgutneftegas and curbs on various entities involved in Russian energy exports.This month India has decided to avoid deliveries made by tankers sanctioned by the US in the latest round.

Explained: Why Dr Reddy's share price cracked 6% in early trade

Dr Reddy's Laboratories Stock Price: Dr Reddy's shares tumbled up to 6% in early trade and at 9:46 am, they were trading 4.35% lower at Rs 1,233.25 on the Bombay Stock Exchange (BSE).

New Delhi. Shares of Dr Reddy's Laboratories fell sharply in early trade as investors turned cautious after the company reported its third quarter results. The pharma company's shares tanked up to 6% in early trade, and at around 9:46 am, they were trading 4.35% lower at Rs 1,233.25 on the Bombay Stock Exchange (BSE).The drop in the company's share price came despite earnings managing to marginally beat street expectations. It's worth noting that the concerns largely centered on declining revenue from Revlimid, which is a cancer drug that has been a strong growth driver for the company in recent years.Revlimid's revenue contribution has slowly started declining, with its patent expiry set for January 2026. This means Dr Reddy's will need to find new revenue streams soon. Another factor that led to today's decline was the drug's shrinking margins.While the management outlined long-term growth strategies, analysts remained divided on their future strategy.

WHAT DO BROKERAGES SAY?

Analysts at brokerage firm HSBC said they remain cautious about Dr Reddy's. While the launch of Semaglutide in Canada in early 2026 might provide some relief, HSBC said it may not be enough to fully compensate for the anticipated loss of Revlimid revenue.

The brokerage maintained a 'Hold' rating with a price target of Rs 1,250.Nuvama Institutional Equities shared a more optimistic view, adding that a combination of Abatacept and Semaglutide could help the company retain a big chunk of its Revlimid earnings. The brokerage reiterated its 'Buy' call with a price target of Rs 1,533.Meanwhile, JM Financial pointed out that the market may be underestimating Semaglutide's potential. With its launch slated for Canada and 18 other markets by CY26, JM Financial sees Dr Reddy's as well-positioned among generic players to capitalise on this opportunity.

The brokerage set a target price of Rs 1,753 on Dr Reddy's stock.

Dr Reddy's Q3 Results

For the October-December quarter, Dr Reddy's reported a 2% year-on-year rise in net profit to Rs 1,413 crore. Revenue surged 16% year-on-year to Rs 8,359 crore.However, oerational challenges rose as pricing pressure in the US market and the fall in Revlimid revenue took a toll on margins, with the EBITDA margin shrinking to 27.5% from 29.3% a year ago.

Perplexity AI CEO calls Nandan Nilekani 'awesome' but his AI stance 'wrong'

New Delhi Shares of Cyient tumbled as much as 20% to hit a 52-week low after it reported Q3FY25 results. At around 11:08 am, the IT stock was down 18.54% to Rs 1,427.90 on the Bombay Stock Exchange (BSE).A major reason that contributed to the sharp decline in its share price was the resignation of its CEO Karthikeyan Natarajan, which led to greater concerns among brokerages.HDFC Institutional Equities said the resignation of Natarajan as CEO came as a "negative surprise".

WHY DID KARTHIKEYAN NATARAJAN RESIGN?In an exchange filing, the company informed about the resignation of Natarajan and attached his letter addressed to the board of directors."I am writing to formally tender my resignation after careful consideration as Executive Director and Chief Executive Officer of the company...to explore new challenges and opportunities that align with my personal and professional goals," Natarajan said.Natarajan said he is proud of the company's achievements over the last five years, both financially and in the direction of pivoting the company towards "technology solution-led innovation."He went on to say that the company is "stronger than ever before," highlighting the key milestones achieved set during his tenure."I feel it is the right time to hand over the reins for the next phase of growth. I am truly thankful for the trust and support extended to me by the board, my colleagues, and all stakeholders," he said.

CYIENT Q3 RESULTS

Cyient reported a 16.92% year-on-year (YoY) drop in net profit and a sharper 31.71% decline quarter-on-quarter (QoQ), raising concerns among investors about its financial performance.The IT company's revenue from operations increased marginally by 4.2% YoY to Rs 1,926.4 crore.While operating income rose slightly by 0.81% YoY, it fell 8.37% QoQ, signalling stable year-on-year performance but some amount of quarterly pressure.

Earnings per share (EPS) for Q3 stood at Rs 11.02, marking a decline of 34.29% YoY.

HUL to acquire stake in Minimalist for Rs 2,670 crore; Peak XV bags 10X gains

New Delhi HUL (Hindustan Unilever Limited) announced the acquisition of Minimalist, the D2C skincare brand, for Rs 2,670 crore, making it one of the biggest acquisitions in the country's startup ecosystem.

Mohit Yadav and Rahul Yadav, founders of Minimalist said, "Now, with HUL's robust offline distribution network, we look forward to making our products even more accessible across the country. This partnership also paves the way for our expansion into international markets helping us realise our dream of taking Minimalist to the world".Venture capital firm Peak XV Partners is set to receive a return on investment of ten times, as per various media reports. The VC giant acquired a 27.5% stake in Minimalist in 2019, and is expected to earn a profit amounting to Rs 800 crore from its Rs 80 crore investment in the firm.HUL is purchasing a 90.5% stake in the starup for Rs 2670 crores, valuing Minimalist at Rs 2,955. Further, HUL will invest approximately Rs 45 crore directly into Minimalist.

After the deal is completed in the first quarter of FY26, the startup will see multiple exits.

Minimalist's founders, Rahul Yadav and Mohit Kumar Yadav, Peak XV, and Surge, which provided the seed investment, along with Twenty Nine Capital Partners will exit the startup.

It is expected that the co-founders of Minimalist will sell 57.35% of their stake for nearly Rs 1,500 crore.Also, in two years, the remaining 9.5% of Minimalist would be purchased by HUL. Minimalist's founders will supervise the startup's operations for the next two years.

Minimalist was founded in 2020, and carries out its sales through its own online platform and e-commerce platforms such as Amazon, Nykaa, Flipkart, and Myntra.

"Minimalist has been built on robust fundamentals and has delivered profitable growth since inception. The business has rapidly scaled to cross an Annual Revenue Runrate (ARR) of Rs 500 cr in a short span of 4 years," said HUL.

Rohit Jawa, CEO and Managing Director, HUL said, "We are delighted to welcome Minimalist into the HUL family. This acquisition is another key step to grow our Beauty & Wellbeing portfolio in high-sgrowth premium demand spaces. Mohit, Rahul and the team have created a great brand built on science, product efficacy and transparency."

Cyient share price falls 20% to hit 52-week low. What triggered Friday's crash

New Delhi. Information technology (IT) company Cyient's share price tumbled sharply in early trade on Friday to hit a 52-week low as brokerages cut estimates after its Q3FY25 results.At around 10:21 am, shares of Cyient were down 17.96% to Rs 1,438 on the Bombay Stock Exchange (BSE). In early trade, shares of the IT company fell as much as 20% to hit a 52-week low of Rs 1,402.25.Today's crash in its share price comes after the company cut its FY25 revenue growth guidance again to minus 2.7%. It net profit also dropped 32% quarter-on-quarter (QoQ) in the third quarter.The stock was also hit by the resignation of CEO Karthikeyan Natarajan.Following the developments, analysts have also cut earnings estimates and target prices for Cyient.Brokerage firm Nuvama noted that the Cyient management started off FY25 with a high single-digit revenue growth guidance. However, it has repeatedly cut the guidance, which is now at minus 2.7%."The weak exit rate also impacts growth prospects for FY26. We remain negative on Cyient even as inexpensive valuations limit the downside potential," the brokerage said.Nuvama has also cut its FY25 and FY26 earnings per share (EPS) estimates for Cyient sharply by 10.8% and 4.5%, respectively, citing lower growth and margins.The brokerage firm has revised its target price to Rs 1,660 from Rs 1,700 earlier.HDFC Institutional Equities also raised concerns about the cut in revenue guidance, weak exit margin and CEO's resignation. The brokerage cut its revenue estimate by 2% and earnings per share (EPS) by 5%, citing slower growth and weak margins.

However, the brokerage maintained its 'Add' rating with a target price of Rs 1,790.It may be noted that Cyient shares have been going through a rough patch due to multiple guidance cuts. The share price of the company has fallen over 20% since the beginning of 2025, over 24% in the past six months and over 30% in a year.

NPAs may rise 25% in this and next fiscals over FY24 on rising stress in unsecured retail books

Rapid growth in retail lending in recent years, particularly in unsecured loans, has increased medium-term risks, according to rating agency Fitch.

NEW DELHI. The increasing stress levels in unsecured retail loan books of banks can spiral out of control and create asset quality risks this fiscal to the tune of 25 percent over the past fiscal's level, the international rating agency Fitch has warned.Private sector banks like HDFC Bank, Kotak Mahindra Bank among other which have declared their Q3 earnings have reported massive spike in their retail, agriculture and MFI books."We forecast the banks' impaired-loan ratio to fall by 40 bps to around 2.4% for the current financial year and by another 20 bps next fiscal, despite expecting new bad loans in FY25 and FY26 to be around 25 percent higher than in FY24" Fitch Ratings said in a report Thursday.

Rapid retail lending growth in recent years, particularly unsecured loans, has heightened medium-term risks, the agency said, adding "however, we still expect the impaired-loan ratio to fall in FY25 and FY26, driven by robust loan growth, as well as recoveries and write-offs, which are expected to offset the increase in fresh bad loans."

The Reserve Bank expects the impaired-loan ratio to trough in FY25 before rising to around 3 percent in FY26, from the 2.6 percent in the first half of FY25.

"We believe the difference from our forecast partly reflects variance of opinions on the timing and extent of risk crystallisation, banks' exposure at risks, loan growth and the country' overall economic performance," the agency said.Unsecured personal loans and credit card borrowings grew at 22% and 25 percent, respectively, in each of the past three years to FY24, but slowed to 11 percent and 18 percent, respectively in the first half of the current fiscal, after the RBI hiked the risk weights attached to unsecured lending by 25 percentage points in November 2023.

Although household debt remains low compared to many Apac emerging markets, at 42.9 percent of GDP as of June 2024, stress in unsecured retail loans has been rising, making up roughly 52 percent of new bad retail loans in the first half of this fiscal.

The impact of defaults on unsecured loans can be amplified as around 50% of borrowers reportedly hold at least one other, often high-value secured retail loan, such as a housing or vehicle loan, which could also be affected in the event of default, the report said.Currently, lending stress appears to be concentrated in unsecured personal loans of under Rs 50,000."Large banks' exposure to such riskier loans may be proportionally lower than the system's, but they are not completely insulated, given their high loan growth appetite and increased digital lending in recent years. Banks may also have indirect exposure through funding to non-banks and fintechs, which are more exposed to low-income borrowers. Low-income borrowers, or those without income disclosure, constitute slightly over one-third of the system's outstanding consumer credit," the report said, adding this fast emerging risks could spill over to the higher income categories in a market downturn, given the correlation between rapid unsecured personal loan growth and increased retail participation in financial markets since FY20.

The report said exposure to unsecured personal and credit card loans banks it rates ranges between 2 percent and 15 percent of total loans. Accelerated write-offs, particularly private banks that are more aggressive lenders to this segment, likely played a role in keeping the bad-loan ratio in this segment muted at 1.7 percent in the first half of this fiscal, compared to the overall retail bad loan ratio of 1.2 percent, which includes lower-risk housing and vehicle loans, the report concludes.

Delhi High Court denies pre-arrest bail to woman accused of assaulting husband

While delivering the order, Delhi High Court said that the empowerment of one gender and protection of it cannot come at the cost of fairness towards another.

- Court stresses gender-neutrality in life-threatening cases
- Says justice system must not create special leniency based on gender
- Stereotypes about male victims can hinder justice, says court

New Delhi. Denying anticipatory bail to a woman accused of pouring boiling water mixed with red chilli powder on her husband while he was sleeping, the Delhi High Court on Wednesday said that criminal law is gender-neutral when it comes to life-threatening bodily injuries. "The hallmark of a fair and just justice delivery system is to remain gender-neutral while adjudicating cases of such nature as the present one," Justice Swarana Kanta Sharma observed, saying that a special class cannot be created for a woman, in case she causes such injuries.

"Crimes involving the infliction of life-threatening bodily injuries must be dealt with firmly, irrespective of whether the perpetrator is a man or a woman, since the life and dignity of every individual, regardless of gender, are equally precious," the court pointed out.

The notion that in marital relationships, only women suffer physical or mental cruelty without exception, may be contrary to the hard realities of life in many cases, the court noted, adding that courts cannot adjudicate the cases before them, on the basis of stereotypes.

Empowerment of one gender and protection of it cannot come at the cost of fairness towards another. Just as women deserve protection from cruelty and violence, men are also entitled to the same safeguards under the law. To suggest otherwise would violate the very basic principles of equality and human dignity, the Delhi High Court judge asserted as grounds for denying bail to the accused woman.

"Men who are victims of violence at the hands of their wives often face unique difficulties, including societal disbelief and the stigma associated with being perceived as a victim. Such stereotypes perpetuate the erroneous belief that men cannot suffer violence in domestic relationships," said the court's January 22 judgement.

The high court dismissed the woman's plea for leniency on the ground of her gender and refused to create a "special class of leniency for one gender". "No ground for grant of anticipatory bail is made out," it maintained.

Brought process efficiency in our country: Bhutan poll chief on India-made EVMs

Bhutan's Chief election commissioner Dasho Sonam Topgay said that EVM won the people's trust in his country.

New Delhi. Bhutan's Chief election commissioner Dasho Sonam Topgay on Thursday said the electronic voting machines provided by India have brought process efficiencies during polls in his country.

Speaking at an international conference of election management bodies organised by Election Commission here, he said the EVMs have won the trust of the people in Bhutan. Thanking India for providing the EVMs, he lauded the process efficiencies brought in by the machines since their use in the elections in that country.

Speaking on digital IDs, Topgay said Bhutan has a biometric Unified National ID which is used for voter authentication.Bhutan is exploring the possibility of online voting in future elections, he told the gathering.Besides Bhutan, a limited number of Indian EVMs are used in Nepal and Namibia, EC functionaries said.

Public undertakings BEL and ECIL produce EVMs for the Election Commission. In the Lok Sabha polls held last year, the EVMs crossed an important milestone of being used in five parliamentary polls since 2004.

MF Hussain painting row: Court dismisses plea seeking case against art gallery

New Delhi. Delhi's Patiala House Court on Thursday dismissed a plea seeking FIR against the Delhi Art Gallery and its directors for displaying two controversial paintings created by celebrated painter MF Husain on Hindu deities.The court had, on Wednesday, reserved the order on the application filed by lawyer Amita Sachdeva.

On Thursday, the court said that it is settled law that the magistrate has the power to direct the police to register a case and investigate the matter, but this power is to be exercised judiciously and not in a mechanical manner.

All the facts and circumstances of the case are within the knowledge of the complainant, it added. CCTV footage of the Delhi Art Gallery, the network video recorder (NVR) and the paintings in question have already been seized.In the court's considered opinion, no further investigation and collection of evidence is required on the part of the investigating agency at this stage, as all the evidence is in the possession of the complainant as well as on record.The court issued a notice to the proposed accused persons stating that the matter will now be proceeded as a complaint case.

It was maintained in the inquiry report that the exhibition was held in a private space and the said paintings were only to display the original work of authors/artists. On December 18, the court allowed an application filed for production and preservation of CCTV footage from all the cameras installed at the exhibition gallery located at 22A, Windsor Place, Connaught Place, New Delhi.

The investigation officer was directed to preserve the CCTV footage of December 4, 2024 between noon and 01.00 pm and produce the same before the court on the same date. The complainant, Amita Sachdeva, had earlier, through a social media post, said that she clicked photos of offensive paintings at the Delhi Art Gallery and also filed a complaint.

Did not take him to hospital, reached after call: Saif Ali Khan's family friend

New Delhi. Safi Ali Khan's family friend Afsar Zaidi on Thursday brushed aside reports that he was the one who took the actor to the hospital on the night of the stabbing incident. He said he arrived at the medical facility only after the Pataudi family called him.

On January 16, Zaidi received a call at around 3:30 am from the family members of Saif Ali Khan to come to Lilavati hospital as the actor was being admitted. Saif was stabbed six times by an intruder during an attempted robbery at his Bandra residence. Zaidi reached the hospital at around 4 am and completed the admission formalities for the treatment of Saif by filling up a mandatory form, at the behest of the Pataudi family.

A patient admission form filled for Saif Ali Khan at the Lilavati Hospital accessed by India Today showed details of the injuries the Bollywood star suffered. However, it also had Afsar Ziaidi's name in the 'brought to the hospital by' field and relation as "friend". This may be because Saif's son Taimur, being a child, was not capable of filling up the form by himself. As per what Taimur's former nanny Lalita D'Silva told India Today in an interview, her friend, who works as a nurse in Lilavati Hospital, had told her that the 8-year-old boy had come along with Saif Ali Khan, which was later confirmed by the doctors as well. "Both of them were alone. It really shocked me that little Taimur took his father to hospital. At his age, the child's mindset is so strong, that's unimaginable," she said. The details furnished in the admission form further said that bed no. 1112 was allotted to Saif upon his admission at around 4.11 am on January 16. The patient was subjected to "assault by an unknown person at 2:30 am while at home in Bandra, sustaining multiple laceration wounds and bleeding," it added.

Police launch AI chatbots to aid personnel in election duties

The AI Chatbot can be accessed easily through a dedicated link and QR code, ensuring swift and seamless usage by police personnel on the ground.

NEW DELHI. With the aim to assist its police personnel and paramilitary forces with their election-related duties, the Delhi Police has introduced two AI-driven chatbots, 'Chunav Mitra' and 'Cyber Sarthi,' police said on Thursday.

"This AI Chatbot is available in both Hindi and English, aiming to ensure smooth and efficient execution of election-related duties by all security personnel (Delhi Police and CAPFs)," said Special Commissioner of Police (Crime) Devesh Chandra Srivastava.

Divulging more details, the Special CP said that Chunav Mitra' promptly disseminates key instructions and guidelines issued by the Election Commission of India (ECI) and the Delhi Police, for the smooth and peaceful conduct of the election process. "It provides quick and easy access to important guidelines, rules and directives. It acts as a vital tool for field officers, requiring immediate reference on a real-time basis while on duty. Whereas, 'Cyber Sarthi' focuses on providing robust cyber security guidelines, ensuring the safe use of digital platforms and tools by police personnel during their assignment," said the officer.

The officer further said that the AI Chatbot can be accessed easily through a dedicated link and QR code, ensuring swift and seamless usage by police personnel on the ground.

These applications were developed under the guidance of Delhi Police Commissioner Sanjay Arora to ensure seamless election management, said the Special CP.

The police have increased the usage of AI tools in their work. Last November, cops used a facial recognition system (FRS) to search a man who had allegedly snatched a woman's phone in Sarai Rohilla. The FRS is a database of 2.5 lakh criminals and is used to match the face of a suspect with the records in the database. Till December 2024, it has helped police successfully identify 407 people with criminal records.

'AAP used liquor firms to fund polls'

NEW DELHI. The Congress intensified its attack on the AAP on Thursday. The party dubbed AAP as "Alcohol Affected Party" and accused it of accepting money from liquor companies to fund its election campaigns and political activities.

The party alleged that the AAP leadership, including former CM Arvind Kejriwal, was involved in a multi-state liquor scam spanning from Delhi to Hyderabad. Delhi Congress leaders released an audio clip allegedly featuring AAP's Narela MLA Sharad Chauhan's voice. In the clip, Chauhan purportedly opposed the now-withdrawn excise policy during a conversation with former deputy CM Manish Sisodia.

Congress spokesperson Pawan Khera said the clip revealed Chauhan raising objections to the policy, only for Sisodia to respond that the excise policy was necessary to generate funds for elections in Gujarat, Goa, and Punjab.Chauhan was also heard saying that funds for Delhi elections were coming from Punjab, he added. "Delhi voters no longer trust someone who managed a liquor scam to provide education to their children. Alcohol addiction harms families, and the greed to earn money through alcohol sales has devastated lives. AAP has tarnished Delhi's world-class infrastructure," Khera stated. Delhi Congress chief Devender Yadav reiterated that the Congress was the first to expose the Rs 2,000 crore liquor scam and file an FIR that led to the arrest of AAP leaders. He claimed the scam provided money-making opportunities to AAP's close associates.

Yadav also alleged that youth and men had fallen into addiction due to these policies, claiming that at one point, the government offered "two free bottles of liquor with the purchase of one."

MCOCA: Delhi HC to decide on bail plea of Naresh Balyan

According to the police, Balyan utilised agreements in the name of Umed Singh, an absconding associate, to manipulate properties into disputed status.

NEW DELHI. Days after the high court issued notice to the police on the bail plea of AAP MLA Naresh Balyan, the investigators, in its reply, said the legislator conspired with absconding persons to dispute legitimate property transactions, threatening rightful owners into selling properties at undervalued rates for financial gains.

While opposing Balyan's bail plea, the Delhi Police, in its reply, detailed the alleged activities of Balyan and his associates, including Kapil Sangwan, alias Nandu, who is reportedly the leader of a crime syndicate.

According to the police, Balyan utilised agreements in the name of Umed Singh, an absconding associate, to manipulate properties into disputed status. Statements from public witnesses and audio recordings allegedly capturing conversations between Balyan and Sangwan have been submitted as evidence. Voice samples of Balyan were obtained and sent to the Central Forensic Science Laboratory for verification.

The investigation also uncovered that Kapil Sangwan, believed to be abroad, has been leading the syndicate in extortion and violence across Delhi. The police stated that Sangwan's luxurious lifestyle abroad suggests the proceeds of these crimes are being utilised internationally. Senior Advocate Vikas Pahwa, representing Balyan, argued that the charges were politically motivated.

BJP steps up Purvanchali outreach

The ruling AAP has relied on the support of Purvanchali people in the last two elections for the 70-member Delhi assembly.

NEW DELHI. Delhi is home to nearly 17% of its total people, who have settled from the Purvanchal regions, including Uttar Pradesh and Bihar, and their presence directly impacts the poll results in 35-40 assembly constituencies.The ruling AAP has relied on the support of Purvanchali people in the last two elections for the 70-member Delhi assembly. However, this time, the BJP has devised a plan to appeal to voters who migrated from eastern UP, Bihar, and other states such as Jharkhand.

To increase its outreach to Purvanchali voters, the BJP's central leadership has assembled teams of nearly 100 prominent leaders from Bihar and Uttar Pradesh for extensive campaigning in areas with large Purvanchali populations.

Harish Dwivedi, a senior BJP leader from eastern UP, has been tasked with deploying these leaders across Delhi to connect with Purvanchali voters. The BJP has allocated two seats to its NDA allies, JD(U) and LJP(RV), under coalition politics, with leaders from these parties also participating in the ground campaign in areas with significant Purvanchali voter bases. According to a senior BJP source, the migrant Purvanchali voters are being targeted through door-to-door campaigns as they hold considerable influence in more than 35-40 assembly constituencies.

In addition to voters from UP and Bihar, the BJP leadership has engaged senior leaders from other states — Jharkhand, Maharashtra, Odisha, and Assam — to reach out to voters from these regions as well. "In total, more than 185 leaders, including 100 from UP and Bihar from these states, have been deputed," said a BJP senior leader. The party has also fielded several Purvanchali candidates in Laxmi Nagar, Sangam Vihar, Vikaspuri and Kiradi.

Dwivedi, also the Assam BJP in-charge, held a meeting on Thursday with leaders from Purvanchal regions at the party headquarters, with BL Santosh and Tarun Chugh reportedly in attendance."The leaders from Purvanchal areas are engaging with people, particularly in areas that have been strongholds for AAP," remarked a BJP leader. NDA allies Nitish and Chirag roped in as well

The BJP has allocated one seat each to JD(U) and LJP(RV), under coalition politics, with leaders from these parties also participating in the ground campaign in areas with significant Purvanchali voter bases. According to a senior BJP source, the migrant Purvanchali voters are being targeted through door-to-door campaigns as they hold considerable influence in more than 35 to 40 assembly constituencies.

'AAP can no longer take support base for granted'

A leader from Bihar, speaking on condition of anonymity, said that voters from the state, who had previously been influenced by AAP's promises of free electricity and other freebies, have recently shifted their allegiance.

"We are educating them on how AAP leaders, including Kejariwal, insulted them during the COVID-19 crisis. The AAP cannot take its support base for granted anymore," he added.

More than 250 Bangkok schools close over air pollution

THAILAND. More than 250 schools in Bangkok were closed on Thursday due to pollution, authorities said, as officials urged people to work from home and restricted heavy vehicles in the city.Seasonal air pollution has long afflicted Thailand, like many countries in the region, as colder, stagnant winter air combines with smoke from crop stubble burning and car fumes.Level of PM2.5 pollutants -- cancer-causing microparticles small enough to enter the bloodstream through the lungs -- hit 122 micrograms per cubic metre.The World Health Organization recommends 24-hour average exposures should not be more than 15 for most days of the year.Bangkok authorities said earlier this week schools in areas with elevated levels of PM2.5 could choose to close.And by Thursday morning, 194 of the 437 schools under the Bangkok Metropolitan Authority had shut their doors, affecting thousands of students.st since 2020, when all schools under BMA authority closed over air pollution.Another 58 schools out of the 156 under the Office of the Basic Education, a central government body, had also decided to close by Thursday.

There are several other schools in the capital under different authorities, and private establishments, but figures for them were not available.

Children are especially vulnerable to the impacts of air pollution, but rights advocates warned that closures disproportionately affect the most vulnerable students.

After Trump withdrawal order, UN says US to exit WHO by January 2026

World. The United States will leave the World Health Organisation on January 22, 2026, the United Nations said on Thursday, after being formally notified of the decision by President Donald Trump, who has accused the agency of mishandling the pandemic and other international health crises.Trump announced the move on Monday, hours after he was sworn in for a second four-year term. The WHO said on Tuesday that it regretted the move from its top donor country.Trump must give a one-year notice of US withdrawal from the Geneva-based body and pay Washington's dues under a 1948 joint resolution of the US Congress.The United States is by far the WHO's biggest financial backer, contributing around 18% of its overall funding. WHO's most recent two-year budget, for 2024-2025, was USD 6.8 billion. It was not immediately clear how much the US owes.

"I can confirm we have now received the US letter on the WHO withdrawal. It is dated January 22, 2025. It would take effect a year from yesterday, on January 22, 2026," said deputy UN spokesperson Farhan Haq.The US departure will likely put at risk programs across the organisation, according to several experts inside and outside the WHO, notably those tackling tuberculosis, the world's biggest infectious disease killer, as well as HIV/AIDS and other health emergencies.The withdrawal order signed by Trump said the administration would cease negotiations on the WHO pandemic treaty while the withdrawal is in progress.

Living in a cage': Checkpoints in Israel-occupied West Bank proliferate after Gaza ceasefire

TAYBEH. Father Bashar Basiel moved freely in and out of his parish in the occupied West Bank until Israeli troops installed gates at the entrance of his village Taybeh overnight, just hours after a ceasefire began in Gaza.

"We woke up and we were surprised to see that we have the iron gates in our entrance of Taybeh, on the roads that are going to Jericho, to Jerusalem, to Nablus," said Basiel, a Catholic priest in the Christian village north of Ramallah.

All over the West Bank, commuters have been finding that their journey to work takes much longer since the Gaza ceasefire started."We have not lived such a difficult situation (in terms of movement) since the Second Intifada," Basiel told AFP in reference to a Palestinian uprising in the early 2000s.He said he was used to the checkpoints, which are dotted along the separation barrier that cuts through much of the West Bank and at the entrances to Palestinian towns and cities.

Progress made on massive fire north of Los Angeles as new blazes ignite in southern California

LOS ANGELES. Evacuation orders were lifted Thursday for tens of The Palisades Fire was more than three-quarters contained, and the Eaton Fire was 95% under control Thursday. The two fires have killed at least 28 people and destroyed more than 14,000 structures since they broke out Jan. 7.Rain was expected to start Saturday, according to the National Weather Service. Officials welcomed the wet weather, but crews also were shoring up hillsides and installing barriers to prevent debris flows as residents returned to the charred Pacific Palisades and Altadena areas.

The California fires have overall caused at least $28 billion in insured damage and probably a little more in uninsured damage, according to Karen Clark and Company, a disaster modeling firm known for accurate post-catastrophe damage assessments.On the heels of that assessment, California Republicans are pushing back against suggestions by President Donald Trump, House Speaker Mike Johnson and others that federal disaster aid for victims of wildfires should come with strings attached.The state Legislature approved a more than $2.5 billion fire relief package Thursday, in part to help the Los Angeles area recover from the fires.

Trump plans to travel to the state to see the damage firsthand Friday, but it isn't clear whether he and Democratic Gov. Gavin Newsom will meet during the visit.thousands as firefighters with air support slowed the spread of a huge wildfire churning through rugged mountains north of Los Angeles, but new blazes erupted in San Diego County, briefly triggering more evacuations.Southern California is under a red flag warning for critical fire risk through Friday.

The area has been facing constant challenges in controlling the fires, as dangerous winds gained strength again Thursday.The Hughes Fire broke out late Wednesday morning and in less than a day charred nearly 16 square miles (41 square kilometers) of trees and brush near

Castaic Lake, a popular recreation area about 40 miles (64 kilometers) from the devastating Eaton and Palisades fires that are burning for a third week.Crews made significant progress by late afternoon on the Hughes Fire, with more than one-third of it contained.Two new blazes were reported Thursday in the San Diego area. Evacuations were ordered but were later lifted after a brush fire erupted in the late afternoon in the wealthy enclave of La Jolla near the University of California, San Diego, School of Medicine.

Further south, near the U.S.-Mexico border, another blaze was quickly spreading through the Otay Mountain Wilderness, home to the endangered Quino checkerspot butterfly and other unique species.

In Ventura County, a new fire briefly prompted the evacuation of California State University Channel Islands in Camarillo. Water-dropping helicopters made quick progress against the Laguna Fire that erupted in hills above the campus of about 7,000 students.

The evacuation order was later downgraded to a warning.Rain is forecast for the weekend, potentially ending Southern California's monthslong dry spell. Winds are also not as strong as they were when the Palisades and Eaton fires broke out, allowing for firefighting aircraft to dump tens of thousands of gallons of fire retardant.

That helped the fight against the Hughes Fire in the Castaic area north of Los Angeles, allowing helicopters to drop water, which kept it from growing, fire spokesperson Jeremy Ruiz said."We had helicopters dropping water until around 3 a.m. That kept it in check," he said.

'Blatantly unconstitutional': Federal judge blocks Trump's executive order redefining birthright citizenship

Decision prevents Trump administration from taking steps to implement executive order for 14 days. Meanwhile, parties will submit further arguments about merits of Trump's order.

SEATTLE. A federal judge on Thursday temporarily blocked President Donald Trump's executive order redefining birthright citizenship, calling it "blatantly unconstitutional" during the first hearing in a multi-state effort challenging the order.The 14th Amendment to the Constitution promises citizenship to those born on U.S. soil, a measure ratified in 1868 to ensure citizenship for former slaves after the Civil War. But in an effort to curb unlawful immigration, Trump issued the executive order just after being sworn in for his second term on Monday.

The order would deny citizenship to those born after February 19 whose parents are in the country illegally. It also forbids U.S. agencies from issuing any document or accepting any

state document recognizing citizenship for such children.Trump's order drew immediate legal challenges across the country, with at least five lawsuits being brought by 22 states and a number of immigrants rights groups. A lawsuit brought by Washington, Arizona, Oregon and Illinois was the first to get a hearing."I've been on the bench for over four decades. I can't remember another case where the question presented was as clear as this one is," U.S. District Judge John Coughenour told a Justice Department attorney. "This is a blatantly unconstitutional order."Thursday's decision prevents the Trump administration from taking steps to implement the executive order for 14 days. In the meantime, the parties will submit further arguments about the merits of Trump's order. Coughenour scheduled a hearing on Feb. 6 to decide whether to block it long term as the case proceeds.Coughenour, 84, a Ronald Reagan appointee who was nominated to the federal bench in 1981, grilled the DOJ attorney, Brett Shumate, asking whether Shumate personally believed the order was constitutional."I have difficulty understanding how a member of the bar could state unequivocally that this is a constitutional order," he added.Shumate assured the judge he did — "absolutely." He said the arguments the Trump administration is making now have never previously been litigated, and that there was no reason to issue a 14-day temporary restraining order when it would expire before the executive order takes effect.The Department of Justice later said in a statement that it will "vigorously defend" the president's executive order, which it said "correctly interprets the 14th Amendment of the U.S. Constitution.""We look forward to presenting a full merits argument to the Court and to the American people, who are desperate to see our Nation's laws enforced," the department said.The U.S. is among about 30 countries where birthright citizenship — the principle of jus soli or "right of the soil" — is applied. Most are in the Americas, and Canada and Mexico are among them.The 14th Amendment was ratified in 1868, in the aftermath of the Civil War, to ensure citizenship for former slaves and free African Americans.

How Microsoft powered Israel's war machine in Gaza: Report

World. Leaked internal documents reveal Microsoft's role as a major purveyor of cloud services and artificial intelligence (AI) technology to the Israeli military, with its support picking up pace after Hamas's October 7 attack on Israel ignited the Gaza conflict.A joint investigation by the Guardian, +972 Magazine, and Local Call details how Microsoft bolstered its relationship with Israel's defence establishment following the unprecedented Hamas assault, signing deals worth at least $10 million. These agreements reportedly provided thousands of hours of technical support, alongside expanded computing and storage services.The Israel Defense Forces (IDF), facing increased demand for computing power after launching its offensive in Gaza, turned to tech companies to scale its infrastructure, triggering a "gold rush". As firms vied for military contracts, Microsoft offered steep discounts to edge out rivals.According to one military commander who spoke to the Guardian, this marked a shift toward "the wonderful world of cloud providers."The documents, first obtained by Drop Site News, show the IDF's reliance on Microsoft, Amazon, and Google for data storage and intelligence analysis grew sharply. Between June 2023 and April 2024, Microsoft's cloud storage usage within the military surged by over 155 per cent, peaking before the Rafah offensive in May 2024.Microsoft's Azure platform and ChatGPT-maker OpenAI's language model tools accounted for nearly 75 per cent of the IDF's usage. These services supported combat and intelligence activities, including projects with Unit 8200, the IDF's elite surveillance division, and Unit 81, which develops advanced spy technology.The tech behemoth was frequently involved in sensitive and highly classified projects. It played a role in maintaining "Rolling Stone," a system that tracks the movement of Palestinians in the West Bank and Gaza.During the military operation in Gaza, Ofek, an air force unit responsible for managing databases of targets for strikes, relied on Microsoft's communication and messaging systems.The leaked files also detail Microsoft's provision of AI tools like Lavender, which reportedly analysed data on 2.3 million Gaza residents to identify potential Hamas connections. The system flagged about 37,000 Palestinians as suspects, according to Tel Aviv-based +972 Magazine.The revelations come as Google also ramped up its support to Israel's Defence Ministry, offering increased access to its AI technologies.

Massive LA wildfires slow down after days of devastation

World. Evacuation orders in Los Angeles were lifted for thousands of residents on Thursday after firefighters succeeded in slowing down the spread of massive fire.The hilly region still remains under a red flag warning for critical fire risk until Friday, with strong winds challenging containment efforts.The Hughes Fire, which erupted near Castaic Lake on Wednesday, quickly engulfed a vast green patch of almost 41 square kilometres of trees and brush.

Firefighters had made significant effort by Thursday afternoon, containing about a quarter of the blaze.The lake, a popular recreation spot situated at the distance of 64 kilometres from the sites of the weeks-old Palisades and Eaton fires, also remains under threat.Meanwhile, two new fires broke out in San Diego County on Thursday. A blaze in La Jolla, near the University of California, prompted temporary evacuations before being brought under control.

Another fire near the US-Mexico border spread rapidly through the Otay Mountain Wilderness, home to endangered species like the Quino checkerspot butterfly.Rainfall, which is forecasted for the weekend, has ignited hopes of relief from the months-long dry spell."We had helicopters dropping water until around 3 a.m., which kept the fire in check," said fire spokesperson Jeremy Ruiz.

While nearly 54,000 residents in the Castaic area remain under evacuation warnings, no homes or structures have been reported damaged.

Among those affected was Kayla Amara, a nurse from Valencia. She rushed to a friend's home in Castaic's Stonegate neighbourhood to retrieve belongings but found herself hosing down the property as the fire grew.

"It's been stressful with those other fires, but now that this one is close to home it's just super stressful," she said.The Palisades Fire is now almost 75 per cent contained, while Eaton Fire is 95 per cent under control. These two devastating blazes, which began earlier this month, have claimed 28 lives and destroyed more than 14,000 structures.California officials are preparing for potential debris flows as rain approaches, particularly in the Pacific Palisades and Altadena areas, where damage is extensive.

Statewide, the fires have caused an estimated $28 billion in insured damage, with additional losses likely uninsured, according to disaster modelling firm Karen Clark and Company.In response, the California Legislature approved a $2.5 billion fire relief package on Thursday to assist recovery efforts in Los Angeles and other affected areas.President Donald Trump is set to visit the state on Friday to assess the damage, though it remains unclear whether he will meet with Democratic Governor Gavin Newsom during the trip.

Syria's economic pains are far from over despite Assad's ouster

DAMASCUS. Samir al-Baghdad grabbed his pickax and walked up a wobbly set of stairs made of cinderblocks and rubble. He is rebuilding his destroyed family house in the Qaboun neighborhood near Damascus.

The traditional building, which once housed his family, parents and some relatives, had a courtyard decorated with plants and tiled floors where guests were received. But the house, like scores of others nearby, has been reduced to heaps of rubble during years of civil war.Al-Baghdadi can't afford to hire workers or rent a bulldozer to clear the debris and fix the house. He makes just about enough money as a mechanic to feed his family. But he's desperate to rebuild it because he is struggling to pay skyrocketing rent for an apartment.

"Economic opportunities are basically nonexistent," al-Baghdadi said, sitting on a pile of rubble and debris where the house's entrance used to be. "So we're going to slowly rebuild with our own hands."Although Syrian President Bashar Assad was toppled last month in a lightning insurgency, the country's dire economic conditions that protesters decried have not changed.The economy has been battered by corruption and 13 years of civil war. Coupled with international sanctions and mismanagement, inflation skyrocketed, pulling some 90% of the country into poverty.

Over half the population—some 12 million people—don't know where their next meal will come from, according to the UN World Food Program.With no sign of a full-scale withdrawal of international sanctions and continuing caution among potential overseas investors, the honeymoon period for the country's new rulers could be short-lived.

Qaboun, just a stone's throw away from the city center, and other eastern Damascus neighbourhoods became rebel strongholds in 2012, when the country's mass protests against Assad spiraled into all-out war.It suffered government airstrikes and artillery fire, and at one point Islamic State group extremists. In 2017, government forces reclaimed the neighbourhood, but when al-Baghdadi tried to return in 2020, security forces kicked him out and forced him to sign a pledge to never return, saying it was a security zone that was off limits.After Assad's fall, al-Baghdadi was finally able to return.Like many, he was euphoric and hoped it would pave the way for better times despite the many challenges that lay ahead, including rampant power cuts and fuel shortages.For years, Syrian families have relied on humanitarian aid and remittances from family members living abroad to survive.n top of the gargantuan costs of rebuilding the country's destroyed electricity, water and road infrastructure,

money is needed to restore its battered agriculture and industrial sectors to make its hobbled economy productive again.The United Nations in 2017 estimated that it would cost at least $250 billion to rebuild Syria. Some experts now say that number could reach at least $400 billion.Wealthy Gulf countries have pledged to build economic partnerships with Syria's new interim rulers, while Washington has eased some restrictions without fully lifting its sanctions.The US Treasury Department issued a six-month license authorizing some transactions with Syria's interim government. While it includes some energy sales, Syrians say it isn't enough.Sinan Hatahet, an economic researcher at the Washington-based Atlantic Council think tank, said the US actions were the "bare minimum" needed to show good faith to Damascus and aren't enough to help Syria jumpstart its economy. "It doesn't help the private sector to engage," Hatahet said.

"The restrictions on trade, the restrictions on reconstruction, on rebuilding the infrastructure are still there."While countries are hesitant to make more impactful decisions as they hope for a peaceful political transition, many Syrians say the economy can't wait. "Without jobs, without huge flows of money and investments … these families have no way of making ends meet," Hatahet said.The executive director of the World Food Program echoed similar sentiments, warning Syria's neighbors that its food and economic crisis is also a crisis of security. "Hunger does not breed good will," Cindy McCain said in an interview during her first visit to Damascus.

NEWS BOX

Australian Open: Novak Djokovic retires with injury in semis, Zverev into final

Australian Open 2025: Seventh seed Novak Djokovic retired from his semi-final match against Alexander Zverev at the Rod Laver Arena after losing the first set.

New Delhi On Thursday, Djokovic, reportedly, also cancelled his training session, mostly as a precautionary measure before the all-important semi-final. In the match against Zverev, Djokovic again came in with his leg taped-up. This time around, after he couldn't come up trumps in the first set, he decided to throw in the towel.In the first set, Djokovic got three chances to break Zverev's serve, but could not convert any of them. Zverev dominated him with eight aces and 24 winners, but Djokovic managed to hold his nerve and take the set into a tie-break.

At 6-6, it was even stevens before Djokovic lost the set after an unforced error. Djokovic was looking for his 11th title in the hard court

major and his 100th win in the Australian Open, but the veteran has to wait for a year to achieve the landmarks.Djokovic has had his fair share of trouble with injuries in the last 12 months. Last year at Roland Garros, he withdrew due to a right-knee injury ahead of his quarterfinal match against Casper Ruud. He also missed the ATP Finals in Turin, Italy, due to an injury.As far as Zverev is concerned, he advanced to his maiden final at Melbourne Park. In the summit clash to be held on Sunday, January 26, Zverev will be up against the winner of the second semi-final between World No.1 Jannik Sinner and USA's Ben Shelton.Back in 2020, Zverev lost to Dominic Thiem in the US Open final. Last year, it was Alcaraz who got the better of him in the grand finale of the French Open. Zverev will be looking to come out on the winning side in his third appearance in a final at Grand Slams.

Ronald Araujo shuts transfer rumours after signing FC Barcelona contract extension

NEW DELHI. Uruguayan centre-back Ronald Araujo has put an end to ongoing transfer speculation by signing a six-year contract extension with La Liga giants FC Barcelona. The deal, which secures Araujo's services until 2031, reaffirms the club's faith in the 25-year-old defender, who has become a key figure in their backline since joining in 2018.

Despite battling injuries that limited his appearances this season, Araujo remains a pivotal part of Barcelona's defensive unit. His performances and leadership qualities have earned the trust of coach Hansi Flick, who has consistently backed the centre-back amidst growing rumours linking him to Serie A side Juventus"His (Araujo's) winning mentality and supreme defensive skills quickly made him a fan favourite, and he is now regarded as one of the best centre backs in the whole world. Not only that, but he has also proved his worth as a full back too," Barcelona said in their statement.Barcelona's decision not to disclose the exact value of Araujo's release

clause has raised intrigue. Reports suggest that Araujo's representatives pushed for a reduction in the release clause, which had been initially set at a staggering €1 billion. This adjustment underscores the club's willingness to accommodate the player's requests while ensuring his long-term commitment to the team.Araujo's extension comes at a time when Barcelona are looking to maintain stability within their squad amid financial challenges and transfer market uncertainties. The Uruguayan's presence offers reliability and a sense of continuity as the Blaugrana aim to strengthen their defensive solidity in pursuit of domestic and European success.By retaining one of their captains, Barcelona have not only secured a talented defender but also sent a clear message about their intent to build a competitive squad around key players. Araujo's long-term stay reflects his belief in the club's vision and his desire to contribute to its future triumphs.

Europa League: Fernandes hands Manchester United dramatic victory over Rangers

United move up to fourth in the table with one match of the league phase remaining.

MANCHESTER. Manchester United closed in on a direct passage to the Europa League last 16 thanks to Bruno Fernandes' late winner to beat Rangers 2-1 on Thursday.

The Red Devils looked set to suffer more disappointment at Old Trafford when Cyriel Dessers levelled for an injury-ravaged Rangers in the 88th minute.

But Fernandes spared United's blushes and possibly the playoff round by blasting home in stoppage time."It was a victory that we truly needed in this moment," said under-fire United boss Ruben Amorim.United move up to fourth in the table with one match of the league phase remaining.

The top eight will qualify directly for the last 16, which may now be beyond Rangers, who slip to 13th.However, the Glasgow giants battled bravely in the circumstances as coach Philippe Clement had to turn to two teenagers off the bench in the second half as his injury problems mounted.

"I saw everybody gutted in the dressing room that we lost after playing that kind of game," said Clement.

"I am also very proud what the team did today, sticking to the plan with really young players coming on the pitch,"

Amorim had blasted United's current crop as the worst in the club's history after a bruising 3-1 defeat to Brighton at the weekend.That was a fourth defeat in five home games and United's nervousness in front of an expectant crowd was clear to see in the early stages before they began to take control.Alejandro Garnacho has been linked with a move away in the closing weeks of the transfer window as United look to ease their issues with meeting profit and sustainability rules.The Argentine is attracting interest from Napoli and Chelsea and should have signed off with at least one goal if it is to be his final appearance for the club.

Garnacho's goalbound effort was deflected

over by Nico Raskin before United had the ball in the net from the resulting corner.

Matthijs de Ligt's towering header was controversially ruled out for a foul on Robin Propper and VAR did not intervene.

Butland's nightmare return

Already shorn of John Souttar, Neraysho Kasanwirjo, Ianis Hagi, Danilo and Oscar Cortes, Rangers had to cope with three more injuries as Leon Balogun and Connor Barron did not appear for the second half and Vaclav Cerny limped off on the hour mark.Clement had to throw on two 18-year-olds with barely any first team experience in Bailey Rice and Findlay Curtis.Yet, they were ultimately only beaten by a huge error from one of their most experienced players.Jack Butland did not play for United during a spell with the Red Devils in 2023.The former England international goalkeeper endured a nightmare return as he punched Amad Diallo's corner into his own net to break the deadlock.United failed to press home the advantage as Garnacho fired a glorious chance off the post from close range.And they could have been punished as Dessers smashed home after Harry Maguire got caught underneath a long ball.

Not for the first time this season, Fernandes rode to United's rescue with the one moment of quality in a scrappy game when he cushioned Lisandro Martinez's cross through Butland's legs.

Rangers are still set to at least make the playoff round and have an outside chance at making the top eight if they beat Union Saint-Gilloise at Ibrox next week.

United travel to Romanian side FCSB with a point likely enough to secure place in the last 16.

Gadecki, Peers win first all-Aussie mixed doubles final in 58 years at the Australian Open

MELBOURNE. Olivia Gadecki and John Peers combined for a 3-6, 6-4, 10-6 victory over John-Patrick Smith and Kimberly Birrell on Friday to win the first all-Aussie Australian Open mixed doubles final since 1967.The two wild-card pairings faced off on Rod Laver Arena to start the action on Day 13 at the year's first major.

Gadecki hit an overhead winner to secure the match and claim her first major title. Peers added to his collection which already included an Olympic gold medal and an Australian Open title in men's doubles, and a mixed doubles title at the 2022 U.S. Open.

"It's so nice to play an all-Aussie final, so

congrats," the 22-year-old Gadecki said during the trophy presentation. To Peers, she added: "Thanks for letting me ride the wave, and just having a great time out there."

Peers responded: "You're a class act — keep going. This is just the start for you."For Smith, the loss coincided with his 36th birthday, something Birrell didn't forget, leading off the singing of "Happy Birthday" during the presentation ceremony.Gadecki and Birrell played women's doubles together at the Australian Open and reached the third round.Later Friday, 10-time Australian Open champion Novak Djokovic was scheduled to play No. 2 Alexander Zverev in the first of the men's singles semifinals. Defending champion Jannik Sinner faced No. 21 Ben Shelton in a night match

Don't boo Djokovic: Zverev calls out unruly crowd after Serb retires with injury

New Delhi. German tennis star Alexander Zverev called out the crowd at the Rod Laver Arena and urged them not to boo Novak Djokovic after the Serbian legend retired from their Australian Open men's singles semi-final clash. The unexpected turn of events left the crowd in shock as Djokovic, battling a thigh injury, withdrew after just one set.A section of the crowd expressed their frustration by booing Djokovic, prompting Zverev to speak out during his post-match on-court interview. Zverev defended his opponent, and his good friend, acknowledging Djokovic's efforts and the physical challenges he faced throughout the tournament. Zverev emphasised the importance of respect, urging fans to appreciate the 24-time Grand Slam champion's legacy and dedication to the

sport."Please, do not boo any player, much less Novak. He has done everything imaginable for this sport, he has tried to compete despite his problems. I know you have paid for a ticket, but he has been giving everything to this sport for 20 years and won this tournament with a torn abdominal muscle. Show a little love...I had to play the best set of the tournament to beat him while he was injured. He is too good," Zverev said.

"There's no guy on tour I respect more than Novak. He's been one of my closest friends. Whenever I struggled, I could always call him. I have nothing but respect for him" he added.The highly anticipated clash had begun with both players showcasing exceptional tennis, with Zverev narrowly clinching the opening set in a tense tie-break, 7-6(7-5). However, the excitement turned to disbelief when Djokovic, visibly struggling with discomfort, walked over to embrace Zverev before retiring from the match. The sight of Djokovic leaving the court stunned the Rod Laver Arena, as fans were left disappointed by the abrupt end to the contest.

People say I look like Jasprit Bumrah while bowling: Australia's Lily Bassingthwaighte

Australia's Under-19 star Lily Bassingthwaighte has revealed that people often compare her action with India speedster Jasprit Bumrah.

NEW DELHI. Australia's Under-19 fast bowler Lily Bassingthwaighte revealed her admiration for India fast bowler Jasprit Bumrah and mentioned that people say that she looks like him when she bowls. Bassingthwaite is currently participating in the ICC Women's Under-19 T20 World Cup 2025 and starred with the ball for his team in their opening fixture against Nepal.Recently, the rising star revealed that she's a big fan of Jasprit Bumrah as people often compare her action with the India fast bowler. She also praised the India speedster for his mentality and his ability to get wickets at crucial stages of the game."I want to say Jasprit Bumrah because his elbow also hyperextends and mine do that a bit too, so people say that I look like him when I bowl. I just like his mentality as he always finds a way to get wickets. I don't know if it's great when it's against Australia but he's good to watch," Bassingthwaighte said in a video shared by the ICC (International Cricket Council) on Instagram.Bassingthwaighte was the pick of bowlers for Australia U-19 during their win in the opening fixture against Nepal U-19. The right-arm seamer registered figures of 2/4 in three overs to restrict Nepal to 56/8 in reply to Australia's score of 139/6. Caoimhe Bray was adjuged Player of the Match for top scoring for Australia with her knock of 45 (34) in Australia's 83-run win.Bumrah in contention to win ICC Test Cricketer of the YearMeanwhile, Bumrah is in contention to be awarded ICC Test Cricketer of the year after his phenomenal performance in the format in 2024. The India speedster took 71 wickets from 13 Tests at an average of 14.92 and claimed the top spot in the ICC Test bowling rankings.Bumrah has been nominated alongside Joe Root, Kamindu Mendis and Harry Brook. Meanwhile, India are fretting over the fitness over his fitness ahead of ICC Champions Trophy 2025 after Bumrah injured himself during the fifth Test against Australia in Sydney. The speedster is currently at the National Cricket Academy (NCA) in Bengaluru as Indian fans await confirmation on his fitness.

Manoj Tiwary recalls being 'targetted' by former KKR captain Gautam Gambhir

Manoj Tiwary opened up about being unfairly targeted by Gautam Gambhir during their time at Kolkata Knight Riders, detailing strained moments, including a confrontation where Wasim Akram had to intervene.

NEW DELHI. Former Indian cricketer Manoj Tiwary has shed light on his strained relationship with Gautam Gambhir during their time together at Kolkata Knight Riders (KKR) in the Indian Premier League. In an interview with Lallantop, Tiwary shared instances of being unfairly targeted by Gambhir, who was KKR's captain during his tenure with the team.Renowned for his determined and fiery personality, Gambhir's leadership style brought KKR great success, including two IPL titles. However, it also led to friction with teammates, including Tiwary, who described Gambhir's behaviour as unnecessarily harsh and, at times, hurtful. Tiwary revealed that their disagreements often escalated to the point where others had to intervene. He recalled one specific incident when KKR's then bowling coach, Wasim Akram, had to step in to prevent a war of words between the two."I would get scolded without any reason. I couldn't understand why he would target me. In fact, when I came to KKR in 2010, he and I got along nicely. But then he would lose his cool at me out of the blue. He would use very hurtful words. Then, when I started thinking about it, I realised that out of all the local boys at KKR, I was the one who used to perform consistently. And since I was a promising youngster, the media was giving me attention. So, he didn't react to it well. That is what I believe," Tiwary said on Lallantop."Once, we had a heated argument about my batting position at the Eden Gardens. I was upset and had gone to the washroom. He barged in and said 'This attitude won't work. Tujhe kabhi khilaunga nahi (I won't give you a game). This and that.

I never liked such words. He was giving me a threat. Aaj ke baad, tujhe kabhi khilaunga nahi. Wasim Akram also came in. He was our bowling coach, so he calmed things down. He said 'You are the captain. Cool down' He understood, he knew what was happening. He had said good things about my talent a few years ago," Tiwary said.Gambhir, who now serves as India's head coach, has often been a divisive figure in cricket. His no-nonsense attitude and strict approach have drawn criticism from players and commentators alike. Recently, Tiwary openly criticised Gambhir's appointment as head coach following India's Test series defeats to New Zealand and Australia. He questioned Gambhir's credentials for the role, labelling him a "hypocrite" who fails to practise what he preaches. Tiwary argued that Gambhir lacks clarity in his coaching philosophy and has yet to establish a distinctive style that benefits the national team.Gambhir's uncompromising approach has also been evident in his current role as head coach. Reports suggest he recommended the BCCI impose restrictions on family time for players during tours, a move aimed at fostering focus and discipline but one that has sparked debate about maintaining a healthy balance between personal and professional commitments.

Vicky Kaushal

Helps Co-Star Rashmika Mandanna As She Hobbles With Leg Injury At Chhaava Trailer Launch

Rashmika Mandanna arrived at the Mumbai airport this morning, visibly struggling with a leg injury she sustained last month. A video circulating on social media captured the actress limping slightly before she was assisted into a wheelchair. Despite the setback, Rashmika displayed her professionalism by attending the trailer launch of her upcoming film Chhaava alongside Vicky Kaushal in Mumbai later in the day.At the event, Rashmika hobbled on one leg while making her way to her seat, and her co-star Vicky Kaushal stepped in to help, offering her a steady hand and ensuring she was comfortably seated.

Rashmika Mandanna sustained a severe leg injury while she was working out at the gym on January 12, 2025. Despite that, she continues to fulfil her work commitments.Rashmika had earlier taken to her social media handle to share her health update. Sharing photos of herself where she was seen sitting on a chair and propping up her injured feet on a cushion, the actress wrote, “Well… happy New Year to me I guess! (Woman facepalming emoji) Injured myself in my sacred gym shrine (smiling face with tear and smiling face with tear emojis). Now I’m in ‘hop mode’ for the next few weeks or months or god only knows, so seems like I’ll be hopping my way back to sets for Thama, Sikandar, and Kubera! (Heart with an arrow and smiling face with hearts emojis).”“To my directors, sorry for the delay…I’ll be back soon enough just making sure my legs are fit for action (or at least fit for hopping) (rabbit face, collision emoji and monkey emojis). In the meantime, if you need me…I’ll be the one in the corner doing a highly advanced bunny hop workout. HOP HOP HOP… (rabbit and sparkles emoji)," she added.

Sahiba Bali

Stuns In A Sleek Black Strapless Dress, Hottest-Ever Photos Go Viral

Sahiba Bali once again set the internet ablaze with her latest Instagram update, featuring stunning photos that showcase her elegance and impeccable sense of style. Dressed in a sleek black strapless tea-length dress, she accentuated her look with minimal yet striking gold jewellery, including statement earrings and a delicate ring. Her soft, wavy hair cascaded over her shoulders, styled to perfection. In one of the photos, Sahiba is captured in a beautiful moment, with her hand lightly touching her hair.

Not long back, Sahiba shared photos from her beach vacay on her Instagram account. Taking a dip in crystal-clear waters, she can be seen snorkeling, embracing the tranquility of the ocean. In the first photo, Sahiba is captured mid-swim, gracefully navigating the turquoise waters, showing off her adventurous side. In the second frame, she strikes a playful peace sign while perched on the steps, wearing a sleek navy-blue bikini and snorkeling gear, ready to dive back in.

Sahiba Bali, recently seen in Imtiaz Ali’s Chamkila with Parineeti Chopra and Diljit Dosanjh, has become a fan favourite. She made her debut as Radha in Dear Maya (2017) and later appeared in Laila Majnu (2018) and the short film Jiya Jaye (2017). She has also acted in popular web series like Bard of Blood (2019) as Abida and Tanaav as Toshi Kaul.

A recent workout video of Sahiba Bali went viral on Instagram, showing her giving it her all during an intense gym session.

She focused on arm exercises like side-lateral raises, bicep curls, tricep pushdowns, overhead presses, and concentration curls. Wearing a mustard sports bra and black shorts with braided hair, she impressed fans with her dedication and toned physique.Sahiba Bali is currently hosting Shark Tank India 4.

Shilpa Shirodkar Shares Heartfelt Instagram Post On Sister Namrata Shirodkar's Birthday: 'I Missed You'

Even though Bigg Boss 18 has ended, Shilpa Shirodkar remains in the spotlight. Her journey on the show had its share of ups and downs, blending resilience, drama, and surprises. Entering as a seasoned actress, Shilpa caught attention for her strong opinions and straightforward approach. Her candidness and strategic moves set her apart, and her composed handling of tricky situations earned her praise from viewers.During Shilpa’s Bigg Boss journey, if there was one person who stood by her unwaveringly, it was her sister, Namrata Shirodkar. On Wednesday, which marked Namrata’s birthday, Shilpa took to Instagram to share an adorable video — a heartfelt compilation of the sisters’ happiest moments together over the years.

In the caption, Shilpa expressed her love and admiration for her sister and also highlighted how much she missed Namrata during their time apart owing to her Bigg Boss 18 journey. “Wishing you a happy, happier, and happiest birthday, @namratashirodkar ?? How I missed you and just simply talking to you over the past 3 months—whether it was a call or just chatting over a cup of coffee. You are and will always be the special one for me!" she wrote.Shilpa continued, “Thank you for being not just an amazing sister, but also my constant source of love, strength, and happiness! Love you so much!"

Shilpa Shirodkar’s journey on Bigg Boss 18 concluded in the final week. The actress was eliminated from the contest just days before the finale, leaving Karan Veer Mehra, Vivian Dsena, Chum Darang, Eisha Singh, Avinash Mishra, and Rajat Dalal to fight for the trophy, But the actress’ journey in the house was nothing short of dramatic. Shilpa was often seen emotional in the game, and her bond with Vivian Dsena and Karan Veer Mehra remained the highlight.

Saif Ali Khan 'Walking, Waving' After Discharge From Mumbai Hospital Sparks Debate Over Attack

A debate over Saif Ali Khan’s attack has broken out, with some political leaders questioning if he was indeed stabbed or he was “acting", while others came out in support of the actor and his bravery.Maharashtra Minister Nitesh Rane has raised questions over the attack on Saif Ali Khan, asking if the actor was really stabbed or if he was “acting". Rane said that Saif, who was discharged from the hospital on January 21, was “dancing while walking" back to his residence.

His remarks came a day after Shiv Sena leader Sanjay Nirupam raised questions over the actor’s quick recovery in five days after he was stabbed six times by an intruder at his house on January 16 morning. Saif underwent a six-hour-long surgery as a 2.5-inch knife was stabbed in his body. The actor had also suffered an injury near his spine and had to be shifted to the ICU following the surgery.

What Did Nitesh Rane Say On Saif Ali Khan’s Attack?

Addressing an event in Pune on Wednesday, Rane took a potshot at illegal immigration, referring to the arrest of a ‘Bangladeshi’ man accused of attacking Saif, and said that he may have entered the actor’s residence to “take him away".“Look at what Bangladeshis are doing in Mumbai. They entered Saif Ali Khan’s house. Earlier they used to stand at the crossings of the roads, now they have started entering houses. Maybe he came to take him (Saif) away. It is good, garbage should be taken away," he said.The Minister said that the way Saif walked in comfortably to his home after being discharged from the Lilavati Hospital made him doubt whether the actor was “stabbed or he was acting".

“I saw when he came out of the hospital, I doubted whether he had been stabbed or he was acting. He was dancing while walking. Whenever any Khan like Shahrukh Khan or Saif Ali Khan gets hurt, everyone starts talking about it. When a Hindu actor like Sushant Singh Rajput is tortured, no one comes forward to say anything," Rane said.The BJP leader further attacked the Oposition for taking a stand on ‘religious lines’.“That Mumbra’s Jeetuddin (Jitendra Awhad) and Baramati’s Tai (Supriya Sule) did not come forward to say anything… They are only worried about Saif Ali Khan, Shah Rukh Khan’s son, and Nawab Malik… Have you ever seen them worrying about any Hindu artist… You guys should pay attention to all these things," Rane said.